अंक–11 (मासिक) वर्ष–12 मई 2017 मूल्य 20/–

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 May, 2017

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन

शपथ के साथ 'संकल्प' का हाथ

गुजरात प्रदेश की कमान त्रिभुवन काबरा के हाथ

युवा संगठन ने किया सम्मान कल आज और कल का

आप आगे बढ़ें 21 करोड़ के ट्रस्टों के साथ महासभा ने बढ़ाये सेवा के हाथ

श्री माहेश्वरी मेलापक

वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2017 (द्वितीय)
बॉयोडाटा का प्रकाशन प्रारंभ

दिल्ली नगर निगम में माहेश्वरी परचम
3 माहेश्वरी महिलाएं बनी पार्षद

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

द्वारा

उज्जयिनी में 8 एवं 9 अप्रैल 2017 को आयोजित

प्रथम कार्यसमिति बैठक ''संकल्प''

एवं

शपथ ग्रहण समारोह

के आतिथ्य एवं आत्मीयता के लिए शत् शत् वंदन

हम आभारी हैं

आयोजन में उपस्थित सम्मानीय अतिथि एवं
संगठन के सभी सम्मानीय पदाधिकारी एवं सदस्यगणों का
जिन्होंने पधारकर हमारा मान बढ़ाया।

हम आभारी हैं

पश्चिमी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन
उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन, उज्जैन माहेश्वरी समाज के बन्धु एवं भगीनी,
श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार एवं सभी बन्धुओं का
जिनके सहयोग ने बना दिया इस आयोजन को ऐतिहासिक

आशा माहेश्वरी
महामंत्री

समस्त पदाधिकारी एवं पूर्व अध्यक्षगण
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

कल्पना गगड़ानी
अध्यक्ष

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

» अंक-11 » मई, 2017 » वर्ष-12

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
डॉ. एच.एल. माहेश्वरी, उज्जैन

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय- 90, विद्या नगर (टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Bank A/c Detail-
Sri Maheshwari Times
PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

छपते-छपते . . .

दिल्ली नगर निगम में भी माहेश्वरी परचम

तीन माहेश्वरी महिलाओं ने भारी बहुमत से हासिल की जीत

नईदिल्ली. हाल में ही सम्पन्न हुए दिल्ली नगर निगम के चुनाव में भाजपा ने अपनी जीत का जो परचम लहराया, इसमें माहेश्वरी समाज ने भी अपना विशिष्ट योगदान दिया है। इस चुनाव में समाज की तीन महिला प्रत्याशियों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को भारी मत से पराजित कर अपना वर्चस्व प्रदर्शित किया है।

इन्होंने हासिल की विजयश्री

रेणु जाजू - वार्ड क्रमांक 62-शालीमार बाग

भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री रेणू जाजू अपने प्रतिद्वंद्वी को 3500 मतों से पराजित कर वार्ड पार्षद चुनी गईं। श्रीमती जाजू समाज सदस्य ओमप्रकाश जाजू की धर्मपत्नी हैं। वे सौंदर्य प्रसाधन के अपने व्यवसाय के साथ भाजपा को भी लंबे समय से अपनी सक्रिय सेवा प्रदान कर रही हैं। संगठन ने उनकी इन समर्पित सेवाओं को देखते हुए ही विश्वास के साथ यह अवसर प्रदान किया था, जिसमें वे खरी उतरीं।

कंचन माहेश्वरी - वार्ड क्रमांक 26-क्रांति नगर

कंचन समदानी धर्मपत्नी नीरज समदानी भाजपा प्रत्याशी के रूप में कांति नगर वार्ड 26 से 9115 वोटों से विजयी हुईं। श्रीमती माहेश्वरी शिवकरण समदानी मनासा (मप्र) की पौत्रवधू व रमेशचंद्र समदानी की सबसे छोटी पुत्रवधू तथा स्वर्गीय श्री राजबहादुर बिड़ला निवासी गुड़गांव की पुत्री हैं। समदानी परिवार शुरू से ही मनासा, दिल्ली व उज्जैन का ख्यातनाम परिवार रहा है। वे 15 वर्षों तक भाजपा महिला मोर्चा से सम्बद्ध रहते हुए मंडल अध्यक्ष आदि पदों पर रहीं तथा वर्ष 2014 से भाजपा शाहदरा जिला मंत्री का दायित्व भी संभाल रही हैं।

रीना माहेश्वरी - वार्ड क्रमांक 36-अशोक नगर

वार्ड क्रमांक 36 अशोक नगर क्षेत्र से माहेश्वरी समाज की रीना माहेश्वरी ने 5728 मतों के साथ अपने प्रतिद्वंद्वी को पराजित कर विजयश्री प्राप्त की है। श्रीमती माहेश्वरी ख्यात व्यवसायी तथा दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी सभा सचिव मुकेश माहेश्वरी की धर्मपत्नी हैं। स्वयंसेवी संस्था सेवा भारती तथा भाजपा महिला मोर्चा की मंडल कार्यकारिणी से लंबे समय से सम्बद्ध रहकर अपनी सेवा देती रही हैं। उन्होंने संगठन में महिला मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी निभाई है।

समाज में हर्ष व्याप्त

इस सफलता की जहाँ भी खबर पहुँची समाज में हर्ष व्याप्त हो गया। समाज को मिली इस सफलता में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू की अहम भूमिका रही है। दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन व भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष किरण लड्डा, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व महामंत्री व भाजपा राजस्थान प्रदेश कोषाध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा तथा अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी, संयुक्त मंत्री उत्तरांचल शर्मिला राठी सहित कई गणमान्यजनों ने नवनिर्वाचित माहेश्वरी पार्षदों को बधाई देते हुए इस सफलता पर हर्ष व्यक्त किया।

"ट्रस्ट" मतलब "विश्वास"

गत दिनों इन्दौर में समाज के शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा की कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न हुई। आमतौर पर तो लोगों ने सोचा यही था कि यह भी पूर्व की बैठकों की तरह ही रहेगी, स्वागत होगा, कुछ चर्चा होगी, कुछ योजना बनेंगी और फिर हँसी-खुशी के साथ समापन। लेकिन इस बैठक में जो हुआ उसने न सिर्फ समाज बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र को चौंका दिया। इस बैठक के दौरान महिलाओं, विद्यार्थियों, युवाओं तथा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये लगभग 5 ट्रस्ट बने और इतना हीं नहीं मात्र कुछ मिनिटों में इनके लिये 21 करोड़ रुपये की राशि भी एकत्र हो गई। यह न सिर्फ माहेश्वरी समाज अपितु देश के समाज संगठनों के लिये भी ऐतिहासिक है, क्योंकि इससे पहले किसी सामाजिक गतिविधि के लिये इतने कम समय में इतनी बड़ी राशि शायद कभी एकत्र नहीं हुई होगी।

इन ट्रस्टों के लिये इतनी बड़ी राशि के संग्रह का कारण महासभा के प्रति विश्वास है। अतः यह सफलता समाज के विश्वास की सफलता है। अब महासभा के पदाधिकारियों की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है, इस विश्वास की वृद्धि के साथ, इस विश्वास पर खरा उतरने की। अभी तक कई ट्रस्ट व संस्थाऐं बनीं है, लेकिन उनका आम समाजजन को कितना लाभ मिला यह सभी जानते है? इसका कारण आम समाजजन तक इनकी पर्याप्त पहुँच न होना है। अतः जिम्मेदारी इन ट्रस्ट के गठन से ही समाप्त नहीं होती, बल्कि जब इन ट्रस्टों की जानकारी जन-जन तक पहुँचेगी और हर जरूरतमंद इनका लाभ ले पाएगा, तभी इन उद्देश्य की पूर्ति होगी। इसके लिये पूर्व में गठित ट्रस्टो के प्रचार-प्रसार की कमी को गंभीरता से लेना होगा, अन्यथा ये ट्रस्ट भी सिर्फ संगठन की शोभा बढ़ाते रहेंगे, समाज की नहीं।

अ.भा. महिला संगठन के उज्जैन में सम्पन्न दायित्व ग्रहण समारोह को मिली सफलता का श्रेय उन सभी महिलाओं को जाता है, जिन्होंने संगठन को आगे बढ़ाने के साथ अपनी रचनात्मकता और विचारशील प्रतिभा को प्रदर्शित किया। उन्होंने यह साबित किया कि उन्हें जो दायित्व दिया गया है, उसे वे पूरी तन्मयता से पूरा कर संगठन को न केवल नई पहचान देंगी, अपितु सार्वभौम तथ्यों की प्रतिपूर्ति भी करेंगी। संगठन की समितियों ने अपने लक्ष्य और कार्यप्रणाली को अद्‌भुत तरीके से प्रदर्शित भी किया। अध्यक्ष कल्पना गगडानी ने भूतभावन महाकाल का अभिषेक कर इसकी शुरुआत कर यह संदेश दिया कि संगठन निःस्वार्थ भाव से काम करेगा।

भारतीय संस्कृति का प्रतीक हमारा सनातन नववर्ष विक्रम संवत् 2074 प्रारम्भ हो चुका है। अतः नववर्ष-नवसवंत्सर की सभी को हार्दिक शुभकामनाऐं और भगवान महेश से यह कामना कि यह वर्ष आपके लिये अत्यंत मंगलमय हो। आशा है आपने भी नवसंवत का उत्साहपूर्वक अभिनंदन किया होगा। यदि नहीं तो विनम्र अपील, आगामी नववर्ष का अभिनंदन अवश्य करें, क्योंकि हम ही हमारी संस्कृति का सम्मान नहीं करेंगे, तो दूसरा कौन करेगा?

श्री माहेश्वरी टाईम्स का मई-2017 का अंक आपके हाथों में है, समाज की विशिष्ट हलचलों के साथ। आशा है, आपको यह अंक अवश्य ही पसंद आएगा। अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवश्य ही अवगत कराऐं।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

भौतिकता जन्य दिखावा संस्कृति और युवा पीढ़ी का दायित्व

विदिशा में 16 सितम्बर 1937 को स्व.श्री गन्नूलाल जी व स्व. रामकुंवर देवी मालानी के यहां जन्मे उज्जैन निवासी डॉ.एच.एल. माहेश्वरी (मालानी) की प्रारंभिक शिक्षा शमशाबाद-विदिशा में हुई। इसके बाद आगे के अध्ययन के लिए भोपाल चले गए वहां के हमीदिया कॉलेज से आपने एम.कॉम. की परीक्षा उत्तीर्ण की। तद्उपरान्तु आपका चयन पी.एस.सी. द्वारा सहकारिता अधिकारी के लिए हुआ और आप की पदस्थापना आगर मालवा में की गई। आपने आगर में कॉलेज प्रारंभ कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और आप उसमें प्राध्यापक बन गए। फिर इसके बाद प्राचार्य पद पर पदोन्नत हुए।

आगर से 1975 में नरसिंहगढ़ स्थानान्तर हो गया। यहां आपने माहेश्वरी समाज को संगठित किया और दो गुटों में बंटे समाज के लोगों का एकीकरण कराया। यहां से सन 1982 में आपका ट्रान्सफर माधव कॉलेज उज्जैन में हो गया। माधव कॉलेज से सेवानिवृत्त होने के पश्चात आप सात वर्षों तक अवंतिका कॉलेज उज्जैन के प्राचार्य रहे और बाद में अकादमिक सलाहकार के रूप में कार्यरत रहे। आपने यू.एस., यू.के. सहित अनेक देशों की कई बार यात्राएं की हैं। आपके व्यक्तित्व एवं कार्य के बारे में एक पुस्तक भी प्रकाशित हुई है। आपके निर्देशन में कई छात्र-छात्राएं पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। आपकी तीन पुस्तकें - "परीक्षा में प्रथम श्रेणी कैसे प्राप्त करें", "खूबसूरती से जीवन जीने की कला" तथा ऋषिमुनि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित "खूबसूरती से जिएं 55 के बाद" प्रकाशित हो चुकी हैं। आप वर्तमान मे भारतीय भाषा सद्‌भाव परिषद के प्रदेशाध्यक्ष भी हैं।

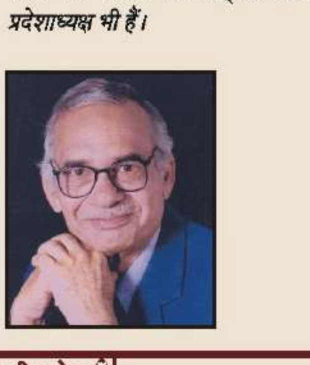

संसार के इस विराट रंगमंच पर आज हर आदमी पीड़ा से क्यों कराह रहा है। आप किसी भी आदमी को थोड़ा-सा खरोंचकर देखिए तो पाइएगा कि हर शख्स के भीतर तरह-तरह की घबराहटों, अशंकाओं, नाराजगी, गुस्सा, ईर्ष्या, तनाव, निराशा, चिंताओं, उलझनों आदि का कड़वा और बदबूदार सैलाब उमड रहा है। थोड़ी सी हमदर्दी और अपनेपन के साथ किसी से दो मिनिट बैठकर बात कर लीजिए, बस फिर क्या, वह आपके सामने अपनी जिंदगी की पीड़ाओं और कुंठाओं का महाकाव्य खोलकर रख देगा। कैसे-कैसे धोखे दिए हैं। उसे अपने ही लोगों ने।

प्राचीन रोमन दार्शनिक सिनेका की एक पुस्तक पढ़ते हुए मुझे शाश्वत सत्य से परिपूर्ण एक वाक्य पढ़ने को मिला- No man is unhappy excetpt by his own fault हर आदमी सिर्फ अपनी गलती से दुःखी है। जिसे जिंदगी जीने की अकल नहीं है, वही दुखी है। भूल जाइए कि पड़ौसियों, रिश्तेदारों और परिवारजनों की खुदगर्जी और बेदर्दी ने आपको पीड़ा पहुंचाई है, बिलकुल नहीं। आपको दुनिया में सिर्फ एक आदमी तकलीफ पहुंचा सकता है- आप खुद। विचार और विवेक हमें इस प्रश्न का सीधा उत्तर देते हैं- हमने अपने सरल जीवन को विषम बना लिया है। जीवन में अमृत के समान प्राप्त सरलता को त्यागकर हमने कुटिलता के घातक विष को अपना लिया है। अपने ही हाथों स्वयं अपनी अज्ञानतावश यदि हम अपने जीवन के आनंद को समाप्त कर दें तो दोष किसी अन्य का नहीं, स्वयं हमारा है।

आज हम यह सोचने के लिए मजबूर हैं कि व्यक्ति पल-पल में अपनी बात कैसे बदल देता है? कभी कुछ कहता है और उसके अगले पल ही कुछ और कहने लगता है। "हाथी के दांत दिखाने के और खाने के और" वाली कहावत हम जानते हैं, लेकिन यहां तो कई तरह के दांत नजर आते हैं। किसके सामने कितने और किस तरह के दांत दिखाने हैं? यह आज का व्यक्ति भलीभांति जानता है। कई-कई मुखौटे रखने वाले इस व्यक्ति को समझना मुश्किल दिखाई देता है। शायद इसलिए प्रसिद्ध शायर बशीर बद्र को यह कहना पड़ा "हर आदमी में होते हैं, दस-बीस आदमी जिसको भी देखना कई बार देखना।" रावण के तो दस चेहरे थे, लेकिन हमने तो अनगिनत चेहरे चिपका रखे हैं। जमाने की नजर में बेहतर दिखने की चाह में हम दिखावा संस्कृति को अपना रहे हैं, लेकिन इसमें हमारा अस्तित्व कहां हैं? यह विचारणीय बात है।

भौतिकता और दिखावे की संस्कृति ने जहां सामान्यजनों को दुःखी बनाया है, वहीं संयुक्त परिवार प्रथा जो हमारे देश, हमारी संस्कृति की पहचान थी, के विघटन ने कई नई समस्याओं को जन्म दिया है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि आज की बदलती जीवन शैली और प्रतिस्पर्धा के दौर में तनाव तथा अन्य मानसिक समस्याओं से निपटने के लिए अपनों का साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपनों से मिलकर हम न सिर्फ एक-दूसरे से मन की बात कह सकते हैं बल्कि बड़ी-से-बड़ी समस्याओं का समाधान भी आसानी से निकाल सकते हैं। मुसीबत के समय अपनो का पास होना सबसे बड़ा संबल होता है और यही हमें विपरीत परिस्थितियों में लड़ने का साहस देता है।एकल परिवार में रहने वाले को लगता है कि अकेले रहकर वह अपनी जिंदगी अच्छी तरह जी पाएगा? लेकिन वह इस बात को नहीं जानता कि ऐसे में वह अपने बच्चों को उन अनुभवों और दुआओं के साए से दूर ले जा रहा है जो उनके पालन-पोषण के लिए जरूरी है। यानी कि दादा-दादी, नाना-नानी। आज की पीढ़ी द्वारा बुजुर्ग पीढ़ी की अनदेखी करना वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बहुत कष्टदायी है।

वर्तमान में जो सामाजिक समस्याएँ मुंह बाएं खड़ी हैं उनसे निपटने के लिए युवा पीढ़ी की ऊर्जा को समग्रता के साथ आगे आना होगा। यह इतिहास सिद्ध तथ्य है कि जितने भी सामाजिक परिवर्तन हुए हैं वे युवा शक्ति के आह्वान से ही संभव हो सके हैं। युवाओं में इतिहास मोडने, बदलने की शक्ति है, इसीलिए कहा जाता है- "इतिहास उस ओर मुड जाता है जिस ओर युवा शक्ति चलती है।" अतः मैं कहना चाहूँगा, युवाओं, आज आप अपनी शक्ति को उसी प्रकार भुला बैठें हो जैसे एक समय हनुमानजी भूल बैठे थे, किंतु जाम्बवंत की प्रेरणास्पद बातों से वे शक्तियाँ पुनः जाग्रत हो गई थीं। जिन्हें वे भूल बैठे थे। हमारी युवा पीढ़ी में भी हनुमानों की कमी नहीं है। जरूरत है तो उन्हें सिर्फ जाग्रत कर यह अहसास कराने की वे क्या नहीं कर सकते।

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी
अतिथि सम्पादक

श्री ब्रह्माणी मुन्दल माताजी

▶▶ शिवनारायण मूंदड़ा, रायपुर

ब्रह्माणी मुन्दल माताजी, माहेश्वरी जाति की मूंदड़ा खांप की कुलदेवी हैं। अपने विशिष्ट चमत्कारों के कारण क्षेत्र में प्रसिद्ध तो हैं ही, साथ ही जाट समाज भी कुलदेवी के रूप में पूजता है।

माताजी का प्राचीन मंदिर राजस्थान के नागौर जिले के ग्राम मुंदियाड़ में स्थित है। लाल वस्त्र धारण करने वाली स्वर्ण सिंहासन पर विराजित माताजी का यह मोहनी रूप है। यहाँ नारियल, मेवा, लापसी, चाँवल तथा चूरमें का भोग लगता है। ऐसी मान्यता है कि भक्तिभाव पूर्वक पूजा करने से माताजी इच्छित फल प्रदान करती है। पूजन नियमित रूप से सुबह-शाम होती है। इस स्थल पर एक प्राचीन तालाब है, वहाँ लगे शिलालेख के अनुसार यह 6500 वर्ष पुराना है।

विशेष आयोजन

भादवा सुदी अष्टमी- कीर्तन व जागरण
भादवा सुदी नवमी- महाप्रसादी व गजानन्दजी का भव्य मेला

कैसे पहुँचें

श्री ब्रह्माणी मुन्दल माताजी मंदिर नागौर से 25 कि.मी. दूर मुंदियाड ग्राम में स्थित है। जोधपुर-नागौर मार्ग पर नागौर से 8 कि.मी. पूर्व चिमरानी गाँव से पारासरा व बलायागाँव होते हुए सड़क मार्ग है। इसी मार्ग पर नागौर से 25 कि.मी. पूर्व भाखरोद गाँव से भी सिलगाँव होते हुए मार्ग है। नागौर से समय-समय पर बस उपलब्ध। किराये की जीप भी यहाँ से उपलब्ध हो जाती हैं।

कहाँ ठहरें

समीप गणेश मंदिर है। इस मंदिर में यात्रियों के ठहरने के लिये 6 कमरों की निःशुल्क व्यवस्था है।

कल, आज और कल ने दिखाये युवा शक्ति की सेवा के नजारे

सूरत में आयोजित हुई अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के 11वें सत्र की अंतिम बैठक सभी ने भूतड़ा की सेवाओं की सराहना की

सूरत. अभा भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के आह्वान पर गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान व सूरत जिला माहेश्वरी युवा संगठन के आतिथ्य में आयोजित कल, आज और कल कार्यक्रम 25-26 मार्च 2017 को श्री माहेश्वरी भवन सूरत में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में युवा संगठन के एकादश (11वां) सत्र के अवार्ड्स मीटिंग व सेमिनार आयोजित हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत 25 मार्च को दोपहर 2 बजे से हुई जिसमें मुंबई के प्रबंधन गुरु परिमल मर्चेंट द्वारा 'डेर टू ड्रीम' विषय पर पारिवारिक व्यापार प्रबंधन मोटिवेशन सेमिनार आयोजित किया गया। इस वर्कशॉप में लोगों ने व्यापार प्रबंधन के कई गुर सीखे। सायं 7 बजे कल, आज और कल मुख्य समारोह प्रारंभ हुआ। इसमें महासभा के सभापति श्याम सोनी मुख्य अतिथि व संदीप काबरा विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। इस समारोह में युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा, नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या, नवनिर्वाचित महामंत्री प्रवीन सोमानी, स्वागताध्यक्ष राजेंद्र चांडक, स्वागत उपाध्यक्ष रामगोपाल मूंदड़ा, स्वागत मंत्री शंकरलाल सोमानी, प्रदेशाध्यक्ष मदनमोहन पेड़ीवाल, जिला युवा संगठन अध्यक्ष सवाईसिंह चांडक, मंत्री सुनील भट्टड़, प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष अरविंद जाजू, मंत्री महेश डागा आदि मंच पर मौजूद थे। जिलाध्यक्ष सवाईसिंह चांडक द्वारा स्वागत भाषण दिया गया।

अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के 11वें सत्र की समापन बैठक सूरत में आयोजित हुई। इसमें युवा शक्ति की सेवाओं का नजारा तो दिखा ही, साथ ही वे सपने भी जो 12वें सत्र में साकार करने हैं। इस अघोषित विदाई कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा अपने आभार प्रदर्शन के दौरान खुद तो भावुक हुए ही, सभी को भी भावुक कर गये।

भूतड़ा की सेवाओं का अभिवादन

स्वागत भाषण पश्चात युवा संगठन के 11वें सत्र की एक डॉक्यूमेंटी फिल्म एलईडी पर दिखाई गई। इसमें इस सत्र के 3 सालों में युवा संगठन द्वारा आयोजित किये गए प्रकल्प, कार्यक्रम व योजनाओं को प्रदर्शित किया गया। 21 मिनट की इस फिल्म की समाप्ति पश्चात हॉल में उपस्थित सभी लोगों ने खड़े होकर युवा संगठन व राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा का तालियों की गड़गड़ाहट के साथ अभिवादन किया। इस सत्र की सफलता पर युवा संगठन के अध्यक्ष श्री भूतड़ा को किए गए प्रकल्पों हेतु बधाइयाँ दी गईं।

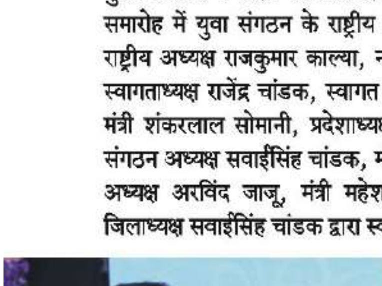

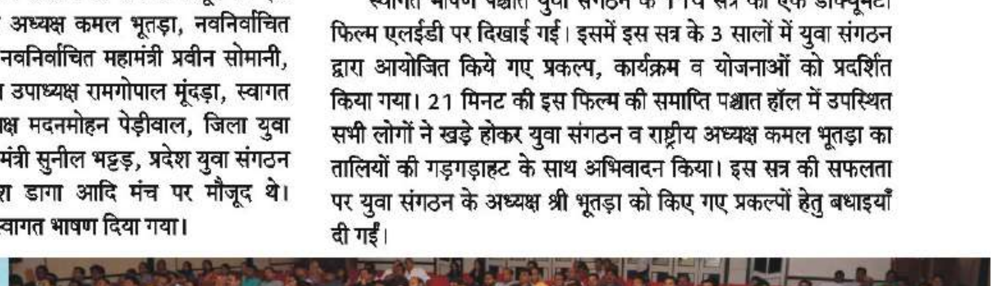

भावुक अंदाज में जताया सहयोगियों का आभार

राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा ने अंतिम अध्यक्षीय उद्‌बोधन दिया जो बहुत ही भावनात्मक व दिल को छून वाला था। उन्होंने युवा संगठन में बिताए गए अपने 21 वर्ष के बारे में जिक्र किया और वर्तमान सत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सुनहरा पल आज समाप्त होने जा रहा है। उन्होंने 3 वर्षों का अपना अनुभव बताया। फिर उन्होंने क्रमबद्ध सभी को इस सत्र को शानदार व सफल बनाने हेतु धन्यवाद दिया। इस कड़ी में श्री भूतड़ा ने युवा संगठन के सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, निवर्तमान अध्यक्ष/महामंत्री, सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, कार्यसमिति-कार्यकारी मंडल सदस्य व सूरत माहेश्वरी समाज को धन्यवाद दिया। सभी मीडिया व पत्रकार भाइयों का भी नाम लेकर धन्यवाद दिया। मीडिया के सहयोग में उन्होंने श्री माहेश्वरी टाईम्स का विशेष रूप से उल्लेखकर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता के पीछे उनके परिवार व दोस्तों का भी बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने धन्यवाद देते हुए सभी का ऋण स्वीकार करते हुए हमेशा सभी से जुड़ा रहने की अपने भावना व्यक्त की। विशिष्ट अतिथि संदीप काबरा व मुख्य अतिथि महासभापति श्याम सोनी ने भी संबोधित किया।

अगले दिन स्वास्थ्य की चिंता

दूसरे दिन प्रातः 7.30 बजे सूरत के प्रख्यात वैभवी फिटनेस स्टूडियो द्वारा पॉवर योगा का आयोजन किया गया। देर रात सोने के बावजूद कार्यक्रम में अच्छी संख्या में लोग उपस्थित थे। सभी लोगों ने पॉवर योगा किया व अपनी थकावट को दूर कर शरीर में स्फूर्ति का संचार किया। प्रातः 11.30 बजे केवल महिलाओं के लिए खास इमेट बिल्डिंग व सेल्फ डेवलपमेंट वर्कशॉप का आयोजन लास्टिंग इम्प्रेशंस दिल्ली की कॉर्पोरेट ट्रेनर शिखा कोठारी द्वारा किया गया। उन्होंने महिलाओं को कम पैसे खर्च कर अपनी पर्सनालिटी को कैसे निखार सकते हैं, के बारे में बताया तथा ड्रेसिंग सेंस, मेकअप, बॉडी शेप्स, सेल्फ डेवलपमेंट आदि के बारे में जानकारी दी। यह वर्कशॉप सायं 5.15 बजे समाप्त हुआ। यह पहली बार हुआ कि केवल महिलाओं के लिए किसी समाज द्वारा सेमिनार आयोजित किया गया हो।

समर्पित सेवा को ''कार्य गौरव''

प्रथम दिवस को ही अध्यक्ष कमल भूतड़ा ने 11वें सत्र में किए गए कार्य हेतु ''कार्य गौरव'' सम्मान प्रदान किये। इसमें सर्वश्रेष्ठ पदाधिकारी प्रदेश मंत्री संदीप करनानी, सर्वश्रेष्ठ टीम सहयोगी (आंचलिक स्तर) विनोद सारडा, सर्वश्रेष्ठ प्रदेश महाराष्ट्र, सर्वश्रेष्ठ प्रदेश मंत्री सचिन बियानी, राष्ट्रीय संयोजक महेश सोमानी (श्री महेश नवमी महोत्सव), राष्ट्रीय संयोजक सर्वेश्वर खबानी व संजय सातल, सुव्यवस्थित राष्ट्रीय आयोजन-महराष्ट्र व तमिलनाडु, उत्साह कार्यकर्ता-गिरिजाशंकर पेड़ीवाल, मीडिया सहयोग के लिए श्री माहेश्वरी सेवक, श्री माहेश्वरी टाईम्स, माहेश्वरी (नागपुर), माहेश्वरी जगत, मणिमुक्ता सम्मानित हुईं। इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ टीम सहयोगी (आंचलिक स्तर) अमित राठी, सर्वश्रेष्ठ कार्यसमिति सवाईसिंह चांडक, सर्वश्रेष्ठ प्रदेशाध्यक्ष दीपक चांडक, सर्वश्रेष्ठ संयोजक अक्षय सारडा, राष्ट्रीय संयोजक राकेश झँवर, अमित सारडा, नवीन मोहता, सर्वश्रेष्ठ न्यूकमर जुगल चाँडक भी सम्मानित हुए। विशेष सम्मान राजकुमार काल्या (राष्ट्रीय महामंत्री) व समन्वय और सामंजस्य के लिये संजीव चांडक, नारायण मालपानी तथा अशोक ईनानी को प्रदान किया गया।

व्यवस्थाओं को सभी ने सराहा

कल, आज और कल में उपस्थित सभी लोगों ने कार्यक्रम की हर व्यवस्था की तारीफ की, जिसमें स्वादिष्ट एवं लजीज भोजन, आरामदायक आवास, समर्पित सेवा भाव वाली यातायात व स्वागत कक्ष व्यवस्था, सुव्यवस्थित कार्यक्रम संचालन आदि शामिल थे। इस तरह कल, आज और कल कई यादें लिए समाप्त हो गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री भूतड़ा ने सूरत जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष सवाईसिंह चांडक व उनकी पूरी टीम को कार्यक्रम के सफलतम आयोजन हेतु धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु सवाईसिंह चांडक, सुनील भट्टड़, मनमोहन राठी, विक्रम करनानी, विकास लाहोटी, जीतू भूतड़ा, मुकेश कोठारी, आशीष सोनी, अभिषेक चांडक, सूरत भूतड़ा, सत्यनारायण राठी, राहुल डागा, मनोज बजाज, मनीष लाखोटिया, गोकुल चांडक, शेखर डागा आदि समस्त कार्यकर्ता लगे हुए थे।

अवन्तिका पंचांग का हुआ विमोचन

दृश्य गणितीय पद्धति से सुक्ष्म गणनाओं के साथ तैयार होता है पंचांग

उज्जैन। प्रतिष्ठित ऋषि-मुनि प्रकाशन द्वारा दृश्य पद्धति द्वारा तैयार "श्री अवंतिका पंचांग" के संवत 2074 अंक का विमोचन गत 18 अप्रैल को हुआ। यह इसका 11 वां अंक है।

ऋषि-मुनि प्रकाशन के विद्यानगर स्थित कार्यालय में इसका विमोचन उज्जैन के पूर्व संभागायुक्त व पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. मोहन गुप्त के करकमलों से हुआ। अतिथि के रूप में समाजसेवी हरीश माहेश्वरी, अहमदाबाद व पूर्व एक्जी. इंजीनियर एरिगेशन स्वयंप्रकाश सोनी, धार उपस्थित थे। अतिथि स्वागत प्रकाशक पुष्कर बाहेती ने किया। इस अवसर पर डॉ. गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह पंचांग सूक्ष्म दृश्य गणितयुक्त केतकी चित्रापक्षीय निरयण पद्धति पर आधारित है। वर्तमान दौर में यह सर्वाधिक लोकप्रिय व सर्वमान्य होने से देशभर में मान्य की जा रही है। शासकीय व्यवस्था में भी इसी पद्धतियों से गणना की जाती है। प्रकाशक श्री बाहेती ने बताया कि यह पंचांग दृश्य पद्धति के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में अत्यंत सतर्कता के साथ तैयार है। इस विशिष्ट पद्धति के कारण इसकी गणनाऐं अत्यंत सटिक है। यही कारण है कि प्रदेश के साथ यह उत्तरप्रदेश, राजस्थान आदि विभिन्न प्रदेशों के साथ-साथ विदेशों में भी अत्यंत लोकप्रिय हो रहा है।

संसदीय संघ में गांधी शामिल

नईदिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने भारतीय संसदीय संघ की नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए पूर्व सांसद प्रदीप गाँधी (राजनांदगांव) को सदस्य के रूप में शामिल किया है। इसमें अध्यक्ष श्रीमती महाजन (स्पीकर लोकसभा), उपाध्यक्ष प्रो. पीजी उरियन, डॉ. एम. थीबीदुरई डिप्टी स्पीकर लोकसभा तथा कोषाध्यक्ष के रूप में ओम बिरला (कोटा) शामिल हैं।

महिला मंडल ने ली पद की शपथ

हैदराबाद. माहेश्वरी महिला मंडल, दोमलगुड़ा हिमायतनगर का गत दिनों गठन किया गया। मंडल का शपथ ग्रहण समारोह सुंदरकांड पाठ के साथ आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कलावती जाजू एवं रत्नमाला जाजू उपस्थित थीं। इसमें किरण बजाज ने अध्यक्ष, वंदना बंग एवं सुवर्णा परताणी ने मंत्री, अरुणा मालपानी ने सहमंत्री तथा उर्मिला बंग ने कोषाध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की।

पूर्वोत्तर राजस्थान के चुनाव सम्पन्न

जयपुर. पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के द्वितीय सत्र के लिए अध्यक्ष, पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति के सदस्यों के चुनाव गत 2 अप्रैल को अनोखा गांव, सीकर रोड, जयपुर में सम्पन्न हुए।

मुख्य चुनाव अधिकारी मालचंद बाहेती तथा सहायक चुनाव अधिकारी गोपाल तामड़ी एवं रामस्वरूप अजमेरा थे। पर्यवेक्षक जुगलकिशोर सोमानी (संयुक्त मंत्री-महामंत्री कार्यालय) थे। इसमें प्रदेशाध्यक्ष कैलाशचंद्र सोनी जयपुर, उपाध्यक्ष महेश होलानी (सीकर) व मधुसूदन बिहाणी (जयपुर), प्रदेश मंत्री रमेश परवाल (जयपुर), सहमंत्री लक्ष्मीनारायण मोदानी (जयपुर), संयुक्त मंत्री रमेशचंद्र गुप्ता (अलवर) व अनिल गट्टानी (सांभरलेक), अर्थ मंत्री राधेश्याम सोडानी (जयपुर) व संगठन मंत्री श्यामसुंदर भाला (गोविंदगढ़) थे। प्रदेशाध्यक्ष ने अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य हेतु ओमप्रकाश लाहोटी एवं प्रदीप बिन्नानी को मनोनीत किया। प्रदेश सभा कार्यसमिति की प्रथम सभा में अभा माहेश्वरी महासभा कार्यसमिति सदस्य के लिए बजरंग जाखोटिया को सर्वसम्मति से चुना गया।

माहेश्वरी बने लायंस क्लब एडवाइजर

कोटा. चार्टर्ड अकाउंटेंट बद्रीविशाल माहेश्वरी को प्रदेश वैश्य महासम्मेलन द्वारा कोटा जिला वैश्य महासम्मेलन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। साथ ही श्री माहेश्वरी को लायंस क्लब अंतरराष्ट्रीय द्वारा कोटा, अजमेर, उदयपुर एवं जोधपुर संभाग का एडवाइजर भी नियुक्त किया गया है।

खुद का 'गुस्सा'
इतना महगाँ करो की
कोई खरीद न पाऐं.
और
खुद की 'खुशी'
इतनी सस्ती कर दों की
सब ले जाऐ..

समाजहित में महासभा ने बनाये नये ट्रस्ट

द्वितीय कार्य समिति की बैठक में लिये महत्वपूर्ण निर्णय- समाज के निम्न आय वर्ग की चिंता

इंदौर। समाज के शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 22 वें सत्र की द्वितीय कार्य समिति की बैठक गत 8 अप्रैल को माहेश्वरी समाज संयोगितागंज इंदौर के आतिथ्य में आयोजित हुई। इसमें समाजहित में 21 करोड़ रुपए के ट्रस्ट बनाये गये। इनके माध्यम से समाज के सर्वांगीण विकास पर महासभा कार्य करेगी।

महासभा के 22 वें सत्र की द्वितीय कार्यसमिति की बैठक स्थानीय माहेश्वरी भवन, नवलखा पर माहेश्वरी समाज संयोगितागंज के आतिथ्य में 8 अप्रेल को प्रातः 9.30 बजे प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति श्याम सोनी, महामंत्री संदीप काबरा, संयोगितागंज अध्यक्ष मुकेश असावा एवं देश भर से पधारें राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भगवान महेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। संस्था अध्यक्ष मुकेश असावा ने देशभर से पधारे राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ताओं का शब्दों से स्वागत करते हुए महासभा द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ नगर एवं कस्बे में सीधे, सरल एवं सहज तरीके से कैसे मिले इस पर ध्यान आकर्षित करवाया। प्रादेशिक अध्यक्ष राजेन्द्र इनानी एवं माहेश्वरी समाज इन्दौर जिला अध्यक्ष कल्याणमल मंत्री ने भी आगंतुकों का शाब्दिक स्वागत किया। कार्यकम संयोजक कमलेश नवाल, सौरभ राठी माहेश्वरी समाज संयोगितागंज से रामेश्वरलाल असावा, प्रहलाददास चंडक, ईश्वर बाहेती, व्यंकट काकाणी, केदार सारडा, संजय चंडक, गोपाल लाहोटी, संजय बाहेती, पंकज काबरा सहित इन्दौर के गणमान्य समाज बन्धु कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संस्था मंत्री केदार हेड़ा द्वारा किया गया।

तीन सालमें बनाएंगे 20 हजार परिवारों को सक्षम

मिटिंग के द्वितीय सत्र में महासभा के विधान संशोधन पर विशेष चर्चा की गई। महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु चर्चा हुई भारत के विभिन्न शहरों में छात्रावासों का निर्माण करने का निर्णय लिया गया। विशेष निर्णय के अंतर्गत अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा समाज की महिलाओं और कमजोर तबके को आत्मनिर्भर बनाएगी। सभापति श्याम सोनी ने कहा हमारे समाज के 40 हजार परिवार ऐसे है जिनकी वार्षिक आय एक लाख से कम है। उनमें से 20000 परिवारों को तीन साल में सक्षम बनाने का लक्ष्य है । हम समाज के कमजोर परिवारों का जीवन स्तर सुधारने के लिए उन्हें रोजगार देने, व्यापार के लिए ऋण देने का प्रयास करेंगे। मीटिंग की शुरूआत के 45 मिनिट के पश्चात ही 21 करोड़ के ट्रस्ट बनाये गए, जो महासभा के 45 साल के इतिहास में प्रथम बार हुआ है। अतः इन्दौर की मीटिंग एक मील का पत्थर साबित हुई ।

सोमानी की पुस्तक का विमोचन

इस अवसर पर संयुक्तमंत्री जुगलकिशोर सोमाणी की तृतीय पुस्तक 'भारतीय राजनीति का निर्णायक मोड़ : आओ पहल करें' का विमोचन महासभा के सभापति, पदाधिकारियों के हाथों हुआ। पुस्तक का वितरण आयोजक संस्था के माध्यम से पूरी कार्यसमिति को किया गया।इस अवसर पर श्री सोमाणी का अभिनंदन किया।

ये अतिमहत्वपूर्ण फैसले

- महेन्द्र काबरा मुम्बई द्वारा अपनी माता की स्मृति में 11 करोड़ रुपये के स्व. रत्नीदेवी काबरा के नाम से वुमन एम्पावर फंड ट्रस्ट की घोषणा की।
- "प्राथमिक शिक्षा सहायता ट्रस्ट" पूर्व सभापति स्वर्गीय चुन्नीलाल सोमानी की स्मृति में लक्ष्मीनारायण सोमानी द्वारा द्वारा 5 करोड़ रूपये दिये जाने की घोषणा की गई।
- बल्दवा फाउण्डेशन ट्रस्ट की प्राथमिक शिक्षा सहायता के लिए भगवती देवी बल्दवा द्वारा घोषणा की गई एवं श्रीमती बल्दवा ने इसके लिये 2 करोड़ रुपये की घोषणा की।
- माहेश्वरी पत्रिका नागपुर के डेफीसेन्सी को पूर्ण करने हेतु 40 लाख की तात्कालीक घोषणा की गई एवं 32 लाख के लिए आगामी मिटिंग से पूर्व डेफीसेन्सी पूर्ण करने का निर्णय लिया गया ।
- महासभापति सहायता ट्रस्ट की घोषणा की गई जिसमें सभापति द्वारा तत्कालीन सहायता प्रदान किये जाने की व्यवस्थाओं पर ट्रस्ट का निर्माण किया जाना प्रस्तावित किया गया।

भीड़ हमेशा उस रास्ते पर चलती है
जो रास्ता आसान लगता है,
इसका मतलब यह नहीं कि भीड़ हमेशा
सही रास्ते पर चलती है।
अपने रास्ते खुद चुनिए क्योंकि,
आपको आपसे बेहतर
और कोई नहीं जानता।

सेठ गोविंददास के जीवन वृत्त पर तैयार हुआ ग्रंथ

पद्मा बिनानी फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित ग्रंथ राज्यपाल के हाथों हुआ विमोचित

मुंबई. गत 7 अप्रैल को संध्या 6 बजे पद्मा बिनानी फाउंडेशन का ग्रंथ लोकार्पण समारोह राजभवन में आयोजित हुआ। इसमें प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सम्मानित सांसद और विख्यात साहित्यकार स्वर्गीय सेठ श्री गोविंददास के जीवन वृत्त पर आधारित सुधीर सक्सेना द्वारा लिखे ग्रंथ का विमोचन हुआ।

डॉ. राम तिवारी ने महामहिम राज्यपाल सीएच विद्यासागर राव और सभी अतिथियों का औपचारिक स्वागत करते हुए पद्मा बिनानी फाउंडशेन की गतिविधियों का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि विगत 15 वर्षों से फाउंडेशन, साहित्य-संस्कृति और संगीत के संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रत्यनशील है। उसकी सभी गतिविधियों के केंद्र में बाल विकास और राष्ट्रीय एकता का ही उद्देश्य रहता है। इसी क्रम में उन्होंने फाउंडेशन की तीन शाखाओं वात्सल्य, अक्षर और सुरांजलि की कार्यप्रणाली पर भी प्रकाश डाला। इसके पश्चात राज्यपाल का सम्मान फाउंडेशन के शुभचिंतक रविमोहन मालपानी द्वारा शॉल-श्रीफल, प्रतीक चिह्न और पुष्प गुच्छ भेंटकर किया गया। महाराष्ट्र विधानसभा के प्रमुख सचेतक राज के. पुरोहित का सम्मान फाउंडेशन के गवर्निंग काउंसिल सदस्य चंद्रमोहन मालपानी द्वारा किया गया। फाउंडेशन की संस्थापक अध्यक्ष पद्मा बिनानी का सम्मान शॉल और पुष्पगुच्छ भेंटकर महामहिम राज्यपाल श्री सीएच विद्यासागर द्वारा किया गया।

भव्य लोकार्पण

प्रेरणापुरुष सेठ गोविंददासजी के जीवन वृत्त पर आधारित जीवन ग्रंथ ''गोविंद की गति गोविंद...'' का लोकार्पण महामहिम राज्यपाल के करकमलों से हुआ। बिनानी फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष किसी एक भारतीय भाषा के श्रेष्ठ बाल साहित्य लेखक को दिया जाने वाला एक लाख रुपए का ''वात्सल्य पुरस्कार'' कन्नड़ भाषा के प्रख्यात बाल साहित्य लेखक प्रो. नागराज शेट्टी को प्रदान किया गया। श्रीमती बिनानी द्वारा रचित काव्य संग्रह ''परिवृत्त'' की कुछ कविताओं की सीडी भी लोकार्पित की गई। संगीत निर्देशक विवेक प्रकाश को भी पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

बेटी ने तैयार करवाया ग्रंथ

श्रीमती पद्मा बिनानी स्वर्गीय सेठ गोविंददासजी की विदुषी पुत्री और प्रतिष्ठित उद्योगपति स्वर्गीय श्री घनश्यामदास बिनानी की पत्नी हैं। स्वयं एक संवेदनशील कवयित्री, प्रखर लेखिका, आध्यात्मिक चेतना और राष्ट्रनिष्ठा से सम्पन्न समाजसेविका भी हैं। आपने अनेक स्तरीय ग्रंथों की रचना की है। इस ग्रंथ रचना के बारे में श्रीमती बिनानी ने बताया कि यह ग्रंथ ''गोविंद की गति गोविंद'' मैंने अपने पूज्य पिता की श्रद्धांजलि के रूप में तैयार करवाया है। मेरा उद्देश्य यही है कि जो लोग उनके जीवन और कार्य से परिचित नहीं हैं वे भी उन्हें जाने सकें और एक राष्ट्रप्रेमी तपस्वी से सार्थक जीवन की प्रेरणा ग्रहण कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि फाउंडेशन के माध्यम से समाज और राष्ट्र की जो भी सेवा संभव हो पाती है, उससे मुझे आत्मिक सुख मिलता है।

राज्यपाल ने की सराहना

महामहिम राज्यपाल श्री सी.एच. विद्यासागर राव ने अपने अभिभाषण में लोकर्पित ग्रंथ की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वर्गीय सेठ गोविंददासजी के आदर्श व्यक्तित्व से समाज का परिचित होना अति आवश्यक है। मुझे आशा है कि यह ग्रंथ इस कार्य में सहायक सिद्ध होगा। वात्सल्य पुरस्कार की सराहना करते हुए आपने कहा कि चरित्र निर्माण, संस्कार, संगठन और देश प्रेम की भावना को सुदृढ़ करने के लिए प्रेरक बाल साहित्य आज की बहुत बड़ी आवश्यकता है। यह बाल साहित्य देश की सभी क्षेत्रीय भाषाओं में विकसित होना चाहिए। कार्यक्रम की समाप्ति पर गवर्निंग काउंसिल की सदस्य उषा तोषनीवाल ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन फाउंडेशन की समन्वयक सुरुचि मोहता ने किया।

सीमित शब्द हो और असीमित अर्थ हो... लेकिन इतना ही हो कि शब्द से न कष्ट हो...

विदर्भ प्रादेशिक महिला संगठन की बैठक सम्पन्न

अमरावती। विदर्भ प्रादेशिक महिला संगठन की प्रथम कार्यसमिति सभा "सत्र संकल्पना" का आयोजन गत दिनों हुआ। विदर्भ अध्यक्षा उषा करवा ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा पद्मा मूंदड़ा, पूर्व विदर्भ अध्यक्षा डॉ सुधा राठी, डॉ. तारा माहेश्वरी, आशा लड्डा, माहेश्वरी महिला पत्रिका की उपाध्यक्षा पुष्पलता परतानी, विदर्भ कोषाध्यक्षा शीला टावरी, उपाध्यक्षा सरिता सोनी, सहसचिव प्रेमा बियाणी मंचासीन थी। कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती करवा ने सत्र संकल्पना के तहत मार्च 2017 से मार्च 2018 तक की कार्य योजनाओं की जानकारी सदन को दी एवं उन प्रकल्पों को कार्यान्वित करने के लिये सभी पदाधिकारियों, समिति संयोजिकाओं एवं जिला अध्यक्षों को दिशा निर्देश दिये। सालभर तक के कार्यक्रमों को नियोजित करने की जिम्मेदारी वर्धा, भंडारा, नागपुर एवं चंद्रपुर जिलों को देने की घोषणा की गई। महेश नवमी एवं पूरे सालभर "पारिवारिक समरसता" पर सभी जिलों, तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्रों में टॉक शो, नाटिका मंच एवं उद्बोधन के लिये सभी को प्रेरित किया। अंत में विदर्भ स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के पुरस्कारों की घोषणा की गई। संकल्पना के सुनियोजन एवं सफलता के विभिन्न सूत्रों को एक सूत्र में पिरोकर प्रदेश को किस तरह गौरवपूर्ण मकाम दे सकते हैं, इसका मार्गदर्शन सुप्रसिद्ध वक्ता राजेश चांडक, अमरावती ने अपने प्रबोधन में दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन भारती राठी ने किया। सभी सदस्यों ने इस प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लिया। संगठन द्वारा इस अवसर पर स्व. श्री महेशचंद्र करवा की स्मृति में नीर घट भी वितरित किये गये। संगठन अध्यक्षा उषा करवा ने ग्यारह जिलों से आईं सदस्याओं का अपने जिला, तहसील व ग्राम में इस उपक्रम को विशाल स्वरूप प्रदान कर पक्षियों की सुरक्षा में अपना योगदान देने का आह्वान किया।

महेश पब्लिक स्कूल ने मनाया वार्षिकोत्सव

बिजयनगर (अजमेर). स्थानीय बरल रोड स्थित श्री महेश पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा व विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (प्रथम) कैलाश झँवर, पूर्व विधायक किशनगोपाल कोगटा, माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या व जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रमाकांत बाल्दी थे। स्कूल के अध्यक्ष मदनगोपाल बाल्दी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों से मन मोह लिया। माहेश्वरी पंचायत मंडल मंत्री कृष्णगोपाल नवाल ने विद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। माहेश्वरी पंचायत मंडल के अध्यक्ष मदनगोपाल बाल्दी ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में बनवारीलाल कोगटा, गोपाल जागेटिया, रामपाल तोषनीवाल, मनोहर कोगटा, प्रमोद जागेटिया, श्यामसुंदर गाँधी, गिरधर गोपाल आगीवाल, रामेश्वरप्रसाद पंडवार, कृष्णगोपाल बाहेती, रजनीश बिड़ला, दिनेश धूत आदि मौजूद थे।

सामूहिक रूप से मनाई वैवाहिक वर्षगांठ

इंदौर. यूँ तो सामूहिक विवाह आदि के आयोजन प्रायः होते ही रहते हैं, लेकिन कपल ग्रुप "माहेश्वरी रॉयल्स" ने प्रथम बार सामूहिक वैवाहिक वर्षगांठ उत्सव का आयोजन कर एक कीर्तिमान रच दिया। संस्था संस्थापक मुनीष-किरण मालानी, अध्यक्ष ओम-स्वाति टावरी व सचिव शरद-सरला साबू ने बताया कि उक्त कार्यक्रम 19 फरवरी को आयोजित हुआ। इसमें प्रातः 9.30 बजे से सामूहिक अभिषेक 24 जोड़ों द्वारा अन्नपूर्णा शिव मंदिर, अन्नपूर्णा रोड, इंदौर पर किया गया। इसके पूर्व मेहंदी व संगीत का कार्यक्रम भी रखा गया था। संरक्षक अशोक-आशा अजमेरा व उपाध्यक्ष सागरमल-उषा खटौड़ ने बताया कि ग्रुप द्वारा सभी सदस्यों को प्रतिवर्ष वैवाहिक वर्षगांठ पर उपहार दिये जाते हैं। इस बार स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिये सभी सदस्यों को स्टील के डस्टबिन प्रदान किये गये।

जिन्दगी आसान नहीं होती,
इसे आसान बनाना पड़ता है,
कुछ अंदाज से, कुछ नज़र अंदाज से !!

गुजरात प्रदेश की बागडोर अब काबरा के हाथ

सर्वसम्मति ने ही मतदान में भी की जीत हासिल-कई पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित

वडोदरा. गत 23 अप्रैल को गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न हुए। इस चुनाव में ख्यात समाजसेवी व उद्यमी त्रिभुवन काबरा बहुमत से प्रदेश अध्यक्ष चुने गये तथा कई पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए।

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा के गत 5 सत्रों में से चार में सूरत से ही अध्यक्ष चुने जाते रहे हैं। अगस्त 2016 में प्रदेश की डाकोर बैठक में सभी सदस्यों का एकमत विचार था कि इस बार ना सूरत से, ना अहमदाबाद से अध्यक्ष पद का उम्मीदवार हो बल्कि इन दोनों शहर को छोड़कर अन्य क्षेत्र से अध्यक्ष चुना जाए। बाहरी क्षेत्र से त्रिभुवन काबरा, वडोदरा के नाम पर अध्यक्ष पद के लिये आम सहमति बनी। लेकिन कुछ साथियों की जिद के कारण पूरे प्रदेश को चुनावी प्रक्रिया के दौर से गुजरना पड़ा। चुनाव के कुछ समय पहले तक यही कोशिश रही कि चुनाव टल जाएं, गत 23 अप्रैल को मतदान हुआ और इसमें भी सर्वसम्मति ही जीती। इसमें विजयी रहे श्री काबरा को 126 व श्री राठी को 105 मत प्राप्त हुए।

सफल व्यवसायी के साथ समर्पित समाजसेवी

श्री काबरा न सिर्फ क्षेत्र बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश व राष्ट्र स्तर पर उद्योग व समाजसेवा के क्षेत्र में एक जाना-माना नाम हैं। उनका वटवृक्ष की तरह फैला उद्योग समूह "राम रत्न ग्रुप" आर.आर. केबिल लिमिटेड सहित कई प्रतिष्ठित उद्योगों का सफलतापूर्वक संचालन कर रहा है।

रोल मॉडल बने गुजरात यही सपना-श्री काबरा

श्री काबरा ने प्रदेश में मतदाताओं द्वारा दिये गये जनादेश के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए कि उनका सपना है, समाज हित में ऐसी योजनाएँ संचालित करना जिससे प्रदेश अन्य संगठनों के लिये "रोल मॉडल" बने। इसमें सभी साथियों का साथ जरूरी है। उन्होंने अपने कार्यकाल की भावी योजनाओं के बारे में बताया कि संगठन का प्रमुख लक्ष्य समाज की विधवा महिलाओं तथा दो लाख रुपये से कम आये वाले परिवारों का उत्थान एवं विद्यार्थियों के लिये ऐसी योजना लाना है, जिससे उनकी उच्च शिक्षा में अर्थ की कमी बाधा न बने। उन्होंने कहा कि वे समग्र माहेश्वरी का लक्ष्य लेकर चलेंगे, जिसमें अलग-अलग गुट व वर्गों के लिये कोई जगह नहीं रहेगी। श्री काबरा ने वर्ष 2019 में देशभर के समाज के लिये एक अत्यंत वृहद सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करने की अपनी इच्छा भी व्यक्त की।

समाजसेवा के क्षेत्र में राजस्थान में स्कूलों के भवन निर्माण के लिए शासन द्वारा उन्हें "भामाशाह" के सम्मान से कई बार अलंकृत किया गया। वनबंधु परिषद सहित कई विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से भी श्री काबरा शिक्षा, रक्तदान, स्वास्थ्य, धार्मिक गतिविधि आदि क्षेत्रों में अपना सतत योगदान देते रहे हैं। माहेश्वरी समाज संगठन से भी दीर्घावधि से सम्बद्ध होकर निःस्वार्थ भाव से अपना योगदान दे रहे हैं।

कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी भी निर्वाचित

मतदान में मंत्री कृष्णकुमार चांडक, अहमदाबाद, कोषाध्यक्ष पद सुरेश काबरा, सूरत, संगठन मंत्री यशवंत बचानी पालनपुर चुने गए। उपाध्यक्ष (मध्यांचल) पद के लिए सुरेश मूंदड़ा, अहमदाबाद व उपाध्यक्ष (दक्षिणांचल) के लिए विनीत काबरा, सूरत विजयी घोषित किए गए। सौराष्ट्र व कच्छ से मूलचंद गट्टानी पोरबंदर व सह मंत्री (मध्यांचल) पद के लिए सुरेश दम्मानी, अहमदाबाद तथा सह मंत्री (दक्षिणांचल) पद के लिए राधेश्याम काबरा, वडोदरा निर्विरोध घोषित किए गए। सह मंत्री (सौराष्ट्र व कच्छ) के लिए बसंतीलाल बांगड़, गांधीधाम चुने गए।

जोधपुर के सफलतम विशेषांक के बाद पाठकों की मांग पर
श्री माहेश्वरी टाईम्स का आगामी अंक
स्वतंत्रता आंदोलन की कर्मभूमि नागपुर
की गौरवशाली संस्कृति व माहेश्वरी समाज को समर्पित

नागपुर विशेषांक

अपने विशिष्ट आलेखों व तथ्य पूर्ण जानकारियों से
यह अत्यंत संग्रहणीय होगा यह विशेषांक

निवेदन - इस विशेषांक के लिये शहर के इतिहास, माहेश्वरी समाज की संस्कृति, सेवा व योगदान तथा प्रेरक व्यक्तित्वों पर केंद्रित आलेख तथा विज्ञापन आमंत्रित हैं।

सम्पर्क करें - नागपुर विशेषांक प्रभारी - श्रीमती किरण मूंदड़ा - 94220-55677

माहेश्वरी रॉयल्स करवाएगी विदेश यात्रा

इंदौर. श्री माहेश्वरी रॉयल्स इंदौर का होली मिलन समारोह एवं होली दहन कार्यक्रम मुकुट मांगलिक भवन में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष ओम-स्वाति टावरी ने बताया कि प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए होली का दहन कंडे द्वारा किया गया। सभी कपल ने सामूहिक रूप से होली का पूजन किया एवं म्यूजिकल तंबोला व फनी गेम्स का आनंद उठाया। सभी सदस्य फंकी बनकर आए थे, जिसमें से 5 फंकी कपल्स को पुरस्कृत किया गया। कपल संपादक श्रवणकुमार-रेखा सोमानी, सह-संपादक श्याम-सुनंदा मूंदड़ा, यात्रा निर्देशक नरेश-पुष्पा रणधर द्वारा रॉयल्स कारवां विवरणिका एवं विदेश यात्रा की जानकारी वाले फोल्डर का विमोचन किया गया। इस वर्ष माहेश्वरी रॉयल्स की 11 दिवसीय विदेश यात्रा अगस्त 2017 में हांगकांग-मकाऊ-चायना जाने वाली है जिसकी जानकारी यात्रा निर्देशक एवं पूर्व अध्यक्ष नरेश-पुष्पा रणधर द्वारा दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में समन्वयक मधुसूदन-किरण सोमानी, संयोजक पुरुषोत्तम-सुशीला लाठी, मधुसूदन-ज्योति मुछाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सचिव शरदा-सरला साबू ने आभार प्रकट किया।

नवनिर्वाचित मंत्री का अभिनंदन

बरेली। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा केबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल का वित्त मंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद प्रथम बार नगर आगमन पर स्वागत किया गया। जिला अध्यक्ष शिव कुमार माहेश्वरी, उपाध्यक्ष सुनील सोमाणी, महामंत्री अजय माहेश्वरी, मीडिया प्रभार सचिन माहेश्वरी, सुनील चेचाणी, तरुण माहेश्वरी आदि का विशेष सहयोग रहा।

राठी बने म.प्र. पूर्व क्षेत्र के अध्यक्ष

पिपरिया। मध्यप्रदेश पूर्वक्षेत्रीय प्रादेशिक सभा की बैठक में पिपरिया माहेश्वरी सेवा मंडल के सचिव अजय घुरका प्रादेशिक नर्मदांचल क्षेत्र में सहसचिव बने। प्रदेश कार्य समिति में वरिष्ठ समाजसेवी श्यामसुंदर हुरकट सदस्य चुने गये। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विपिन माहेश्वरी के मुख्य आतिथ्य, प्रादेशिक चंद्रमोहन नागौरी, कार्य समिति सदस्य गोपाल गोदानी, पूर्व संयुक्त मंत्री महासभा संपत मोदानी, महेश सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष त्रिलोक जाजू, महिला संगठन प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा झंवर, युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष उत्तम चांडक, जिला अध्यक्ष श्याम बांगड के विशेष आतिथ्य में बैठक आयोजित हुई। इसमें चुनाव अधिकारी ब्रजमोहन जावंधिया, सहायक चुनाव अधिकारी पिपरिया के सुरेश गोदानी, शिवनारायण मालानी, पर्यवेक्षक संपत कुमार मोदानी की उपस्थिति में इटारसी के विजय राठी को म.प्र. पूर्व क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा का निर्विरोध अध्यक्ष, भोपाल के लक्ष्मेंद्र माहेश्वरी को मानद मंत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भोपाल हरीश झंवर भोपाल, नर्मदांचल ओमप्रकाश मूंदड़ा गाडरवाड, जबलपुर क्षेत्र संपत कुमार धूत सतना, ग्वालियर क्षेत्र बाबूलाल माहेश्वरी ग्वालियर, सहसचिव भोपाल क्षेत्र से विदिशा के नीलेश सूरजन, नर्मदांचल क्षेत्र पिपरिया के अजय घुरका, जबलपुर क्षेत्र से चौरई के विनोद मालानी, ग्वालियर क्षेत्र के गोविंद पंसारी चुने गये। महासभा की कार्यसमिति हेतु सदस्यों का निर्वाचन भी हुआ।

निःशुल्क नेत्र शिविर सम्पन्न

ठाणे। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के संगठन मंत्री ब्रिजगोपाल तोषनीवाल द्वारा अपनी माता स्व. श्रीमती अयोध्याबाई तोषनीवाल के नव नवम् पुण्यस्मरण पर श्री गजानन शिक्षण प्रसारक मंडल येलदरी कैम्पस, समता मेमोरियल फॉउंडेशन, सेठ भगवानदास अग्रवाल चॅरिटेबल ट्रस्ट मुंबई, उदयगिरी लायंस क्लब आई हॉस्पिटल उदगीर, नंदीग्राम लायंस नेत्र रुग्णालय नांदेड के संयुक्त प्रयास से 15 मार्च को चैतन्योदय गुरुकुल आश्रम में निःशुल्क आंखों की जांच एवं मोतियाबिंद शल्यक्रिया शिविर आयोजित किया। इसमें कुल 250 नेत्र रोगियों की जांच की गई। 102 रोगियों को शल्यक्रिया के लिए चुना। ऑपरेशन हेतु उदगीर तथा नंदीग्राम लायंस ट्रस्ट नेत्र रुग्णालय-नांदेड भेजा गया। शेष 46 उदयगीरी लायंस आई हॉस्पिटल भेज गये। सभी रोगियों को आंखों के ड्रॉप एवं दवाइयां निःशुल्क दी गईं।

जिंदगी एक परीक्षा है......
ज्यादातर लोग इसमें असफल हो जाते है...
क्योंकि वे दूसरों की नक़ल करते है.......
वे यह नहीं समझ पाते कि
सबके प्रश्न पत्र अलग-अलग होते है.......

महिलाओं को दी अधिकारों की जानकारी

लातूर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा महिला दिवस के अवसर पर वसीयतनामा तथा महिलाओं के कानूनी अधिकारों की जानकारी विषय पर मार्गदर्शन एवं चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। लातूर की सी.ए. राजश्री भूतड़ा व एडव्होकेट मीरा देवणीकर ने मार्गदर्शित किया। अध्यक्ष विभा गिलड़ा, सचिव अनुराधा करवा, संयोजक वंदना दरक, अखिल भारतीय सुषमा समिति प्रमुख निर्मला सोमाणी तथा महाराष्ट्र प्रदेश सुषमा समिति प्रमुख लीला करवा का विशेष योगदान रहा। करीब 160 से 170 सदस्याओं ने इसका लाभ लिया।

जिला सभा के चुनाव सम्पन्न

सूरत. गत 26 मार्च को सूरत जिला माहेश्वरी सभा के पंचम सत्र का चुनाव राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी मुरली सोमानी, प्रांतीय चुनाव अधिकारी सुरेश तोषनीवाल, सूरत जिला के मुख्य चुनाव अधिकारी राम अवतार साबू, सुरेश काबरा, विनोद बियानी एवं गुजरात प्रांत अध्यक्ष मदनमोहन पेड़ीवाल की उपस्थिति में सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ। इसमें समाजसेवी अविनाश चाँडक को सूरत जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। सचिव संदीप धूत, कोषाध्यक्ष राधेश्याम बजाज, संगठन मंत्री शैलेष चाँडक, संभाग-1 के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश देवपुरा, संभाग-2 से आनंद मालपानी, संभाग-3 से नर्मदाप्रसाद राठी, संभाग-1 से सहसचिव रतनलाल राठी, संभाग 2 से पवन बजाज व संभाग 3 से अशोक कोठारी चुने गए।

डूंडा में माहेश्वरी भवन लोकार्पित

डूंडा (छग). गत 26 मार्च सुबह 10.30 बजे डूंडा में निर्मित माहेश्वरी भवन का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. रमनसिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्याम सोनी ने की। पूर्व सभापति रामपाल सोनी, महामंत्री संदीप काबरा, उपसभापति मोहन राठी, उपाध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन ज्योति राठी, छग विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत, रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्रीचंद सुंदरानी, महापौर प्रमोद दुबे, आरडीए अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, पूर्व विधायक नंदे साहू विशेष अतिथि थे। मुख्यमंत्री ने भवन का लोकार्पण करने के पश्चात अतिथियों के साथ अवलोकन किया, और प्रशंसा करते हुए कहा कि भवन बहुत ही सुंदर बना है। इस अवसर पर भवन निर्माण के सहयोगकर्ताओं का मुख्यमंत्री ने सम्मान किया। माहेश्वरी सभा रायपुर के अध्यक्ष विजयकुमार दम्माणी ने बताया कि यह सामाजिक भवन सभी को किफायती दर पर उपलब्ध होगा। उन्होंने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार माना। निर्माण में विशेष योगदान के लिए राजेश गोविंदलाल राठी का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रमुख रूप से डॉ. सतीश राठी ने किया। आभार सुरेश बागड़ी ने माना। विशेष सहयोगी बेलाजी गोपालदास डागा कोलकता एवं स्व. चेतनदास मूंदड़ा परिवार कोलकता थे। बड़ी संख्या में समाजजन सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

राजस्थानी सेवा संघ की नई कार्यकारिणी गठित

गुलबर्ग. श्री माई मंदिर स्थित सभागृह में राजस्थानी सेवा संघ की साधारण सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दो वर्ष के कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। इसमें सुरेशचंद्र भराडिया अध्यक्ष,(सचिव) श्रीनिवास के नोगजा, सुनील पी मालू उपाध्यक्ष, राजेश आर. सारडा सहसचिव, आनंद बी. पल्लोड़ कोषाध्यक्ष चुने गए।

संघर्ष पिता से सीखो...!
संस्कार माँ से सीखो...!!
बाकी सब कुछ
दुनिया सिखा देगी...!!!

माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के चुनाव सम्पन्न

निजामाबाद. माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट (माहेश्वरी भवन) निजामाबाद के चुनाव गोपालदास झँवर, ओमप्रकाश लोया एवं राजेशकुमार बंग की देखरेख में सम्पन्न हुए। न्यासी एवं सदस्यों की प्रबंध समिति की संयुक्त बैठक की सत्यनारायण गिल्डा ने अध्यक्षता की। इसमें कुंजबिहारीलाल मूंदड़ा सभापति, बालकिशन इन्नाणी उप सभापति एवं कोषाध्यक्ष गोपीकिशन छापरवाल सर्वानुमति से निर्वाचित हुए। प्रबंध न्यासी हेतु ओमप्रकाश मोदानी भारी बहुमत से निर्वाचित घोषित किये गये। न्यासी मंडल में सम्पतलाल बंग, रामेश्वर हुरकट, श्रीराम सोनी, ओमप्रकाश मालू एवं विजयकुमार मोदानी सदस्य निर्वाचित घोषित किये गये। इसके साथ माहेश्वरी भवन प्रबंध समिति की कार्यकारिणी के सदस्य भी निर्वाचित किये गये।

योग शिविर सम्पन्न

बनखेड़ी. पतंजलि तहसील प्रभारी व योग शिक्षिका शिखा माहेश्वरी द्वारा 1 से 8 जनवरी तक ठैनी ग्राम में 7 दिवसीय योग शिविर लगाया गया। इसका बड़ी संख्या में महिलाओं ने लाभ लिया। 16 जनवरी से आयोजित 25 दिवसीय योग शिविर में योग के प्रति रुझान पैदा किया गया।

अपमान करना किसी के 'स्वभाव' में हो सकता है, पर सम्मान करना हमारे संस्कार में होना चाहिए!

माहेश्वरी सौहार्द की प्रथम शाखा प्रारंभ

बैंगलोर। चामराजपेठ स्थित सिरसी सर्किल पर माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को ऑपरेटिव लिमिटेड (एमएससीसीएल) की प्रथम बैंक शाखा का शुभारंभ गत 19 मार्च को हुआ। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी, नागपुर सहित कर्नाटक विधान परिषद् के उत्तर भारतीय एकमात्र सदस्य लहरसिंह सिरोया, बैंगलोर महापालिका की मेयर जी. पद्मावती, महेश बैंक हैदराबाद के निवर्तमान चेयरमेन रमेश बंग सहित कई गणमान्यजनों ने फीता काटकर इस सहकारी बैंक की प्रथम शाखा का उद्घाटन किया। अतिथियों ने बैंक परिसर का मुआयना करके पूर्णतः कम्प्यूटराइज्ड बैंक के सिस्टम को चालू करके बैंक का शुभारंभ किया। श्रीनिवश कल्याण मंडप में बैंक के लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन नंदकिशोर मालू ने देते हुए बताया कि एम.एस.सी.सी.एल. बैंक आगामी 5 वर्षों में 100 करोड़ रुपये के व्यवसाय का लक्ष्य बनाकर राज्यस्तरीय बैंक के रूप में स्थापित होगा। उपाध्यक्ष सुरेशकुमार लखोटिया ने बैंक की परिकल्पना से लेकर आज बैंक किस प्रकार मूर्तरूप प्राप्त कर पाया, कि विस्तृत जानकारी दी। श्री लखोटिया ने बताया कि आज तक कुल 1184 शेयर होल्ड सदस्य बन चुके हैं तथा सभी ने मिलकर लगभग 1.3 करोड़ का प्रारंभिक निवेश कर इस बैंक की स्थापना में बहुत बड़ा सहयोग प्रदान किया है। एम.एस.सी.सी.एल. के द्वारा एक लाख रुपए का महेश निधि बांड सिर्फ सभी प्रोमोटर शेयर होल्डर्स के लिये जारी करने की घोषणा मंच से की गई तथा बताया कि 4 साल के उपरांत इसकी मेच्युरिटी वैल्यू डेढ़ गुना हो जाएगी।

खटौड़ बने महासभा कार्यसमिति सदस्य

पटना. झारखंड-बिहार प्रदेश के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों का चुनाव अनिल मानधनी एवं भगवानदास दम्मानी गोहाटी वाले की देखरेख में सम्पन्न हुआ। इसी अवसर पर प्रदेश की ओर से अभा माहेश्वरी महासभा कार्यसमिति सदस्य का चुनाव भी हुआ। इसमें बिनोदकुमार खटौड़ प्रदेश की ओर से महासभा कार्यसमिति सदस्य चुने गए। उल्लेखनीय है कि श्री खटौड़ सतत 6 वर्षों तक झारखंड-बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष भी रहे हैं। इसके साथ ही स्वतंत्र पत्रकार के रूप में कई प्रतिष्ठित समाचार पत्रों को भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

बेटे ने माँ को एक घड़ी गिफ्ट दी, माँ ने एक गहरी बात कही। बेटा कभी समय भी दे दो..!!!

स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

परभणी। माहेश्वरी जिला महिला संगठन व परभणी तहसील माहेश्वरी सभा की ओर से स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन वरिष्ठ विधिज्ञ व अ.भा. माहेश्वरी सभा के सदस्य अशोक सोनी के हाथों हुआ। प्रमुख अतिथि के रूप में अ.भा. माहेश्वरी सभा के सदस्य डॉ. किशोर मंत्री, महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा स्वास्थ्य समिति के प्रमुख डॉ विवेक नावंदर, परभणी तहसील माहेश्वरी सभा अध्यक्ष पुरुषोत्तम धूत, सचिव धीरज सोमाणी, माहेश्वरी जिला महिला संगठन अध्यक्ष सरोज गट्टाणी, सचिव डॉ. जयश्री कालानी, कोषाध्यक्ष डॉ. अनिता नावंदर आदि उपस्थित थीं। विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. श्रीकांत मणियार, डॉ संतोष चांडक, डॉ. आरजू सोनी, डॉ. स्नेहा सोमाणी, डॉ. शिल्पा साबू, डॉ. अनिता नावंदर आदि ने मेमोग्राफी, पॅम स्मीअर, बोन मिनरल डेंसीटी आदि की जांच की।

अपना रसोई घर का उद्घाटन

औरंगाबाद। सकल मारवाडी युवा मंच एवं अ.भा. मारवाड़ी महिला सम्मेलन की ओर से गुड़ी पड़वा के उपलक्ष्य में अपना रसोई घर योजना का उद्घाटन नगरसेविका राखी देसरडा के हाथों किया गया। अध्यक्ष संजय मंत्री व सचिव अमित काला ने बताया कि समाज की जरूरतों के मद्देनजर ना नफा ना घाटे की तर्ज पर शुरू किए गए इस अपना रसोई घर की ओर से मारवाड़ी भोजन की घर पहुँच सेवा मुहैया करवाई जाएगी। विशेष रूप से घर, अस्पताल, रेलवे स्टेशन, होटल्स, ऑफिस आदि स्थानों पर यह सेवा दी जाएगी। रसोई घर के माध्यम से सेवा मुहैया करने वाली शोभा भट्टड़ और संजय भट्टड़ को प्रमुख अतिथियों द्वारा शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन की प्रदेशाध्यक्ष रेखा राठी, महासभा अध्यक्ष डॉ पुरुषोत्तम दरक, कार्याध्यक्ष महावीर पाटणी सहित कई सदस्याएँ उपस्थित थीं।

नवनिर्वाचित महिला संगठन अध्यक्ष का स्वागत

जयपुर. पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन, जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन व श्री माहेश्वरी महिला परिषद जयपुर द्वारा राष्ट्रीय महिला संगठन की अध्यक्ष कल्पना गगडानी का प्रथम बार जयपुर आगमन पर भावभीना स्वागत किया गया। उनके साथ राष्ट्रीय सुलेखा समिति की संयोजक अर्चना लाहोटी भी उपस्थित थीं। श्रीमती गगडानी ने सुझाव दिया कि समाज की वरिष्ठ महिलाओं (60 वर्ष से ऊपर) की भी समय-समय पर मीटिंग्स करें। उनकी समस्याओं को सुनें, उन्हें बताये कि वे कैसे सुखमय जिंदगी जी सकती है? उनका मनोरंजन भी करें। प्रदेशाध्यक्ष सविता पटवानी व जिलाध्यक्ष उमा परवाल ने संगठन की

जानकारी भी दी है। श्रीमती गगडानी ने उपस्थित महिलाओं के प्रश्नों का उत्तर दिया। जयपुर महिला परिषद की अध्यक्ष अनीता काबरा एवं सचिव स्नेहा साबू सहित कई सदस्याएँ उपस्थित थे।

रामनवमी पर शोभायात्रा

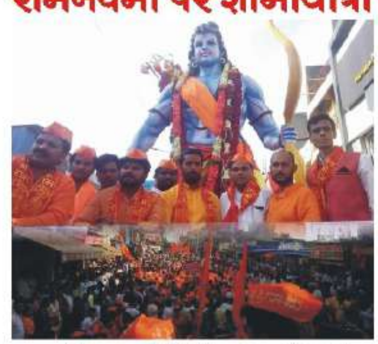

गुलबर्गा। कलबुर्गी में श्रीराम नवमी पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। श्रीराम नवमी उत्सव समिति कलबुर्गी का यह तृतीय वर्ष है। इसमें राजू भवानी, शिवा गुतेदार, दीपक बल्दवा, राजू सारड़ा आदि का सहयोग रहा।

पीएफए बांटेगी 34 हजार परिंडे

भीलवाड़ा. पीपुल फॉर एनीमल्स संस्था की ओर से भीलवाड़ा में 3 हजार व प्रदेश में 31 हजार परिंडे वितरित किये जाएंगे। इनके वितरण का शुभारंभ कलेक्टर महावीरप्रसाद शर्मा ने किया। प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि भीषण गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए परिंदों के लिए परिंडे लगाए और बांटे जा रहे हैं। संस्था के पदाधिकारी सुनील जागेटिया, नवरत्न बंब, गुमानसिंह पीपाड़ा, मुकेश अजमेरा, विद्यासागर सुराणा, सुरेश सुराणा सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

एक 'बेहतरीन'
जिन्दगी जीने के लिए,
यह स्वीकार
करना जरूरी है
कि-'सब कुछ' किसी को
नहीं मिल सकता !!

स्वस्थ जीवन ही सुखी जीवन है

हैदराबाद. समाज सदस्या प्रेमा लोया पिछले 9 सालों से हैदराबाद में निःशुल्क योग सेवा करती आ रही हैं। योग गुरु रामदेव से प्रभावित होकर और उनसे प्रेरणा प्राप्त कर, प्रेमाजी ने पहले कुछ साल स्वयं योग को अपनाया और फिर उसमें अनुभव प्राप्त कर 9 सालों से हैदराबाद म्यूनीसिपल मैदान में महिलाओं को निःशुल्क योग शिक्षा प्रदान कर रही हैं। इसके अतिरिक्त वे हैदराबाद के अन्य स्थानों पर योग शिविर भी लगा चुकी हैं। इनके शिविरों से महिलाओं को थॉइराइड, गठिया, रक्त की कमी, मोटापा, सांस संबंधी समस्याओं में बहुत लाभ मिला है। प्रेमाजी सबको घर का बनाया हुआ खाना खाने के लिए प्रेरणा देती हैं। इनके योग शिविरों में लगभग 50 प्रतिशत समय प्राणायाम पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इनका मानना है, आज किसी भी व्यक्ति का 20-30 प्रतिशत पैसा बीमारी पर ही खर्च होता है। इससे बचने के लिए योग से ही सही और पूर्ण इलाज मिल सकता है।

धूमधाम से मनी हनुमान जयंती

कोलकाता. श्री नींबूतल्ला भवन ट्रस्ट अंतर्गत बड़ा बाजार अंचल के "श्री नींबूतल्ला स्पोर्टिंग क्लब परिसर में श्री हनुमान जयंती महोत्सव मनाया गया। घनश्याम मूंधड़ा (धन्नू) ने हनुमानजी का विधि-विधान के साथ दुग्धाभिषेक किया। सामूहिक सुंदरकांड पाठ भी आयोजित हुआ। पूर्व विधायक संजय बक्शी व उनकी धर्मपत्नी वर्तमान विधायक स्मिता बक्सी भी इस अवसर पर उपस्थित थी। इसी अवसर पर क्लब के वरिष्ठ सदस्य व बड़ा बाजार अंचल के सामाजिक कार्यकर्ता हरिकिशन मोहता (हरि भाई) का अभिनंदन किया गया। सुरेंद्रकुमार मूंधड़ा, ट्रस्ट सभापति इंद्रकुमार मोहता, सुरेंद्रकुमार मूंधड़ा, किशनलाल मोहता, ईश्वरचंद बिहाणी, गणेश सादानी, गोपाल सादानी, महेश मिमानी आदि का सहयोग रहा। अंत में महाप्रसादी भी आयोजित हुई।

शुभकामना में जल संरक्षण एवं जैविक खेती का संदेश

बनखेड़ी। हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य में लोगों द्वारा एक दूसरे को शुभकामनाएं प्रदान की गई। इसी शृंखला में रामदेव शुगर मिल ठैनी द्वारा भी एक शुभकामनाओं का पम्पलेट जारी कर लोगों को नए वर्ष की शुभकामनाएं प्रदान की गई। मिल संचालक किशोर माहेश्वरी ने बताया कि नए वर्ष की शुभकामनाओं के साथ हमने समस्त लोगों से अपील की है कि वे नरवाई में आग न लगाएं, इससे धरती के मित्र कीट समाप्त हो रहे हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण, पौधारोपण एवं प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील भी की गई। उल्लेखनीय है कि श्री माहेश्वरी ने बारिश का जल संचय कर जमीन में पहुंचाने हेतु क्षेत्र में कई जल संरचनाएँ तैयार करवाई हैं।

प्रधानमंत्री पर लिखी कविता

परतवाड़ा। समाज सदस्य किशोर काबरा की सुपुत्री वंशिका ने प्रधानमंत्री पर केंद्रित कविता "ड्रिम्स ऑफ नरेंद्र मोदी" लिखी है। इसे उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय को भी प्रेषित किया। प्रधानमंत्री कार्यालय की डिप्टी सेक्रेटरी ने भी पत्र प्रेषित कर इसे सराहा।

बागड़ी की राज्यपाल से भेंट

नागपुर. रामनवमी के मौके पर आसाम के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित का नागपुर आगमन हुआ। इस मौके पर बहुत बड़े पैमाने पर पोदारेश्वर राम मंदिर से झाँकियां निकाली जाती हैं। समाजसेवक, लेखक, पोर्टफोलियो कंसल्टेंट व विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी शरद बागड़ी व विदर्भ सेवा समिति के पदाधिकारी डॉ. संतोष मोदी, कमल चांडक आदि ने श्री पुरोहित से मुलाकात की।

किसी को आत्मविश्वास जगाने वाला प्रोत्साहन देना ही सर्वोत्तम उपहार है'

राजस्थानी महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

वरंगल. राजस्थानी महिला मंडल वरंगल के चुनाव प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में चुनाव अधिकारी संपतकुमार लाहोटी एवं नवलकिशोर मूंदड़ा के पर्यवेक्षण में हुए। द्वितीय उपाध्यक्षा, मंत्री, कोषाध्यक्षा, सांस्कृतिक मंत्री सर्वसम्मति से चुने गए। शेष पद के लिए गुप्त मतदान द्वारा चुनाव कराए गए। अध्यक्षा मीना लाहोटी, प्रथम उपाध्यक्षा बीना बोहरा, द्वितीय उपाध्यक्षा सुजाता जाखोटिया, मंत्री अनुराधा मूंदड़ा, प्रथम सहमंत्री पूनम खंडेलवाल, द्वितीय संगीता बजाज, कोषाध्यक्षा उषा बजाज, सहकोषाध्यक्षा प्रेमा मूंदड़ा, सांस्कृतिक मंत्री नीतू बंग, सहसांस्कृतिक मंत्री मंजू लाहोटी चुनी गईं।

महेश जलसेवा का शुभारंभ

रायपुर. छत्तीसगढ़ प्रादेशिक युवा संगठन के आह्वान पर संपूर्ण प्रदेश में ग्रीष्मकाल में "महेश जल सेवा" द्वारा प्याऊ संचालित होंगी। इसी शृंखला में रायपुर में कालीबाड़ी चौक स्थित डॉ. राठी क्लीनिक में गत 2 अप्रैल को जलसेवा का शुभारंभ प्रदेशाध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा, प्रबंध न्यासी डॉ. सतीश राठी, उपाध्यक्ष विजय दम्माणी, महामंत्री नारायण राठी, सहमंत्री राधेश्याम राठी, दुर्ग जिला सभा अध्यक्ष राजकुमार गांधी, सचिव जगदीश चांडक, बृजकिशोर सूरजन, अलका सूरजन, राजकुमार राठी, मानद मंत्री सीए मनोज राठी की उपस्थिति में किया गया।

बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं के लिए रैली

जयपुर. गत 20 मार्च को क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन झोटवाड़ा (जोन-2) द्वारा कलेक्टोरेट सर्किल पर एक रैली निकाल कर पोस्टर एवं स्लोगन्स के द्वारा "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया गया। क्षेत्रीय महिला संगठन अध्यक्ष उमा हुरकट ने बताया कि रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। जिला महिला संगठन अध्यक्ष उमा परवाल एवं मंत्री अनुराधा कचौलिया भी रैली भी शामिल हुईं। जोन 2 की सदस्याओं के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों की महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जलसेवा केन्द्र का शुभारंभ

वरंगल. महेश कला समिति द्वारा गर्मी में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी बीट बाजार में जल सेवा केंद्र का शुभारंभ गत 2 अप्रैल को किया गया। शुभारंभ वेणुगोपाल मूंदड़ा अध्यक्ष प्रगतिशील मारवाड़ी समाज, प्रहलाद सोनी अध्यक्ष माहेश्वरी समाज, वरंगल के कर कमलों से हुआ। मंत्री अशोककुमार बंग ने सभी को धन्यवाद दिया। समाज के मंत्री रामकिशन बोहरा, नारायणदास शर्मा, रमेशबंग, संपतकुमार सोनी, कमलकिशोर मालाणी, ब्रजमोहन जाजू, प्रकाशचंद्र कांकरिया, सत्यनारायण कालाणी, ब्रिजगोपाल लाहोटी आदि मौजूद थे।

नवसंवत का किया स्वागत

रायपुर. महेश सभा, रायपुर ने गत 2 अप्रैल को महेश भूमि मोवा पर महेश सभा, महेश महिला संगठन एवं महेश युवा संगठन के कार्यकारणी सदस्यो के साथ बैठक आयोजित कर हिंदू नववर्ष बड़ी ही धूमधाम से मनाया। महेश सभा के सचिव किसन गोपाल करवा ने सभी सदस्यों का अभिवादन किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में महेश सभा अध्यक्ष जगदीशप्रसाद लाहोटी द्वारा मदनलाल राठी को विवाह, रामगोपाल राठी को जनगणना एवं डॉ० राहुल मूंदड़ा को स्वास्थ्य प्रकोष्ठ का प्रादेशिक माहेश्वरी सभा का सदस्य बनने पर पुष्प प्रदान कर सम्मानित किया। सचिव किसनगोपाल करवा ने महेश सभा के कर्मठ सदस्य सुशील लाहोटी को प्रादेशिक माहेश्वरी सभा का सहमंत्री बनाए जाने पर पुष्प प्रदान करके बधाई दी। शुभकरन सोमानी, भागीरथ चांडक, पवन करनानी, बजरंग बाहेती, श्याम डागा, अंशुल बिड़ला, ममता सोमानी आदि मौजूद रहे। अंत में हिंदू नववर्ष के आगमन की खुशी में बजरंगलाल बाहेती द्वारा सभी सदस्यों को स्वल्पाहार करवाया गया। उपरोक्त जानकारी महेश सभा सचिव किसनगोपाल करवा ने दी।

महिलाओं को सिलाई मशीने वितरित

हैदराबाद. माहेश्वरी समाज हैदराबाद सिकंदराबाद (महिला विभाग) द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में सिलाई मशीनें भेंट की गईं। अध्यक्षा शकुंतला नावंदर एवं मंत्री संतोष भंडारी ने बताया कि महिला विभाग द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को सशक्त एवं स्वावलंबी बनाने के लिये प्रति माह सिलाई मशीनों का वितरण किया जाता है। पूजा बूब, अन्नपूर्णा राठी, प्रेमलता तापड़िया, गीता मालपानी, सुशीला बजाज, शोभा तोषनीवाल, उमा सोमानी, मीना तोषनीवाल, सावित्री दरक, गीता बूब आदि का विशेष सहयोग रहा।

बालाजी महिला मंडल की नवीन कार्यकारिणी गठित

पुणे. स्थानीय श्री माहेश्वरी बालाजी महिला मंडल कसबा पेठ पुणे की सभा शोभा भट्टड़ की उपस्थिति में सम्पंन्न हुई। इस अवसर पर नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष शकुंतला नंदकिशोर फोफलिया, उपाध्यक्ष चंद्रकला सुभाष जाजू, सचिव शांता अशोक जाजू, सहसचिव ललिता भंवरलाल राठी, कोषाध्यक्ष नंदा अशोक भट्टड़, उत्सव प्रमुख शकुंतला रमेश सोनी चयनित की गईं। कार्यकारिणी तथा सलाहकार समिति सदस्याओं का भी चयन किया गया।

इतना भी आसान नहीं होता
अपने ढंग से जिन्दगी जी पाना
बहुतों को खटकने लगते हैं,
जब खुद को जीने लगते हैं.....

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

राँची. श्रीमती बल्लभी राजराजेश्वरी (धर्मपत्नी श्री बल्लभ चितलांग्या) ''मौसी राम'' की सुमधुर वाणी में राँची शहर में गत 8 दिनों से लगातार ''एक दिवसीय भागवत'' का गान अलग-अलग 8 स्थानों पर संपन्न हुआ। प्रमुख सूत्रधार बासुदेव भाला ने बताया कि स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति की अध्यक्षा संगीता चितलांगिया, सचिव भारती चितलांगिया एवं कृष्णा मनोज काबरा के प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम में झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष देवघर निवासी विनय माहेश्वरी, सचिव जमशेदपुर निवासी ललित आगीवाल एवं संगठन मंत्री गिरिजाशंकर पेड़ीवाल भी मौजूद थे।

निःशुल्क विवाह सहयोग

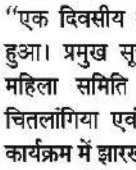

इचलकरंजी. माहेश्वरी विवाह सेवा सहयोग केंद्र, इचलकरंजी (कोल्हापुर) गत 14 वर्षों से विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा की सेवा पूरे भारत में निःशुल्क प्रदान करता आ रहा है। उक्त जानकारी प्रदान करते हुए नटवरलाल मानधनिया ने बताया कि विवाह योग्य युवक-युवतियों, उच्च शिक्षित, शिक्षित, विधवा, विधुर और दिव्यांगों के बायोडाटा फोटो व कुंडली सहित कुरियर द्वारा उचित प्रत्याशी को निःशुल्क भी भेजे जाएंगे। अत्यंत कमजोर वर्गों को भी उचित सहयोग प्रदान किया जाता है।

मेट्रीमोनियल मीट का हुआ आयोजन

नागपुर. विवाह सहयोग केंद्र एवं मारवाड़ी डॉट कॉम के संयुक्त तत्वावधान में गत 26 मार्च को रजवाड़ा पैलेस नागपुर में माहेश्वरी मेट्रीमोनियल मीट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व विधायक गिरीश गांधी तथा विशेष अतिथि नागपुर नगर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष पुरुषोत्तम मालू थे। हाईटेक तरीके से आयोजित इस परिचय सम्मेलन में कई प्रदेशों के लगभग 150 युवक-युवती शामिल हुए। इस अवसर पर सचित्र रंगीन परिचय पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस पुस्तिका में 340 से अधिक उच्च शिक्षित और विवाह योग युवक-युवतियों का जीवन परिचय संकलित है। कार्यक्रम को गिरीश गांधी, पुरुषोत्तम मालू, सत्यनारायण राठी, नितिन बियाणी और पूजा राठी ने संबोधित किया। सम्मेलन का संचालन दिशा राठी तथा आभार प्रदर्शन मारवाड़ी वेडिंग डॉट कॉम के संचालक नितिन बियाणी ने किया।

महेश जल सेवा की शुरुआत

सुकमा. माहेश्वरी युवा संगठन ने प्रदेशस्तरीय महेश जल सेवा की शुरुआत की है। रामनवमी के अवसर पर सुकमा में भी जल सेवा की शुरुआत की गई। इस अवसर पर 11 जगहों महेश जल सेवा की शुरुआत की गई। इससे पहले नगर के 6 स्थानों पर वाटर कूलर का संचालन किया जा रहा था। स्थानीय संगठन अध्यक्ष अरविंद तापड़िया ने बताया आगामी दिनों में केरलापाल, दोरनापाल व कोंटा और सुकमा में और प्याऊ का संचालन किया जाएगा। सत्यनारायण राठी, हजारीमल चांडक, काशीराम लड्ढा, मदनलाल चांडक, नंदकिशोर गांधी, टीकमचंद, संतोष चांडक, उर्मिला चांडक, भारती चांडक, नरेश चांडक सहित युवा व महिला संगठन के कई सदस्य मौजूद थे।

सोमानी का किया अभिनंदन

परली. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कॅरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ के संयोजक जयप्रकाश सोमाणी का नगर आगमन हुआ। इस अवसर पर तोतला निवास पर परली तालुका माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रामनिवास रांदड़, सचिव विनोद लड्ढा, शांतिलाल लाहोटी, रामेश्वर सारडा, राजेंद्र लाहोटी, युवा माहेश्वरी संगठन अध्यक्ष पंकज मूंदड़ा, प्रदेश विवाह सहयोग समिति सदस्य अमित बियाणी, सचिन तापड़िया अमित मानधने आदि उपस्थित थे।

आग लगी थी. . मेरे घर में
सब जानने वाले आये,
हाल पूछा और चले गये
एक सच्चे दोस्त ने पूछा -
'क्या क्या बचा है. . .. ?
मैने कहा - कुछ नहीं ' सिर्फ मैं ही बचा !!
'उसने गले लगाकर कहा -:
साले ! फिर जला ही क्या है। '

माहेश्वरी व युवा संगठन के साथ होगी महासभा की बैठक

वृंदावन. आगामी 19 अगस्त 2017 को महासभा की कार्यसमिति की बैठक एवं 20 अगस्त को महासभा की प्रथम कार्यकारी मंडल की एक दिवसीय बैठक वृंदावन में आयोजित होने जा रही है। इस बार बैठक का स्वरूप साधारण अधिवेशन जैसा रहेगा। महासभा कार्यकारी मंडल के साथ ही युवा तथा महिला संगठन का कार्यकारी मंडल भी आमंत्रित है। लक्ष्य यही रहेगा कि महासभा की रीति-नीति कार्यपद्धति को सभी को देखने-समझने का अवसर मिले। इस आयोजन हेतु अजय काबरा संगठन मंत्री महासभा को संयोजक बनाया गया है। अशोक सोमानी उपसभापति उत्तरांचल समन्वयक, एसएन चांडक देहली को स्वागताध्यक्ष बनाया गया है। कार्यक्रम में महासभा कार्यसमिति की भावना अनुरूप किसी प्रकार की औपचारिकता नहीं रहेगी। पूर्ण सादगी के साथ निश्चित समयानुसार यह कार्यक्रम प्रारंभ होगा। बैठक का स्थल शांति सेवाधाम (वैष्णोदेवी मंदिर के पास), छठी करा रोड तय किया गया है। रुकने की व्यवस्था माहेश्वरी सेवा सदन, शांति सेवाधाम, कृष्ण जन्माष्टमी भवन, वैष्णोदेवी धर्मशाला में रखी गई है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उत्तरांचल के कार्यकर्ताओं के साथ 30 अप्रैल 2017 को वृंदावन में मीटिंग रखी गई है। वीरेंद्र भुराड़िया, कौशलकिशोर पडतानी, विनोद माहेश्वरी, ओपी पसारी, लोकेंद्र करवा, राधाकृष्ण सोमानी

युवा संगठन ने किया छाछ का वितरण

साऊथ केरला. स्थानीय पर्व विशु के पावन अवसर पर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा छाछ वितरण का कार्यक्रम बस स्टैंड पर रखा गया। अतिथि के रूप में मोहन सुदा, राधेश्याम मेहता, प्रदीप माहेश्वरी, भंवरलाल धीरण उपस्थित थे। मुकेश काकानी, भावेश चांडक, मोहित पेड़ीवाल, अखिल कचोलिया, रौनक चांडक, दीपक लखोटिया, अभिषेक साबू, आकाश भूतड़ा, प्रवीण चोला, तरेश सुदा, तरुण चांडक, मनीष झंवर, रमेश धीरण आदि का सहयोग रहा। उक्त जानकारी संगठन के सचिव मोहित पेड़ीवाल ने दी।

किसी की प्रशंसा के लिए, उसकी शोक सभा का इंतजार मत करो।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हुआ आयोजन

बेमेतरा (छग). स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। डॉ. टावरी, डॉ. मयूर राठी, रोहित भट्ट, नीतू कोठारी, स्मिता लाखोटिया आदि अतिथि थे। मुख्य अतिथि स्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष व छत्तीसगढ़महिला मंडल की संयुक्त मंत्री सुनीता चांडक व वरिष्ठ डॉ. मोतीलाल टावरी का स्वागत किया गया। अतिथियों का स्वागत आशा गिलड़ा, प्रमिला राठी, वर्षा लाखोटिया, अनीता मोहता द्वारा शील्ड प्रदान कर किया गया। डॉ. टावरी, डॉ. मयूर राठी ने स्वास्थ्य की जानकारी दी। पेंटिंग मास्टर स्मिता लाखोटिया को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर ऑल इंडिया में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। इप्सिता चांडक द्वारा मंच संचालन किया गया। कार्यक्रम में महिला संगठन की चंद्रकांता राठी, धापू डांगरा, सरस्वती मूंदड़ा, संध्या मूंदड़ा, छाया राठी, इंदू राठी, भावना राठी, सपना राठी, मंजू राठी, दीपिका राठी आदि उपस्थित थीं।

वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन

वरंगल. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा प्रथम वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत गत 9 अप्रैल को स्थानीय मूंदड़ा भवन में भव्य प्रदर्शनी व फूड मेला लगाया गया। उद्घाटन प्रगतिशील मारवाड़ी समाज अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा एवं वरंगल जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष श्रीगोपाल तोषनीवाल के करकमलों से हुआ। इस उदघाटन समारोह में प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के मंत्री रामकिशन बोहरा, माहेश्वरी समाज के उपाध्यक्ष श्यामसुंदर जाखोटिया, रामकिशोर मनियार, मंत्री संपतकुमार लाहोटी, राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्षा मीना लाहोटी, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता मालाणी एवं मंत्री मृदुबाला दरक उपस्थित थे। इस मेले में स्त्रियों के श्रृंगार, घरेलू उपयोग की वस्तुओं, कपड़े, गिफ्ट आइटम्स आदि की प्रदर्शनी सहित बिक्री की कुल 15 स्टॉल्स लगाई गई। खाने-पीने की स्टाल्स के लिए तीन विभागों में स्पर्धा रखी गई। अंत में महातंबोला खेल का आयोजन हुआ।

जलसेवा केन्द्र का शुभारंभ

वरंगल. राजस्थानी महिला मंडल एवं माहेश्वरी महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय नागकन्या मंदिर के पास एक जलसेवा केंद्र का उद्घाटन प्रगतिशील मारवाड़ी समाज अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष मीना लाहोटी, मंत्री अनुराधा मूंदड़ा, कोषाध्यक्षा उषा बजाज, माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता मालाणी, मंत्री मधुबाला दरक, कोषाध्यक्षा सरिता सोमाणी सहित कई सदस्याएँ उपस्थित थीं।

छग प्रादेशिक महिला संगठन की बैठक सम्पन्न

बेमेतरा (छग). स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा छग प्रादेशिक महिला संगठन के सप्तम सत्र की प्रथम कार्यकारिणी की बैठक "संकल्प" का आयोजन गत 20 नवंबर को स्थानीय माहेश्वरी भवन में किया गया। मंडल अध्यक्ष सुनीता चांडक ने बताया कि नये सत्र के पदाधिकारियों व सदस्यों का स्वागत और सम्मान किया गया। विशेष अतिथि शोभा सादानी (पूर्व अध्यक्ष अभा महिला संगठन कोलकाता) तथा मुख्य अतिथि ज्योति राठी रायपुर (अखिल भारतीय महिला संगठन मध्यांचल उपाध्यक्ष) थीं। प्रदेशाध्यक्ष पुष्पा राठी रायपुर, प्रदेश मंत्री उषा मोहता, दुर्ग जिलाध्यक्ष निधि झँवर भी मंचासीन थीं। कार्यक्रम में स्थानीय रंगोली व स्लोगन स्पर्धा रखी गई। इसके बाद सतरंगी बयार "साथ-साथ है हम" गेम शो रखा गया। मंजू राठी, अनिता मोहता, मंजू भूतड़ा, रेणु राठी, देवकी भूतड़ा, छापू डांगरा, कृष्णा राठी, आशा गिलड़ा, प्रमिला राठी, पद्मा माहेश्वरी, वर्षा लाखोटिया, कुंती गिलड़ा का सहयोग रहा।

चाँडक मेमोरियल ट्रस्ट ने किया विभूति सम्मान

बरेली. गत 25 मार्च को सच्चिदानंद स्वरूप चाँडक मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में स्व. श्री सच्चिदानंद स्वरूप चाँडक के तृतीय स्मृति दिवस पर आईवीआरआई सभागार में सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री संतोष गंगवार, विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ. अरुणकुमार, विधायक बिथरी चैनपुर राजेशकुमार मिश्रा, अध्यक्ष जिला पंचायत उधमसिंह नगर ईश्वरीप्रसाद गंगवार, अध्यक्ष जिला पंचायत नैनीताल सुमित्राप्रसाद एवं चेयरमैन गंगाशील ग्रुप डॉ. नवलकिशोर गुप्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष सुमन चाँडक ने की। ट्रस्ट के सचिव शरद चाँडक कोषाध्यक्ष शशांक चाँडक ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों द्वारा डॉ. चाँडक के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सम्मान समारोह में ख्यातिलब्ध सात प्रमुख विभूतियों को सम्मानित किया गया।

दिल्ली प्रादेशिक संगठन ने चलाई सेवा यात्रा

दिल्ली. प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष किरण लड्ढा एवं श्यामा भांगड़िया ने तीन माह में संचालित सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसमें संगठन द्वारा 3 नए क्षेत्रों का गठन, नव सत्र डायरेक्ट्री का प्रकाशन, संगठन का रजिस्ट्रेशन करवाया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से आवश्यक सूचनाएं तथा रिपोर्टिंग का कार्य शुरू कर पेपर वर्क शून्य किया गया। दिल्ली नगर निगम के चुनाव 2017 में भाजपा द्वारा 3 माहेश्वरी महिलाओं कंचन समदानी, रेणु जाजू, रीना माहेश्वरी को प्रत्याशी बनाया गया है। प्रदेश सहसंयोजिका द्वारा विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा संकलन का कार्य रा. उत्तरांचल सह सचिव शर्मिला राठी के नेतृत्व में शुरू हो गया है। इसमें 100 डाटा कलेक्ट हो गए हैं। महिला पत्रिका के लिए नए सदस्य बनाए जा रहे हैं। हिंदू नववर्ष के आगमन पर भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव तथा गणगौर पर्व का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री मंजू बांगड़ व राष्ट्रीय सहसचिव शर्मिला राठी का स्वागत किया गया। गत 10 अप्रैल को पश्चिमी क्षेत्र ने वार्षिकोत्सव में ओजस्वी वक्ता राजेश्वरी मोदी का 'खुशियों का खजाना' व्याख्यान रखा।

राइजिंग डैफोडिल स्कूल में मना ग्रेजुएशन डे

सोडाला. विवेक विहार, सोडाला स्थित राइजिंग डैफोडिल प्रिपरेटरी स्कूल में ग्रेजुएशन डे का आयोजन किया गया। सभी बच्चों को सर्टिफिकेट एवं मेडल्स वितरित कर अगली कक्षा के लिए ग्रेजुएट किया। साथ ही वार्षिक खेलकूद में विजेताओं को पारितोषिक का भी वितरण किया गया। स्कूल निदेशक डॉ. किरण माहेश्वरी, अविनाश डागा, रमेश डागा ने स्कूल प्रशासन की भावी योजनाओं की जानकारी दी।

भलाई करते रहिए बहते पानी की तरह,
बुराई खुद ही किनारे लग जाएगी
कचरे की तरह।

युवा संगठन की बैठक सम्पन्न

भीलवाड़ा. माहेश्वरी युवा संगठन गंगापुर की मासिक बैठक संगठन अध्यक्ष राजेश समदानी की अध्यक्षता में बड़े मंदिर में आयोजित की गई। बैठक में महेश नवमी पर रक्तदान शिविर, खेलकूद स्पर्धा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन का निर्णय लेकर अलग-अलग समिति बनाकर दायित्व सौंपे गए। मीडिया प्रभारी संजय समदानी ने बताया कि संगठन के सेवा कार्यक्रम के तहत नगर के मुख्य स्थान मोक्षधाम, नीलकंठ महादेव, सदर बाजार, पंचमुख बालाजी व भूत बालाजी में पक्षियों के लिये 101 परिंडे लगाए गए और दाना-पानी की व्यवस्था की गई। सचिव दामोदर लड्ढा, संरक्षक संदीप बाल्दी, सांस्कृतिक सचिव शुभम बहेड़िया, प्रभारी प्रतीक जागेटिया, नीलेश सोमानी, रामबाबू मूंदड़ा, संजय सोडानी, विकास लड्ढा, राकेश जागेटिया, भावेश न्याति सहित कई सदस्य मौजूद थे।

हनुमान जन्मोत्सव मनाया

हैदराबाद. हनुमानजी के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर) और माहेश्वरी सखियां, लिंगमपल्ली उप विभाग में सामूहिक सुंदरकांड पारायण, हनुमान चालीसा का पाठ, भजन तथा महाप्रसादी का आयोजन गत 11 अप्रैल को राम मंदिर (रामालयम) में किया गया। भजन, आरती, श्लोक या हनुमान चालीसा पाठ करने वाले 10 साल तक के बच्चों को पुरस्कृत किया गया। रामानुज सोनी, मनोज मूंदड़ा, गिरिराज सोनी, बृजगोपाल मालपानी, प्रेम लाहोटी, विजयकुमार मंत्री, राजेश भांगडिया, दीपक मूंदड़ा, पवन तापड़िया, राजेश तापड़िया, राजू राजा, आशीष तोषनीवाल, राहुल राठी, राकेश सोमानी, दीपक लाठी आदि का विशेष सहयोग रहा।

समाज की सर्वसाधारण बैठक सम्पन्न

वरंगल. माहेश्वरी समाज की द्वितीय वार्षिक सर्वसाधारण बैठक गत 8 अप्रैल को होटल ग्रैंड गायत्री में आयोजित हुई। कोषाध्यक्ष जितेंद्रर मूंदड़ा ने आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। मंत्री संपतकुमार लाहोटी ने कार्यप्रगति रिपोर्ट सुनाई। समाज अध्यक्ष प्रहलाद सोनी ने माहेश्वरी समाज वरंगल की कार्य प्रगति का श्रेय टीम वर्क को दिया। अतिथि के रूप में प्रादेशिक उपाध्यक्ष रमेशचंद बंग, जिलाध्यक्ष श्रीगोपाल तोषनीवाल, समाज के ऑडिटर भगवानदास मूंदड़ा उपस्थित थे। महिला मंडल अध्यक्षा सुनीता मालाणी, मंत्री मृदुबाला दरक, कोषाध्यक्षा सरिता सोमाणी, युवा संगठन अध्यक्ष आदित्य बजाज, मंत्री प्रतीक लाहोटी, कोषाध्यक्ष हरीश लोया सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

पुणे. महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा का कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर पुणे (बिबवे वाड़ी) में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय सभापति श्याम सोनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक बंग, प्रदेशाध्यक्ष मधुसूदन गांधी, प्रदेश सचिव अंजनीकुमार मूंदड़ा, युवा संगठन के निवर्तमान राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष भाई दत्तप्रसाद तोतला और योजना समिति के ओमप्रकाश तापड़िया आदि अतिथि के रूप में मौजूद थे।

प्याऊ का शुभारंभ

जिंतुर (परभणी). ख्यात सेवा संस्था शांतिदूत द्वारा जिंतुर बस स्टैंड पर शीतल जल केंद्र का शुभारंभ किया गया। अध्यक्षता सुभाषचंद्र सारडा (संस्थापक अध्यक्ष शांतिदूत सेवाभावी संस्था) ने की। प्रमुख अतिथि तहसीलदार राम बोरगांवकर, उपविभागीय पुलिस अधिकारी अनिल कांबले, डॉ. दिनेश भूतड़ा, जिलाधिकारी सचिव कलंत्रे व स्थानीय अध्यक्ष ब्रजगोपाल तोषनीवाल थे।

श्री गिरिराज धरण की यात्रा सम्पन्न

महू. विगत माह 20 से 23 फरवरी तक माहेश्वरी समाज द्वारा भगवान श्री गिरिराजजी की यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें समाज के 40 से 50 परिवार के पुरुष व महिला सदस्याऐं यात्रा में शामिल हुईं। इसके अंतर्गत यमुना तट पर चुनरी महोत्सव समाज सदस्यों के साथ लोया परिवार महू द्वारा आयोजित किया गया। जतीपुरा में गिरिराज जी का अभिषेक किया गया। होली उत्सव भी मनाया गया। शाम को यही पर कुनवारा व 56 भोग का आयोजन समाज के सभी सदस्यों के साथ सोनी परिवार धार नाका महू द्वारा आयोजित किया गया। दोनों कार्यक्रम में सम्मिलित समाज सदस्यों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए कुछ अंशदान उनका भी शामिल किया गया। इसमें रमेश सोनी, अनंत बियानी, प्रकाश माहेश्वरी, मनोज भराणी, नंदू सोनी, मनीष बियानी, कमल मूंदड़ा, नरेंद्र माहेश्वरी का योगदान रहा। संचालन एवं व्यवस्था हेतु पंच ओमप्रकाश लड्ढा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गुना। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा वल्लभ जयंती 22 अप्रैल को ममता भट्टर के यहां आशू राठी की अध्यक्षता में मनाई गई। जिसमें भजन गाये गये और प्रसादी वितरण किया गया।

हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया

रायपुर (छग). महेश सभा रायपुर (छत्तीसगढ़) ने श्री हनुमान जन्मोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया। सुबह 10 बजे से शहर में तीन स्थानों पर "मिल्क रोज" वितरण किया गया। सुबह 11 बजे से महेश भूमि, मोवा रायपुर पर महेश सभा के सदस्यों द्वारा 108 सामूहिक श्री हनुमान चालीसा के पाठ व स्वरुचि भोज का आयोजन रखा गया। मुरलीमनोहर सोनी, मोहनलाल करनाणी, जगदीशप्रसाद झँवर, कुसुम झवंर, जगदीश लाहोटी, मदनलाल सारडा, नारायणदास मोहता आदि मौजूद थे। जानकारी महेश सभा रायपुर के सचिव किसन गोपाल करवा ने दी।

राठी बने संस्था अध्यक्ष

श्रीरामपुर . समाज के वरिष्ठ सदस्य श्यामसुंदर राठी के दूसरे पुत्र राजेश राठी महेश नागरिक संस्था के चेयरमैन सर्वसम्मति से चुने गये। वे 5 साल से चेयरमैन पद पर थे।

सोमानी बने युवा मंच अध्यक्ष

श्रीरामपुर . वरिष्ठ समाज सदस्य सत्यनारायण सोमाणी के दूसरे पुत्र सुरेंद्र (चंदन) सोमाणी स्थानीय माहेश्वरी युवा मंच के अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने दिनेश राठी को सचिव नियुक्त किया है।

तापड़िया बने यात्री संघ अध्यक्ष

मोर्शी (अमरावती). हिवरखेड़ा के समाजिक कार्यकर्ता तथा भाजपा के अमरावती जिला उपाध्यक्ष विजय भीकमचंद तापड़िया रेलवे यात्री संघ अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुने गये ।

पूरे महाराष्ट्र में किया रंगोली प्रदर्शन

अमरावती. वरिष्ठ समाजसेवी तथा श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रतिनिधि जगदीश-इंद्रकांता सुधा की पुत्रवधू तथा शुभम आर्ट्स बहुउद्देशीय संस्था अमरावती की संचालिका माधुरी-सतीश सुधा ने अपनी रंगोली, मेहंदी व पेंटिंग का पूरे महाराष्ट्र में प्रदर्शन किया। इसमें इनकी पुत्री प्रगति और पुत्र शुभ का भी सहयोग रहा। इस उपलब्धि पर स्थानीय माहेश्वरी भवन में आशा लड्ढा के हाथों उनका सत्कार भी किया गया।

ट्रस्ट ने किया प्याउ का शुभारंभ

अमरावती. स्थानीय बस स्टैंड क्षेत्र में संत श्री सीतारामदास बाबा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से गुड़ी पड़वा के पावन पर्व पर प्याऊ का शुभारंभ विधायक डॉ. सुनील भाऊ देशमुख तथा विदर्भ की मीरा अलकाश्री व महंत मनमोहनदास बाबा के कर-कमलों से किया गया। उल्लेखनीय है कि विगत 27 वर्षों से शहर के बस स्टैंड पर समाज के वरिष्ठ चुन्नीलाल मंत्री जल सेवा कर रहे हैं।

घर के अंदर जी भर के रो लो
पर दरवाज़ा हँस कर ही खोलो....!!
क्योंकि लोगों को
यदि पता लग जाएं
कि तुम अंदर से टूट चुके हो तो
वो तुम्हें लूट लेंगे

सुदर्शन ब्रजमंडल की यात्रा का आयोजन

आगरा. अभा माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आगामी 14 से 21 अगस्त तक श्री राधाकृष्ण की नित्य लीलास्थली ब्रजमंडल की पावन यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए उत्तरांचल उपाध्यक्ष कांता गगरानी व सहसचिव शर्मिला राठी ने बताया कि यह यात्रा आचार्य श्री विवेक महाराज के पावन सान्निध्य में श्रीधाम वृंदावन (हरेकृष्ण आर्चिड) से प्रारंभ होगी। आगामी 14 अगस्त को यमुना पूजन, चूनरी महोत्सव व यात्रा नियम धारण संकल्प के साथ यात्रा शुरू होगी और 21 अगस्त को ब्राह्मण भोजन के साथ यात्रा का पूर्ण विश्राम होगा। यात्रा वातानुकूलित वाहनों के द्वारा की जाएगी। रहने की व्यवस्था भी वातानुकूलित होगी। यात्रा के शुल्क व अन्य जानकारी के लिये संगठन प्रतिनिधियों से सम्पर्क किया जा सकता है।

तोतला बनी कार्यसमिति सदस्य

उज्जैन. विगत दिनों उज्जैन में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम कार्यसमिति की बैठक आयोजित हुई। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी ने उज्जैन की श्रीमती गीता तोतला को अध्यक्षीय कोटे से कार्यसमिति सदस्य मनोनीत किया। आपके मनोनयन से स्थानीय महिला संगठन एवं शुभचिंतकों ने हर्ष जताया है।

वित्त मंत्री का किया स्वागत

बरेली. उत्तरप्रदेश वैश्य महासम्मेलन द्वारा राजेश अग्रवाल वित्त मंत्री उत्तर प्रदेश का स्वागत किया गया। इसमें जिला माहेश्वरी सभा बरेली द्वारा जिलाध्यक्ष शिवकुमार माहेश्वरी के नेतृत्व में सहभागिता की गई। मंत्री धर्मेंद्र माहेश्वरी ने बताया कि इस कार्यक्रम में डॉ. प्रमेंद्र माहेश्वरी, के.के. माहेश्वरी, सुनील बियाणी, धर्मेंद्र माहेश्वरी, सताक्षी शारदा, सचिन माहेश्वरी आदि उपस्थित थे।

युवा मंच अध्यक्ष बने बूब

नासिक रोड. वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश बूब के सुपुत्र महेश बूब माहेश्वरी समाज के संगठन युवा मंच के अध्यक्ष चुने गये। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

बांगड़ बने उपाध्यक्ष

अकोला. समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री बाबूराम बांगड़ के सुपुत्र रमेश बांगड़ माहेश्वरी युवा संगठन अकोला के तहसील उपाध्यक्ष चुने गए।

डॉ. कासट को विदर्भ भूषण पुरस्कार

अमरावती. विदर्भ के ख्यात समाजसेवी डॉ. गोविंद कासट को गत दिनों आयोजित एक कार्यक्रम में वाशिम के युवा क्रांति मंच द्वारा अपने प्रतिष्ठित विदर्भ भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. हरीश बाहेती की अध्यक्षता में डॉ. कासट को गवर्नर कमलाताई के हाथों यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

पलाश बने दिव्यांग टीम के अधिकारी

अमरावती. नीति आयोग भारत सरकार द्वारा संचालित भारतीय क्रिकेट दिव्यांग टीम के अधिकारी पद पर पलाश मालपाणी को नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि बचपन से ही क्रिकेट को समर्पित पलाश ने जिलास्तरीय स्पर्धा में खेलने के बाद एशिया के प्रसिद्ध सिडनेम कॉमर्स कॉलेज ऑफ मुंबई से बतौर कप्तान वेंगसरकर अकादमी से कोचिंग प्राप्त की। वे हैट्रिक लेने वाले खिलाड़ी के रूप में जाने जाते हैं।

सहस्राब्दि रथयात्रा का किया स्वागत

सनावद. पूरे देश में भ्रमण कर रामानुज सहस्राब्दि रथयात्रा के यहाँ पहुँचने पर अध्यक्ष महेशनारायण परवाल द्वारा स्वागत किया गया। इसमें जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री कौशलेंद्र प्रपन्नाचार्य फलाहारी जी महाराज (अलवर) भी शामिल थे। लक्ष्मीनारायण परवाल, बालकिशन चौखड़ा, द्वारिकादास परवाल, तृप्ति परवाल सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

सर्विस चार्ज के निर्णय का स्वागत

जोधपुर. समाजसेवी, कलाकार व लेखक विकास चाँडक ने उपभोक्ता, फूड व लोक वितरण मामलों के राज्यमंत्री सी.आर.चाँडक को पत्र लिखकर सर्विस चार्ज को लेकर लिये गये निर्णय का स्वागत किया। इसके अनुसार सर्विस चार्ज को ऐच्छिक या नॉन रीफंडेबल कर दिया गया है।

कोयल अपनी भाषा बोलती है,
इसलिये आज़ाद रहती है.
किंतु तोता दूसरे कि भाषा बोलता है,
इसलिए पिंजरे में जीवन भर
गुलाम रहता है.
अपनी भाषा, अपने विचार और
'अपने आप' पर विश्वास करें

नवसंवत् पर निकाली शोभायात्रा

कोलकाता। बृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत 26 मार्च को नव सम्वत् 2074 के उपलक्ष्य में माहेश्वरी भवन से उत्कर्ष 2017 के तहत प्रदेश अध्यक्षा निर्मला मल , पूर्व अध्यक्षा शोभा सादानी, पूर्वांचल सहमंत्री मंजू कोठारी एवं प्रदेश मंत्री सीमा भट्टड़ के नेतृत्व में शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। विधायक स्मिता बक्शी, स्वपन बर्मन, पार्षद विजय ओझा, सुनीता झँवर, मीना पुरोहित के साथ नंदकिशोर लाखोटिया, पुष्पा मूँधड़ा, शांता सारड़ा, किसन मल्ल, सुशील बाहेती, श्रवण दममानी, घनश्याम सारड़ा, भंवरलाल राठी, राकेश मोहता, शिवरतन झँवर, थाने के प्रभारी ने शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इसमें समस्त अंचलों ने होली, गणगौर एवं नव सम्वत् पर मनमोहक झाँकियाँ निकालीं तथा वीरांगनाओं एवं स्वनामधन्य महिलाओं का चित्रण किया जिनमें झाँसी की रानी, इंदिरा गाँधी, मेरी कौम, मदर टेरेसा आदि उल्लेखनीय हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ','महिला सशक्तिकरण' एवं 'अपने संस्कार, अपनी संस्कृति' पर समस्त अंचलों ने पोस्टर बनाए। शोभायात्रा में करीबन 700 समाजजनों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदेश सभा के सभी सदस्यों के साथ युवा संगठन सदस्यों की भी सक्रिय भूमिका रही।

बागड़ी को 'जीवन गौरव' सम्मान

नागपुर। युनिवर्सिटी के वार्षिक स्पोर्ट्स कार्यक्रम में 'खेल-खिलाडी पुरस्कार' वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमे युनिवर्सिटी के कुलपति, सब कालेजेस के प्राचार्य, प्रमुख डिपार्टमेंट हेड भाग लेते हैं. प्रमुख अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी, लेखक, पोर्टफोलियो कंसलटेंट शरद गोपीदास बागडी व भूतपुर्व मेयर अनिल सोले थे। इस अवसर पर आमदार अनिल सोले के हाथों लाईफटाईम एचिवमेंट 'जीवन-गौरव' पुरस्कार से श्री बागड़ी को सम्मानित किया गया।

अच्छा ज़रूर बनें मगर.. साबित करने की कोशिश ना करें।

शतायु वरिष्ठ श्री राठी का अभिनंदन

डूंगरगढ़। जीवन के बेहतरीन 100 वर्ष पूर्ण करने पर शतायु वरिष्ठ केशरीचन्द राठी का महासभा के सभापति श्यामसुन्दर सोनी, संयुक्तमंत्री जुगलकिशोर सोमाणी, उत्तरी राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष सोहनलाल गट्टाणी, राधाकिशन सोमानी दिल्ली संजय करनानी श्रीडूंगरगढ़ ने अभिनंदन किया। आयोजनकर्ता शिवनारायण राठी श्रीडूंगरगढ़ और ओम राठी जोरहाट थे। शहर के भूतपूर्व विधायक मंगलाराम, वर्तमान विधायक किसनाराम, शेसोमूं स्कूल के चेयरमेन जगदीश मूंदड़ा, कार्यसमिति सदस्य बाबूलाल मोहता सींथल और सर्व जातियों के समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सैंकड़ों की संख्या में लोग दीमापुर, जोरहाट, कोलकाता, दिल्ली, मुम्बई, छत्तरगढ़, सोनियासर से आए थे। उल्लेखनीय है कि शतायु श्री राठी नित्य 3- 4 किलोमीटर दूर जाकर 7 किलो चुग्गा स्वयं कबूतरों को डालने जाते है। इन्होंने जीवन में कभी नहाने में साबुन का प्रयोग नहीं किया, कभी तेल नहीं लगाया। दांत साफ करने में हमेशा बालू मिट्टी या राख का प्रयोग करते हैं। चश्मा लगाए बिना अखबार पढ़ते है।

पूर्वोत्तर राजस्थान की बैठक सम्पन्न

जयपुर। गत 23 अप्रेल को जयपुर के माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल में पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के द्वितीय सत्र की कार्यसमिति बैठक में अध्यक्ष कैलाश सोनी ने कार्यभार संभाला। उन्होंने प्रदेश स्तर के ट्रस्ट गठन, कार्यसमिति की सदस्य संख्या बढ़ाने, सत्र शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव रखे, जिनको सदन ने सर्वसम्मति से पारित किए। इस अवसर पर महासभा संयुक्तमंत्री जुगलकिशोर सोमाणी ने अपने उद्बोधन में महासभा की दोनों कार्यसमिति बैठकों का व्यौरा प्रस्तुत किया। महासभा के संयुक्तमंत्री जुगलकिशोर सोमाणी, प्रदेश अध्यक्ष कैलाश सोनी, प्रदेशमंत्री रमेश परवाल, श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के भूतपूर्व अध्यक्ष बालकिशन सोमाणी, बाबूलाल तोतला, निवर्तमान अध्यक्ष राधेश्याम परवाल, निवर्तमान मंत्री राजेन्द्र मंत्री निवर्तमान जिलाध्यक्ष श्रीकिशन अजमेरा, सीकर से उपाध्यक्ष महेश होलानी, राजकुमार धूत, महेश बिहानी, अलवर से अनुज कालानी आदि उपस्थित थे।

होली के स्नेह की मिठास अभी भी बाकी

स्नेह के रंगों से रंगने के पर्व होली के आयोजन के बाद होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। विभिन्न सांस्कृतिक व रंगारंग कार्यक्रमों के साथ प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के चले इस दौर के आयोजन के समाचार अभी भी प्राप्त हो रहे है।

▶▶ रायपुर। रंग पंचमी के अवसर पर माहेश्वरी महिला समिति गोपाल मंदिर के द्वारा होली उत्सव का आयोजन वृंदावन हॉल में किया गया। सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। होली के गीतों पर नृत्य करके अनुराधा दम्मानी व ग्रुप ने प्रस्तुति दी। इसके पश्चात हास्य कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें उर्मिला देवी 'उर्मि', संध्या शिरीष, राममूरत शुक्ल व किशोर तिवारी आदि कवि शामिल थे।

▶▶ उदयपुर। महेश सोसायटी (माहेश्वरी समाज) उदयपुर का होली मिलन एवं फागोत्सव कार्यक्रम राष्ट्रभारती एकेडमी स्कूल सेक्टर 14 में मनाया गया। प्रचार प्रसार मंत्री गौतम सोमानी ने बताया कि मुख्य अतिथि

सत्यनारायण माहेश्वरी जिला अध्यक्ष उदयपुर जिला माहेश्वरी सभा तथा विशिष्ट अतिथि जमनेश धुपड़ एवं प्रमोद राठी थे। कार्यक्रम महेश सोसायटी के संरक्षक मुरलीधर गट्टानी एवं शंकरलाल भदादा के तत्वावधान में आयोजित हुआ। महेश सोसायटी के अध्यक्ष विजयराज गादिया ने भजन गायिका जतन सोमानी को अलंकृत करवाया। आभार सचिव राकेश मूंदड़ा ने माना।

▶▶ दिल्ली। गत 7 मार्च को माहेश्वरी सेवा सदन, कल्याण विहार, दिल्ली -9 में फागोत्सव के अंतर्गत रात्रि 9 से 12 बजे तक समाज के 150-200 पुरुष-महिलाओं ने मिलकर डफों की तान पर राजस्थानी होली गीतों एवं धमाल का कार्यक्रम रखा। श्याम चांडक, विक्रम लखोटिया, अरुण सारड़ा, अनन्त लोया, रतन लखोटिया, रामचंद्र राठी एवं अनिल मंत्री का विशेष सहयोग रहा। 13 मार्च को सायं 7 से 11 बजे तक माहेश्वरी भवन अशोक विहार के प्रांगण में समाज के लगभग 500 सदस्य परिवारों ने धुलेंडी के दिन सुबह होली खेलकर शाम को मंडल के प्रांगण में होली मिलन आयोजित किया। इसमें मंडल मंत्री विक्रम लखोटिया, पूर्व अध्यक्ष श्यामसुंदर बिहानी एवं पूर्व उपाध्यक्ष जगदीशचंद्र मूना सहित मंडल के वरिष्ठ संरक्षक व कार्यकारिणी सदस्य शामिल हुए। कवि सम्मेलन का संचालन कवि शुभम मंगला के सान्निध्य में हुआ। इस अवसर पर अतिथि के रूप में जगदीश मित्तल राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय कवि संगम, डॉ महेंद्र नागपाल भूतपूर्व विधायक दिल्ली व रवि अग्रवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष मारवाड़ी युवा मंच उपस्थित थे।

▶▶ भीलवाड़ा. जिला दरगड़ परिवार महिला मंडल ट्रस्ट के तत्वावधान में होली व स्नेह मिलन समारोह का आयोजन माधव गौशाला व अनुसंधान केंद्र स्थित सांवरिया सेठ मंदिर नौगांवा में किया गया। सर्वप्रथम परिवार के वरिष्ठों का सम्मान किया गया तथा मंदिर प्रांगण में छप्पन भोग का आयोजन किया गया। छप्पन भोग के दौरान भजनों की प्रस्तुति पुष्पा दरगड़, सुमित्रा दरगड़, शकुंतला दरगड़, सुमन दरगड़, रेखा दरगड़, आशा दरगड़ आदि महिलाओं ने दी। सामूहिक भोज का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में भंवरलाल दरगड़, रमेश दरगड़, कैलाश दरगड़, राजेश दरगड़, भगवान दरगड़ आदि का विशेष सहयोग रहा। जिला महिला मंडल ट्रस्ट की अध्यक्षा सुमित्रा दरगड़ ने आभार व्यक्त किया।

मैं सही निर्णय लेने में यकीन नहीं करता, बल्कि फैसले लेकर उन्हें सही साबित करने में यकीन करता हूँ।

▶▶ **आगरा.** जिला माहेश्वरी सभा द्वारा होली मिलन समारोह गत 10 मार्च को माथुर वैश्य महासभा भवन पंचकुईया पर सायं 5 बजे से आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अशोक सोमानी रेवाड़ी उपसभापति अभा भारतवर्षीय महासभा थे। वरिष्ठ अतिथि कौशलकिशोर पलतानी कासगंज संयुक्त मंत्री अभा भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा व कमलेंद्र माहेश्वरी मुजफ्फनगर मंत्री पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा थे। महेश वंदना रमेश भट्टर, मनोजकुमार दुजारी, पवन गुप्ता, सरोज तोषनीवाल, रितु गांधी एवं आशा काहल्या द्वारा प्रस्तुत की गई। छोटे बच्चों की फैंसी ड्रेस व माहेश्वरी महिला मंडल की लघु नाटिकाओं को भी काफी सराहा गया। जिलाध्यक्ष महेंद्र डागा द्वारा आभार माना गया। रमेश भट्टर मंत्री, अनिल चांडक कोषाध्यक्ष, महेंद्र भुराडिया प्रचार मंत्री, संजय काहाल्या, पवन गुप्ता, मनोजकुमार दुजारी, कुंजबिहारी काहाल्या, संजय चांडक सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। सामूहिक भोज के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

▶▶ **पुणे.** स्थानीय संस्था माहेश्वरी परिवार (पश्चिम) द्वारा होली एवं दुंड का आयोजन महेश विद्यालय कोथरूड के प्रांगण में किया गया। संस्था अध्यक्ष सुरेश नावंदर ने गुलाल लगाकर सभी का स्वागत किया। सचिव सुनील राठी ने होली पूजन किया। बाद में 5 बालकों की दुंड आयोजित हुई। भूतपूर्व अध्यक्ष पुष्पा तोषनीवाल, संतोष राठी, सुशीला राठी, बालाप्रसाद बजाज आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे।

▶▶ **खंडवा.** माहेश्वरी मंडल द्वारा अध्यक्ष रत्ना राठी के नेतृत्व में रंगारंग कार्यक्रम व होली के भजनों के साथ फूलों से होली खेलकर फाग उत्सव मनाया गया। सभी बुजुर्ग वरिष्ठ महिलाओं का भी पुष्प भेंट करके महिला दिवस के उपलक्ष्य में सम्मान किया गया। गणगौर माता के झाले वारने व गणगौर गीत के नृत्य की प्रतियोगिता रखी गई। गणगौर गोठ व तीज का सामूहिक उद्यापन किया गया। मनीषा गांधी, रीना गिलड़ा, उषा परवाल, अरुणा बाहेती, प्रिया जाखेटिया सहित समस्त सदस्याओं ने पूर्ण उल्लास के साथ सहयोग दिया।

▶▶ **हमीरपुर (उप्र).** माहेश्वरी मंडल राठ द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। अतिथि के रूप में नवनिर्वाचित विधायक मनीषा अनुरागी की सहभागिता रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश जांवधिया ने की। संचालन शिल्पा जांवधिया ने किया। उक्त जानकारी देते हुए मंत्री कुंजबिहारी चांडक ने बताया कि रंगारंग कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के प्रत्येक जोड़े को मंच पर बुलाकर एक-दूसरे के लिए गाना गवाया गया तथा गुलाल लगवाया गया।

एक बार जंगल में एक बहुत बड़े से गड्ढे में एक शेर गिर गया तभी वहां एक पेड़ में एक बन्दर आ गया, शेर का मजाक उडाने लगा। क्यों शेर तू तो राजा बना फिरता है अब तो तेरी अकल ठिकाने आ गयी न, अब शिकारी तुझे मारेंगे, तेरी खाल निकालकर दीवार पर सजायेंगे, तेरे नाखून और दांत निकाल कर दवाई बनायेंगे। तभी वो डाल जिसमें बन्दर बैठा था, टूट गयी और बन्दर सीधे शेर के सामने आ गिरा। गिरते ही बोला माँ कसम माफ़ी मांगने के लिए कूदा हूँ।

अखण्ड सुहाग की कामना से पूजे ईशर–गौर

राजस्थान के परम्परागत पर्व गणगौर का आयोजन समाज के विभिन्न महिला संगठनों द्वारा किया गया। इसमें सामूहिक रूप से ईशर–गौर की पूजा कर विवाहित महिलाओं ने अखंड सौभाग्य तथा विवाह योग्य युवतियों ने श्रेष्ठ वर की कामना की। इसके साथ ही कई मनोरंजक कार्यक्रम भी आयोजित हुए। इसमें भव्य शोभा यात्रा निकली और लाल चुनरी में सज–धज कर शामिल हुई महिलाओं ने कई रंगारंग प्रस्तुतियां भी दी। झाले वारने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अमरावती। श्री बीकानेरी माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा परम्परागत गणगौर बिंदौरों का आयोजन किया गया। प्रेमलता श्यामसुंदर दम्माणी के निवास स्थान से निकल कर गणगौर शोभा यात्रा सिद्धि विनायक मंदिर पहुंची। राधिका दम्माणी परिवार के सौजन्य से ठंडाई का वितरण हुआ। आनंदभोज तथा कुल्फी की व्यवस्था आयोजक की ओर से की गई। श्री बीकानेरी महिला मंडल की अध्यक्ष सविता डागा तथा आयोजक प्रेमलता दम्माणी ने सभी का आभार व्यक्त किया। लता मूंदड़ा, राधिका दम्माणी, अर्चना कोठारी, श्रीमती मंत्री आदि का सक्रिय योगदान रहा।

इंदौर। श्री मध्यक्षेत्र माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गणगौर के उपलक्ष्य में रंगारंग बाना एवं सेल का आयोजन किया गया। बाने में समाज की महिलाएं लाल चूंदड़ी पहने व सोलह श्रृंगार करके ईसर-गणगौर बनकर आयी। बाने का जगह-जगह स्वागत किया गया। राजपूत बगीची में गणगौर को झाले व वारने दिये गये तथा गणगौर तंबोला खेला गया। सुस्वाद भोजन का आनंद भी सभी ने लिया। अध्यक्ष मीनाक्षी नवाल व सचिव अर्चना भल्लिका ने आभार माना। कार्यक्रम संयोजक रूपा हेड़ा व सुषमा लाहोटी थीं। विशेष रूप से मंजु भल्लिका, प्रमिला भूतडा, सुगमन सारड़ा, उर्मिला झंवर, निर्मला बाहेती आदि उपस्थित थी। जानकारी प्रचार मंत्री स्वाति असावा ने दी।

मेरठ। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 30 मार्च के दिन गणगौर का सामूहिक उद्यापन किया गया। आयोजन दिल्ली रोड सुपरटेक पाम ग्रींस के कम्युनिटी सेंटर में हुआ। अध्यक्ष मधु डांगरा व सचिव प्रगति माहेश्वरी ने सभी महिलाओं का कलावा बांधकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन वंदना माहेश्वरी ने किया। अध्यक्ष देवेंद्र भट्टर, सचिव नरेश माहेश्वरी का सहयोग मिला। अंत में सभी ने भोजनकर व्रत को पूरा किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला मंडल की मधु, प्रगति, वंदना, साक्षी, सुनीता, लता, आशा, राज, कविता, मोना, आशी, रीमा, रेखा आदि का सहयोग रहा।

वरंगल. सोलह दिवसीय गणगौर उत्सव का समापन धूमधाम से हुआ। महाप्रसाद की व्यवस्था माहेश्वरी गार्डन में की गई थी। गणगौर के गीतों का कार्यक्रम, खेलकूद एवं सामूहिक नृत्य आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। गणगौर के उपलक्ष्य में 700 राहगीरों के लिये अन्नदान का कार्यक्रम आयोजित हुआ। मंत्री मीना लाहोटी व अध्यक्ष चंदादेवी सोनी ने आभार माना।

**जीतने का मजा तब ही आता है,
जब सभी आपके हारने का
इंतजार कर रहे हो।**

पिपरिया। माहेश्वरी समाज ने भव्य शोभायात्रा निकाली, जिसमें लाल चूनरी पहन महिलाएं शामिल हुईं। शोभायात्रा का जगह-जगह ठंडे पेय के साथ स्वागत हुआ। पुराना माहेश्वरी भवन पर पूजन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। दोपहर में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा झालावारना के साथ ठंडाई का वितरण हुआ। अ.भा. कार्यसमिति सदस्य शोभा भट्टर, प्रदेश सौष्ठा की सदस्य सरला भट्टर, प्रदेश सहसचिव राजश्री राठी व जिला महिला संगठन की सचिव आशा मालपानी का स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर परिषद की अध्यक्ष बीना मूंदड़ा, सचिव अरुणा मूंदड़ा, सांस्कृतिक मंत्री ममता नवीरा, उपाध्यक्ष किरण हुरकट, सहसचिव साधना घुरका सहित समस्त पदाधिकारी व सदस्यों ने योगदान दिया। आभार सचिव अरुणा मूंदड़ा ने माना।

चंद्रपुर. माहेश्वरी महिला मंडल ने गणगौर पर्व धूमधाम से मनाया। इस पर्व के उपलक्ष्य में गीत गुंजन प्रतियोगिता रखी गई। दातुन के फल से गहने बनाने में कंचन भूतड़ा, रूपा पनपालिया व ट्विंकल राठी को पुरस्कृत किया गया। गुड़ी पड़वा के दिन गणगौर के सिंजारे के अवसर पर लक्ष्मीनारायण मंदिर से रैली का आयोजन किया गया। गीत व नृत्य कर महिलाओं ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। अतिथि निर्मला-ओमप्रकाश जाजू थीं। श्यामल जाजू, शील राठी, दुर्गा सारड़ा, मोनिका सोमानी, किरण चांडक, दीपा जाजू, पूजा मूंधड़ा, पायल सारडा, पूजा माहेश्वरी, राधा सोनी, कविता लोहिया, स्वाति माहेश्वरी, राधा भट्टड़, राधिका सोमानी, रक्षा नावंधर, आरती चांडक ने कार्यक्रम को सफल बनाया। माहेश्वरी युवक मंडल का कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा।

सागर. माहेश्वरी महिला मंडल नगर सागर द्वारा अध्यक्ष हेमा जैथलिया के नेतृत्व में गणगौर पूजा व व्रत के सामूहिक उद्यापन का आयोजन किया गया। शहर के राघवजी मंदिर में यह पूजन किया गया। आटे से बने गहने गणगौर माताजी को पहनाये गये। इसमें समस्त पदाधिकारियों व सदस्याओं का सहयोग रहा। यह जानकारी सचिव ममता चाँडक ने दी।

मालेगांव. महालक्ष्मी माहेश्वरी महिला मंडल के गणगौर उत्सव में छोटी बच्चियों का लेझीम व महिलाओं का घूमर शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण रहा। कम्प सिंजारा के इस कार्यक्रम में नंदा पोरवाल द्वारा सोलह श्रृंगार थीम पर गेम्स आयोजित किए गए। पारितोषिक नंदा व सरला सारडा ने स्पांसर किए। अल्पाहार सुशीला पुंगलिया, कल्पना करवा, विजया कलंत्री, संध्या काकाणी, सीमा राठी का सहयोग रहा। शमा जाजू, किरण जाजू, वंदना जाजू, शारदा लाहोटी, बीना भंडारी का कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान रहा। आभार मंडल अध्यक्ष सरिता बाहेती ने माना।

बीकानेर. श्री माहेश्वरी महिला समिति द्वारा गणगौर महोत्सव 2017 स्थानीय नृसिंह भवन में सांस्कृतिक झलकियों के साथ सम्पन्न हुआ। समिति संरक्षिका किरण झँवर व मंत्री कंचन राठी ने बताया कि मुख्य अतिथि समाजसेवी सुशीलादेवी झँवर थीं। अध्यक्षता लता मूंधड़ा ने की। परामर्श मंत्री रेखा लोहिया ने बताया कि कोलार्ज (वार्षिक हिंदू पर्व), क्विज, सास-बहू संवाद, राजस्थानी लोकनृत्य आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। समिति अध्यक्ष अंजलि झँवर, उपाध्यक्ष चंद्रकला कोठारी व संरक्षिका सरला लोहिया ने बताया कि इस अवसर पर माहेश्वरी समाज की गणगौर सवारी निकाली गई। कार्यक्रम का सफल संचालन पवन राठी मंत्री बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन व शिल्पा मोहता ने संयुक्त रूप से किया।

ज्यादा कुछ नहीं बदलता
उम्र बढ़ने के साथ
बस....बचपन की जिद समझौतों
में बदल जाती है।

इंदौर। संस्था श्री माहेश्वरी मेड़ता थोक का वार्षिक स्नेह सम्मेलन गणगौर उत्सव एवं सम्मान समारोह राजेंद्र इनानी अध्यक्ष पश्चिमांचल म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के मुख्य आतिथ्य एवं पुष्पकुमार माहेश्वरी मंत्री पश्चिमांचल म.प्र. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के विशेष आतिथ्य में आयोजित किया गया। महेश वंदना ममता माहेश्वरी व खुशबू जाजू द्वारा प्रस्तुत की गई। अतिथि स्वागत संस्था अध्यक्ष बालकिशन झंवर एवं बलदेवदास जाजू द्वारा किया गया। इस अवसर पर थोक के वरिष्ठ सदस्य इंदिरा बालमुकुंद झंवर, लीलादेवी रामगोपाल बजाज, सुशीला गोपालकृष्ण कोठारी, गोविंदनारायण शशिबाला राठी का शॉल-श्रीफल एवं अभिनंदन-पत्र द्वारा सम्मान किया गया।

बरकतपुरा. स्थानीय महिला मंडल द्वारा गणगौर उत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आयोजित हुआ। शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए श्याम बाबा मंदिर पहुंची। इसका विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया। संगीता भूतड़ा, अरुणा डागा, सरला सोनी, श्रीदेवी बंग, चंदा असावा सहित समस्त सदस्याओं का योगदान रहा।

जोधपुर। जिला माहेश्वरी महिला मंडल जोधपुर की ओर से गणगौर धूम-2017 का आयोजन हुआ। रातानाडा माहेश्वरी भवन में आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में तीजणियों के समूह आकर्षक वेशभूषा में पहुंचे। सर्वश्रेष्ठ श्रृंगार कर पहुंचने वाली तीजणियों को मुख्य अतिथि जॉयन्ट्स ग्रुप ऑफ जोधपुर महिला शक्ति उपाध्यक्ष आनंद भूतड़ा, ज्योति मालानी, पूर्णिमा लोहिया व बसंती सोनी, महिला संगठन की अध्यक्ष प्रभा वैद्य, पश्चिमांचल राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष ममता मोदानी (भीलवाड़ा)व माहेश्वरी समाज के मंत्री दामोदर बंग ने स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। सभागार में बेस्ट गवर ईसर पुरस्कार सुषमा धूत व श्रुति राठी की जोड़ी को दिया गया। बेस्ट घुड़ला प्रतियोगिता में किरण मानधना, बेस्ट पारम्परिक गवर गीतों में कमला नेहरू नगर तथा बेस्ट गवर प्रतियोगिता में संतोष गांधी व प्रीति विजेता रही। संगठन की पूर्व अध्यक्ष व कार्यक्रम प्रमुख उमा बिड़ला के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में संगठन सचिव अरुणा तापड़िया, कोषाध्यक्ष शिवकन्या धूत, संगठन मंत्री आशा फोफलिया, ज्योति बिड़ला, प्रेरणा मंत्री, मोनिका सोनी, विमला गट्टानी, पूर्णिमा काबरा, नीलू भूतड़ा सहित बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं ने भागीदारी की।

जोधपुर. पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत जोधपुर शहर में गणगौर पर्व मनाया गया। शहर माहेश्वरी महिला मंडल (पश्मिची क्षेत्र) की अध्यक्ष नीलम भूतड़ा ने बताया कि 51 सदस्याओं का सामूहिक उद्यापन कराया गया व कई प्रतियोगिताएँ रखी गईं। इस कार्यक्रम में दक्षिणी क्षेत्र महिला मंडल भी भागीदार रहा। दोनों क्षेत्रों की सचिव सुनीता जैसलमेरिया व रुचि राठी ने बताया कि राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री (पश्चिमांचल) डॉ. फूलकौर मूंदड़ा व राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य रामेश्वरी भूतड़ा की उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। गणगौर की लौटियाँ यात्रा निकाली गई व ईसर गणगौर के 21 जोड़ों को बिठाकर सामूहिक पूजन किया गया। 1100 महिलाओं ने एक साथ गणगौरी तीज व्रत का पारायण किया। समारोह में जिलाध्यक्ष प्रभा वेद, जिला सचिव अरुणा तापड़िया, मधु समदानी, अलका जौहरी, मधु पुंगलिया, विजयलक्ष्मी भूतड़ा, संजू राठी, प्रमिला वेद, रेणु मोदी सहित समाज के सभी गणमान्य लोग मौजूद थे।

इसामिया बाजार. राजस्थानी महिला संगठन इसामिया बाजार ने गणगौर पर्व धूमधाम से मनाया। तंबोला के विजेता को चतुर्भुज ज्वेलर्स की ओर से सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। अध्यक्ष सुमन लोया, उपाध्यक्ष सुधा लाहोटी, मंत्री संगीता, सहमंत्री किरण राठी, कोषाध्यक्ष संगीत मालाणी, सहकोषाध्यक्ष भाग्यश्री भट्टड़ सहित सदस्याएं मौजूद थीं।

सनावद. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर पर्व एवं सिंजारा का आयोजन सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, तंबोला, पानपूजा डेकोरेशन प्रतियोगिता आदि के साथ किया गया। समस्त पदाधिकारियों द्वारा गणगौर नृत्य प्रस्तुत किया गया। खरगोन जिलाध्यक्ष स्मिता बियाणी आदि अतिथि के रूप में मौजूद थीं। इस कार्यक्रम में प्रमिला मंत्री, वंदना अजमेरा, रश्मि राठी एवं ललिता मंत्री आदि का विशेष सहयोग रहा।

जैसे लोगों के साथ आप रहेंगे
भविष्य भी आपका ऐसा ही हो जाएगा।

■ **बैंगलोर.** 'गणगौर का सिंजारा' का महिला मंडल ने स्थानीय माहेशवरी भवन में आयोजन किया। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस बार में वयोवृद्ध सम्मान मथुरादेवी चांडक का कांता काबरा, सुशीला बागड़ी, प्रकाश मूंदड़ा ने श्रीफल व शोल ओढ़ाकर सम्मान किया। विधिवत कार्यक्रम की शुरुआत गौरजी ईशर की पूजा से महिला मंडल की अध्यक्ष सुशीला बागड़ी, दक्षिणांचल की सहसचिव प्रकाश मूंदड़ा, कृष्ण डागा, सुशीला राठी आदि ने की। इस अवसर पर हर्षोल्लास के साथ अनेक स्पर्धाएँ हुईं। विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ स्वच्छ भारत अभियान के तहत वन टाइम यूज होने वाले प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की जीरो वेस्ट प्रोग्राम की प्रस्तुति शोभा रांदड ने दी।

■ **गुलबर्गा.** स्थानीय समाज की महिलाओं ने उषाबाई-ओमप्रकाश सिंगी के यहाँ गणगौर उत्सव धूमधाम से मनाया। भव्य शोभायात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए शिव मंदिर पहुँचकर सम्पन्न हुई। इस दौरान महिलाओं ने गीत गाये और नृत्य किया।

■ **पुणे.** श्री माहेश्वरी बालाजी महिला मंडल की ओर से गणगौर शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत संस्था कार्यालय में 10 उद्यापन तथा सूरज रोज के 7 उद्यापन कार्यक्रम आयोजित हुए। अध्यक्ष शकुंतला फोफलिया के नेतृत्व में समस्त कार्यकारिणी सदस्याओं का विशेष योगदान रहा। उक्त जानकारी महिला अध्यक्ष शकुंतला फोफलिया तथा कोषाध्यक्ष नंदा भट्टड़ ने दी।

■ **सूरत।** माहेश्वरी महिला मंडल (मेन) द्वारा गत 17 मार्च को गणगौर उत्सव मनाया गया। इसमें 'यादो के झरोखों से' कार्यक्रम में दूरदर्शन के माध्यम से सुनहरे अतीत को दर्शाया गया। यह कार्यक्रम सिटी लाईट स्थित माहेश्वरी भवन में रखा गया। लगभग 600 महिलाओं ने अल्पाहार के साथ गणगौर सिंजारे का आनंद लिया।

■ **अमरावती।** श्री बीकानेरी माहेश्वरी सामाजिक मंडल व महिला मंडल ने परम्परागत तरीके से दो दिवसीय गणगौर महोत्सव मनाया। प्रथम दिन संगीतमय गणगौर गीत व एक नाटिका प्रस्तुत की गई। दूसरे दिन गवरजा माता की गोठ का सभी ने सपरिवार आनंद लिया। बाल कलाकारों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. घनश्याम बाहेती व राधिका दम्माणी थीं।

■ **छिंदवाड़ा.** माहेश्वरी महिला मंडल छिंदवाड़ा की अध्यक्षा संगीता राजकुमार राठी ने बताया कि मंडल के तत्वावधान में माहेश्वरी भवन में 10 सामूहिक उद्यापन करवाए गए। सचिव अर्चना चांडक ने बताया कि शोभायात्रा का स्वागत मेन रोड पर राजकुमार राठी द्वारा ठंडा पिलाकर किया गया। गणगौर की गोठ का आयोजन समाज के सभी सदस्यों के लिए रखा गया। ममता मालपानी, अलका जाखोटिया, उषा राठी, छाया गाँधी, संगीता राठी, अरुणा राठी, अर्चना चांडक, रीता राठी, शुचिता राठी, शारदा परवाल, उषा डागा, अल्पना मैया, कुंजबाला काबरा सहित समस्य सदस्याओं और सभी संगठनों का सहयोग रहा।

अभिषेक बने चिकित्सक

मोडासा (गुजरात)। समाज सदस्य रामचंद्र-कंचनदेवी ईनाणी के सुप्रोत्र एवं दिनेशचंद्र मंजूदेवी ईनाणी के सुपुत्र अभिषेक ईनानी ने गीतांजलि मेडिकल कॉलेज उदयपुर से एम.बी.बी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

श्रुति को 92 प्रतिशत अंक

वरंगल. समाज सदस्य लक्ष्मीकांत सोनी की सुपुत्री श्रुति सोनी ने इंटरमीडिटएट की परीक्षा 92 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

दर्शित ने किया एमबीए

मालेगाँव. समाज सदस्य हरिप्रसाद जाजू के सुपुत्र दर्शित ने आईआईएम अहमदाबाद से मार्च 2017 में एमबीए उत्तीर्ण किया है। वे वर्तमान में आदित्य बिरला ग्रुप में जीएम के अंतर्गत कार्यरत हैं। उल्लेखनीय है कि दर्शित वर्ष 2013 में आईआईटी रूडकी से बीटेक कर 2 वर्ष तक पावर ग्रिड कार्पोरेशन में भी सेवा दे चुके हैं।

डॉ. काबरा अमेरिका में प्रोफेसर

इचलकरंजी. समाज सदस्य संतोष काबरा के सुपुत्र डॉ. आशीष काबरा बीआईटीएस पिलानी से इंजीनियरिंग और नो इनसाइड बिजनेस फ्रांस से व्यवसाय व्यवस्थापन में पीएचडी पूर्ण कर चुके है वर्तमान में उनका यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड, वाशिंगटन डीसी में प्रोफेसर पद पर चयन हुआ है। उल्लेखनीय है कि मैथ्य औलम्पियाड में राष्ट्रीय स्तर पर भी उन्हें अवॉर्ड मिल चुका है।

मानधना को प्रथम स्थान

बालोतरा. बाड़मेर जिले में आयोजित हुई 61वीं जिलास्तरीय टेबल टेनिस अंडर-17 स्पर्धा में 15 वर्षीय शुभम मानधना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके बाद शुभम ने राज्यस्तरीय स्पर्धा में भी बाड़मेर का नेतृत्व किया। शुभम बालोतरा के व्यवसायी रामचंद्र मानधना व स्थानीय महिला मंडल अध्यक्ष स्वाति मानधना के सुपुत्र हैं। हर क्षेत्र में अव्वल होने के कारण उन्हें 'सर्वश्रेष्ठ छात्र' के पुरस्कार से भी नवाजा गया है।

निकिता बनीं सीए

अमृतसर. गंगाशहर (बीकानेर) निवासी शंकरलाल बाहेती की सुपौत्री एवं प्रदीप-स्नेहलता बाहेती की सुपुत्री निकिता ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111

E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई-मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई-फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट (अध्यक्ष)
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया (महामंत्री)
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड (कोषाध्यक्ष)
मो. 094142-12835

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website

www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

''संकल्प'' के साथ महिला संगठन की सेवा यात्रा प्रारंभ

राष्ट्रीय अध्यक्ष गगडानी ने अपनी कार्यकारिणी के साथ भगवान महाकालेश्वर को साक्षी मान ली अपने पद की शपथ

उज्जैन (SMT टीम). अभा माहेश्वरी महिला संगठन के नवीन एकादश सत्र की शुरुआत ऐतिहासिक रूप से हुई। इसमें सर्वप्रथम ''जल बचाओ'' सहित सेवा का संकल्प लिया गया और फिर भूतभावन महाकालेश्वर को साक्षी मानकर समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के साथ अध्यक्ष कल्पना गगडानी ने अपने पद का संकल्प ग्रहण किया। इसका आयोजन पश्चिमी मप्र माहेश्वरी महिला संगठन के संयोजन तथा उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला मंडल के आतिथ्य में हुआ।

अभा माहेश्वरी महिला संगठन के नवीन एकादश सत्र की प्रथम बैठक ''संकल्प'' का द्वि दिवसीय आयोजन गत 8 व 9 अप्रैल को भगवान भूतभावन श्री महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में हुआ। माहेश्वरी महिला संगठन ''सर्वे भवन्तुः सुखिनः'' के सिद्धांत को आधार मानकर अपनी शाखाओं, अंचल, प्रदेश, जिला, तहसील, गांव के माध्यम से पूरे भारत वर्ष, नेपाल व बांग्लादेश में विभिन्न सेवा प्रकल्प संचालित करता रहा है। विगत 20 वर्ष पूर्व बेटी बचाओ की मुहिम छेड़ी थी, जिसे इतनी सफलता मिली की शासन ने भी अपना लिया। व्यक्ति, समाज, देश एवं मानवता के हित में 'जल बचाओ', स्वच्छ नदियां, नदी जोड़ो, गाय-गंगा-ग्रामीण आदि अनेकानेक कार्यक्रम संचालित किये गये हैं। इसी शृंखला में इस सर्वप्रथम बैठक के प्रथम दिवस 8 अप्रैल शाम उज्जैन के रामघाट पर 'जल ही अमृत है' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जल संरक्षण का संकल्प तो लिया ही गया, पुण्य सलिला माँ क्षिप्रा की शुद्धि का संकल्प भी उसकी महिमा गान के साथ लिया गया।

अपने नवीन एकादश सत्र में नवीन पदाधिकारियों ने अपने पद की शपथ नहीं ली बल्कि सेवा का संकल्प लिया और वह भी भगवान श्री महाकालेश्वर को साक्षी मानकर। ''संकल्प'' महिलाओं को सशक्त बनाकर उनके सर्वांगीण विकास का, जिसकी रूपरेखा संगठन पूरी तरह तैयार भी कर चुका है।

सुबह हो गई सत्र की शुरुआत

प्रदेश सचिव वीणा सोमानी ने बताया कि बैठक का प्रथम सत्र 8 अप्रैल प्रातः 11.30 आरंभ हुआ। मालवा संस्कृति को दर्शाती हस्त निर्मित कलाकृतियों से सुसज्जित मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान उमा महेश की वंदना से हुआ। जिसे स्वर रश्मि बजाज, मंगला बांगड़, लेखा लड्ढा, लता भंडरी एवं सरोज परवाल ने दिये। प्रदेशाध्यक्ष अरुणा बाहेती ने सभी आंगतुकों का स्वागत किया। राष्ट्रीय पदाधिकारी मनोरमा लड्ढा, लता लाहोटी, गीता मूंदड़ा, विमला साबू, शोभा सादानी भी उपस्थित थीं। स्वागत अध्यक्ष सरस्वती सारड़ा थीं। स्वागत मंत्री उषा सोडानी ने बेटा एवं बेटी को उच्च शिक्षा के साथ सुसंस्कृत करने का निवेदन किया। उज्जैन जिलाध्यक्ष कृष्णा जाजू ने मालवी भाषा की सुंदर कविता द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी, राष्ट्रीय महामंत्री आशा माहेश्वरी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम संयोजक सुमन सारडा ने सभी अतिथियों का आभार माना।

अतिथियों ने भी की सराहना

8 अप्रैल शाम 6.30 बजे क्षिप्रा तट पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश के ऊर्जा मंत्री पारस जैन ने अपने संबोधन में माहेश्वरी समाज की सेवाओं की विशेष रूप से प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि स्वयं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान भी इसी तर्ज पर "नर्मदा बचाओ" के तहत "नमामि देवी नर्मदे" यात्रा चला रहे हैं। उन्होंने सभी से अपने जन्मदिवस पर पौधारोपण की अपील भी की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अंबेडकर पीठ के आचार्य डॉ. शैलेंद्र पाराशर ने पौराणिक तथ्यों के आधार पर क्षिप्रा तथा उज्जैन के महत्व को व्यक्त किया। विशेष अतिथि के रूप में उद्योगपति रोहित सोमानी, जयप्रकाश राठी व श्री माहेश्वरी टाईम्स के सम्पादक पुष्कर बाहेती उपस्थित थे। अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रो. कल्पना गगडानी ने अपने "संकल्प" के औचित्य पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर देशभर में आईं 750 से अधिक सदस्याएँ मौजूद थीं।

महाआरती के साथ ओढ़ाई चुनरी

इस अवसर पर क्षिप्रा संरक्षण के संकल्प के साथ समस्त सदस्याओं ने माँ क्षिप्रा की विधि-विधान के साथ महाआरती की और फिर माँ क्षिप्रा को चुनड़ी ओढ़ाई गई। आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में समस्त अंचलों की चयनित टीमों द्वारा माँ क्षिप्रा के महात्म्य पर आधारित स्वरचित गीतों की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। इसमें प्रथम पूर्वांचल, द्वितीय दक्षिणांचल, तृतीय मध्यांचल तथा प्रोत्साहन पुरस्कार पश्चिमांचल एवं उत्तरांचल को दिये गये। जिसने भी इसे देखा वह माहेश्वरी महिलाओं की भावनाओं को नमन किये बिना नहीं रहा। इसके पश्चात मालवांचल की संस्कृति से परिचित करवाने के लिये उज्जैन जिला माहेश्वरी संगठन की ओर से यहाँ के 16 दिवसीय पर्व संझा पर केंद्रित नृत्य नाटिका की सुंदर प्रस्तुति चेतना पंड्या के निर्देशन में दी गई।

भगवान महाकालेश्वर के आशीर्वाद से की शुरुआत

अगले दिन 9 अप्रैल को संगठन के एकादश सत्र की प्रथम बैठक 'संकल्प' का आयोजन माधव सेवा न्यास द्वारा संचालित 'भक्त निवास' में हुआ। सर्वप्रथम श्रीमती गगडानी के नेतृत्व में समस्त सदस्याएँ प्रातः सामूहिक रूप से श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुँची। वहाँ पूजा-अर्चना व अभिषेक कर भगवान भूतभावन का आशीर्वाद लिया और फिर कोटितीर्थ के जल कलश के साथ शोभायात्रा 'भक्त निवास' पहुँची, जहाँ स्थानीय संगठन के साथ श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार की ओर से शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

इस तरह हुआ शुभारंभ

बैठक "संकल्प" के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री पारस जैन तथा अभा माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी, विशेष अतिथि के रूप में पूर्व विधायक शिवा कोटवानी, विक्रम विवि के पूर्व कुलपति डॉ. रामराजेश मिश्र, अंबेडकर पीठ आचार्य डॉ. शैलेंद्र पाराशर, सिख समाज के प्रमुख सुरेंद्रसिंह अरोरा, रामअवतार जाजू, महेन्द्र काबरा मुम्बई, प्रकाश रघुवंशी, पश्चिमी मप्र प्रादेशिक सभा अध्यक्ष राजेंद्र ईनानी आदि मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती गगडानी ने की। दीप प्रज्ज्वलन व महेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सर्वप्रथम शुभारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत अत्यंत ही मनभावन ढंग से नृत्य संगीत के साथ महिलाओं द्वारा शिव वंदना की प्रस्तुति दी गई। मंच पर इसकी प्रस्तुति हो रही थी और साथ ही एलईडी पर इसकी पौराणिक कथा भी फिल्म के रूप में प्रदर्शित की जा रही थी। एक नन्हीं सी बालिका के नृत्य से ऊर्जा मंत्री श्री जैन इतने प्रभावित हुए कि अपनी ओर से उसे पुरस्कृत किये बिना नहीं रहे। इस अवसर पर सी.ए. सुशील माहेश्वरी मुम्बई, संयुक्त मंत्री महासभा सज्जन मोहता, कार्यसमिति सदस्य राधाकिशन सोमानी, उत्तरांचल उपसभापति अशोक माहेश्वरी, शरद गगरानी आदि उपस्थित थे। अग्रिम पंक्ति में विराजित पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं शहर के गणमान्यजनों का स्वागत कार्यक्रम मार्गदर्शक गीता मूंदड़ा, शोभा माहेश्वरी, ललिता मालपानी, उर्मिला झँवर, मंजू भलिका व हेमा मोहता ने किया।

स्नेह की महक से अभिनंदन

अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. मिश्र, डॉ. पाराशर, श्री अरोरा, श्री कोटवानी व रघुवंशी, अध्यक्ष श्रीमती गगडानी के कॉलेज के दिनों के साथी रहे हैं। अतः उन्हें माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपने बीच पाकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। 51 किलो के फूलों का हार पहनाकर उन्होंने श्रीमती गगडानी का अभिनंदन किया तथा श्री अरोरा ने अपनी परम्परानुसार सिख समाज के प्रतीक स्वरूप उन्हें तलवार भेंट की साथ ही कॉलेज की स्मृति भी ताजा की। उनके आग्रह पर श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती भी उनके साथ उपस्थित थे। पश्चिमी मप्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राजेंद्र ईनानी, मंत्री पुष्प माहेश्वरी तथा उज्जैन जिलाध्यक्ष वासुदेव काबरा ने भी श्रीमती गगडानी का अभिनंदन किया। स्वागत भाषण सरस्वती सारडा (इंदौर) तथा पश्चिमी मप्र संगठन अध्यक्ष अरुणा बाहेती व प्रदेश सचिव वीणा सोमानी के द्वारा दिया गया। समस्त अतिथियों का स्मृति चिह्न भेंटकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम संचालन नम्रता बियानी (इंदौर) व विभा राठी, मुम्बई ने किया।

हाईटेक ढंग से कार्ययोजना का प्रदर्शन

इस आयोजन में महिला संगठन भी पूर्णतः हाईटेक नजर आया। महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए महिला संगठन ने अपनी कार्ययोजना तैयार की है। संगठन ने एक वेबसाइट भी बनाई है जिसमें 21 प्रदेशों की कार्ययोजना प्रदर्शित है। इस सम्पूर्ण कार्ययोजना का फिल्म के रूप में एलईडी स्क्रीन पर प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शन की वहाँ उपस्थित समस्त अतिथियों ने भी सराहना की। वेबसाईट एवं प्रोमो संचारिका समिति प्रमुख उर्मिला कलंत्री के अथक प्रयासों का परिणाम था। सभी ने कहा कि फिल्म के रूप में प्रदर्शन से ये सभी अमिट रूप से स्मृति पटल पर अंकित हो जाएँगे। राष्ट्रीय सचिव आशा माहेश्वरी ने अपने संबोधन में अपनी कार्ययोजना को स्पष्ट करते हुए बताया कि आम समस्या युवा वर्ग के संगठन से दूर होने की होती है, लेकिन हमने युवा वर्ग को संगठन से जोड़ा है। विशेष रूप से इसके लिये आयडी प्रूफ के साथ आवेदन लेकर सदस्यता प्रदान की गई। इसका नतीजा यह है कि कुल सदस्याओं में 30 प्रतिशत युवा महिलाएँ शामिल हैं। इस अवसर पर संचारिका, सुकृत्या एवं सुरम्या समिति द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

बैनर प्रजेंटेशन से विकास की रूपरेखा

संगठन ने महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिये 11 विशिष्ट समितियों का गठन किया है। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के एकादश सत्र की प्रथम कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक के लिए तीन महीने से तैयारियाँ चल रही थीं। लगातार बैठक के बाद 11 समितियों को अंतिम रूप दिया गया। इन समितियों की जिम्मेदारी व इनके कार्यों को फिल्म में तो प्रदर्शित किया ही गया साथ ही आयोजन स्थल पर भी इन्होंने अपनी कार्ययोजना का नाटकीय ढंग से प्रदर्शन किया। इस बैनर प्रजेंटेशन में संचारिका समिति की संयोजक उर्मिला कलंत्री की अहम भूमिका रही। इसमें प्रत्येक समिति के 7 सदस्यीय दल ने संयोजिका के नेतृत्व में अपने कार्यों के अनुरूप वेशभूषा धारण की तथा फिर उस विशाल हॉल में वे अपने उद्देश्यों को बैनर तथा नारों के द्वारा प्रदर्शित करती हुईं मंच पर पहुँची। यह समितियों का अद्‌भुत प्रदर्शन प्रभावित किये बिना न रहा। समिति प्रभारी शोभा सादानी, दीपाली सोमानी व कृष्णा जाजू की भी इसमें अहम भूमिका रही। इनके साथ माहेश्वरी महिला सेवा ट्रस्ट व एमएम ब्रांड का बैनर प्रजेंटेशन भी हुआ।

11 समितियाँ बनेगी सेवा के 11 हाथ

सुरम्या (पर्यटन)

ये करेगी - बालक-बालिकाओं, युवतियों को समाज से जोड़ने की दिशा में एक नया प्रयोग। तुलनात्मक, कम खर्चिले लेकिन ज्ञानवर्धक ढंग से, संस्कारवान बनाना।

ऐसे करेगी- प्रभारी निशा लड्ढा के नेतृत्व में एक, तीन, सात व पंद्रह दिवसीय पर्यटन कार्यक्रम बनाकर।

सुरभि (सांस्कृतिक संवर्धन)

ये करेगी-

बाल संस्कार, किशोरी विकास, उत्तम अभिभावक, आनंदमयी जीवन संध्या के लिए सामाजिक दायित्व संवरणा एवं समयानुकूल परिवर्तन परिवर्धन।

ऐसे करेगी- प्रभारी प्रेमा झँवर के नेतृत्व में युवाओं और महिलाओं को विभिन्न संस्कृतियों से अवगत कराकर।

सुचिता (आध्यात्म एवं स्वाध्याय)

ये करेगी- धार्मिक आचरणों का महत्व, धर्मग्रंथों का पारायण, धार्मिक कृत्य, धर्म एवं अंधभक्ति के अंतर को समझाना, धर्म की श्रेष्ठ मान्यताओं से युवा पीढ़ी को परिचित करवाना।

ऐसे करेगी- प्रभारी कलावती जाजू के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रम, यात्रा, क्विज स्पर्धा एवं पठन-सामग्री की मदद से।

सुश्रीता (महिला दिवस)

ये करेगी-

शत-प्रतिशत उच्च शिक्षा, रोजगार, व्यावसायिक दक्षता, आर्थिक आत्मनिर्भरता, व्यवसाय के लिए महिला द्वारा महिलाओं की मदद।

ऐसे करेगी- प्रभारी गिरजा सारडा के नेतृत्व में अलग-अलग पाठ्यक्रमों की मदद से महिलाओं को जोड़कर।

सुषमा (राष्ट्रीय योगदान)

▸▸ ये करेगी-

श्रेष्ठ नागरिक के रूप में अपनी राष्ट्रीय जवाबदारियों को समझना, राष्ट्रीय समस्याओं के निवारण में अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना।

▸▸ ऐसे करेगी- प्रभारी कमला मोहता के नेतृत्व में युवाओं में राष्ट्र प्रेम एवं राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत कर।

सुगंधा (ग्राम विकास)

▸▸ ये करेगी-

गांवों में बसी माहेश्वरी महिलाओं का संपूर्ण विकास, उनकी हर तरह से सहायता कर उनके स्तर को ऊंचा उठाने का प्रयास किया जाएगा।

▸▸ ऐसे करेगी- प्रभारी पुष्पा तोषनीवाल के नेतृत्व में अपने आसपास के गांवों में बसी महिलाओं, बच्चों व अनाथों को ढूंढकर।

सुलेखा (सामाजिक मनन चिंतन)

▸▸ ये करेगी-

ये सामाजिक क्षेत्र में चिंतन/मनन को आगे बढ़ाएंगी ताकि महिलाओं का मानसिक विकास हो और उनके ज्ञान का विस्तार हो।

▸▸ ऐसे करेगी- प्रभारी मंजू मानधन्या के नेतृत्व में अपनी पत्रिका के हर अंक में इस विषय पर लेख, निबंध, कहानी के जरिये।

संवरणा (विवाह संबंध)

▸▸ ये करेगी-

विवाह संबंध के लिए बायोडाटा कलेक्शन, वितरण, परिचय सम्मेलन, सामूहिक विवाह का आयोजन, अंतर्जातीय एकल व महंगे विवाह रोकने के लिए वर्कशॉप।

▸▸ ऐसे करेगी- प्रभारी निर्मला बाहेती के नेतृत्व में विवाह योग्य युवक-युवतियों के बारे में जानकारी एकत्र करके।

सौष्ठा (स्वास्थ्य एवं खेल)

▸▸ ये करेगी-

स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता, स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी, स्थानीय स्तरों पर मितव्ययी स्वास्थ्य शिविर, संपूर्ण चेकअप एवं लॉजिस्टिक डाटा प्राप्त करना।

▸▸ ऐसे करेगी - प्रभारी शोभा भदादा के नेतृत्व में महिलाओं के स्वास्थ्य पर विचार-विमर्श के साथ जनजागरण करके।

सुकीर्ति (प्रतिभा विकास)

▸▸ ये करेगी-

बाल अधिवेशन, युवा खेल अधिवेशन के साथ राष्ट्रीय महाअधिवेशन का आयोजन कर बालिकाओं, किशोरियों और महिलाओं को सशक्त करना।

▸▸ ऐसे करेगी- प्रभारी सोनाली मूंदड़ा के नेतृत्व में समय-समय पर प्रतियोगिता, कार्यशाला, डिफेंस वर्कशॉप आयोजित कर।

संचारिका (प्रचार-प्रसार)

▸▸ये करेगी -

टेक्नोलॉजी का उपयोग कर पेपर लेस वर्क, मेल, संचार, वाट्सअप से हर स्थानीय महिला सदस्य से जुड़ना। हरसंभव मदद करना।

▸▸ऐसे करेगी-प्रभारी उर्मिला कलंत्री के नेतृत्व में फेसबुक पेज, बेवसाइट और वाट्सअप ग्रुप बनाकर महिलाओं को लगातार अपडेट कर।

महिलाओं ने अपने कलात्मक अभिव्यक्ति के अन्तर्गत क्षिप्रा तट पर संझा गीत तथा 'भक्त निवास' के हॉल में शिव महिला की नृत्य के साथ अद्भुत प्रस्तुति दी, तो अतिथि भी अभिभूत हो गये।

महिलाओं के विकास के लिए फंड

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अभा माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी ने महिला संगठन द्वारा की गई अपनी योजनाओं की डिजिटल प्रस्तुति की प्रशंसा की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि गत दिवस इंदौर में आयोजित बैठक में महासभा द्वारा महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिये प्रारंभिक राशि 11 करोड़ से ट्रस्ट का गठन किया है, जो उनके सशक्तीकरण के लिये कार्य करेगा। इसके साथ ही उन्होंने अपील की कि महिला और युवा संगठन भी महासभा के साथ सामंजस्य से अपने कार्यक्रम तय करें, जिससे सभी का पूर्ण लाभ समाज को मिल सके। उन्होंने अपने सम्बोधन में स्वागत की परम्परा से दूर रहने की भी अपील की।

ढाई मिनिट में अध्यक्षीय सम्बोधन

गुरु और गोविंद को नमन करते हुए अध्यक्षीय उद्‌बोधन की बारी आई तो श्रीमती गगडानी ने मात्र ढाई मिनट का उद्‌बोधन देते हुए कहा कि अब हम नहीं, हमारा काम बोलेगा। उन्होंने इस आयोजन में हुए सम्मान को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह सम्मान कोई दिखावा नहीं, बल्कि सदस्याओं की कलात्मकता की अभिव्यक्ति है। उनके इस उद्‌बोधन का उपस्थित महिलाओं ने हर्षध्वनि से समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अब बारी कुछ कर दिखाने की है और इसके लिये सभी के साथ जिम्मेदारी की जरूरत है।

प्रतिभा सम्पन्न समाज

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विक्रम विवि के पूर्व कुलपति डॉ. रामराजेश मिश्र ने कहा कि माहेश्वरी समाज विशेष प्रतिभा सम्पन्न समाज है। इसी समाज के कई विद्यार्थियों ने विक्रम विवि का गौरव भी बढ़ाया है। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश आर.सी. लाहोटी भी इस विवि की प्रथम बैच के विद्यार्थी थे। उन्हें विवि द्वारा अपनी 50वीं वर्षगाँठ के अवसर पर बेस्ट स्टूडेंट के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था और फिर उन्हें मानद डीलिट् की उपाधि प्रदान करके भी विवि गौरवान्वित हुआ है। इसी प्रकार श्रीमती गगडानी भी विक्रम विवि की छात्रसंघ अध्यक्ष रही हैं और शिक्षा जगत में एक विदुषी के रूप में विवि का गौरव बढ़ाया है। मैंने स्वयं ने यूथ फेस्टिवल में उनके हस्ताक्षर से युक्त प्रमाण-पत्र लिया था।

आधुनिक तकनीक से मार्केटिंग

बैठक में लिये गए निर्णयानुसार समाज की जो महिलाएँ छोटे-मोटा उद्यम कर रही हैं, उन्हें आर्थिक मदद देकर आगे बढ़ाएँगे। जो कुछ नहीं कर रहीं उन्हें प्रशिक्षण और नई तकनीकी सिखाकर रोजगार से जोड़ेंगे। उनके उत्पादन बेचने के लिए ई-मार्केटिंग की निःशुल्क सुविधा देंगे। उन्हें शिक्षित और स्वावलंबी बनाएंगे। आर्थिक मदद के लिए महिला सेवा ट्रस्ट और एक निजी ट्रस्ट को मिलाकर करीब 25 करोड़ की पूंजी महिलाओं पर निवेश होने की संभावना है। वेबसाइट और एप से समाज से आग्रह करेंगे वे महिलाओं के बनाए उत्पाद खरीदें।

धर्म का भी देंगे ज्ञान

वृंदावन में 14 अगस्त से 10 दिवसीय शिविर लगेगा। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की पारंपरिक भक्ति के साथ महिलाओं को श्रीकृष्ण की शिक्षाओं का ज्ञान भी कराया जाएगा। धर्म हमारे जीवन और व्यवहार को कैसे उन्नत करता है, यह बताएंगे। एक रोलमॉडल की तरह श्रीकृष्ण को प्रस्तुत करेंगे।

नारी का सशक्तीकरण

समस्त स्थानीय संगठन अपने क्षेत्र के कम से कम एक गाँव को गोद लेगा और वहाँ समस्त महिलाओं की शिक्षा तथा उनके स्वावलंबन के लिये कार्य करेंगे।

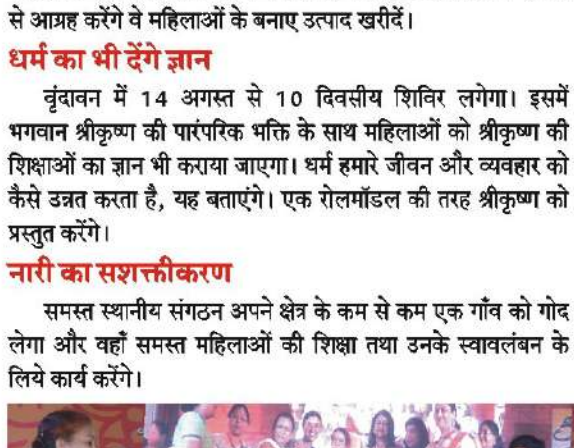

क्यों किया उज्जैन में आयोजन

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती गगडानी ने उज्जैन में संगठन की प्रथम बैठक के आयोजन के प्रश्न का अत्यंत मार्मिक उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि "क्षितिज की ओर" का आरंभ अपनी विद्यास्थली उज्जैन से करने की मानस में प्रबल इच्छा थी। उज्जैन समाज ने इस भावना में रंग भर दिया। मेरी खुशियों का ठिकाना नहीं है क्योंकि जिस शहर ने मुझे बीए, एमए, एलएलबी मेरिट में पास करवाया, जहां पीएचडी का कार्य किया। विक्रम कीर्ति मंदिर का रंगमंच जहां घर सा लगता था, जहाँ मैं विक्रम विवि की प्रेसिडेंट बनीं। यहीं अनेक कार्यों की शपथ ली। इस शहर में बोया कला, ज्ञान और नेतृत्व का बीज महानगरी मुंबई में फला फूला, आच्छादित हुआ, जीवन आनंदमयी बना। उन्हीं भगवान महाकाल के आशीर्वाद से विक्रमादित्य की नगरी में विक्रम संवत के आरंभ में हम महाकालेश्वर के दर्शन कर, कुंडों की नगरी के कुंड के जल से भगवान सूर्य को साक्षी मानकर इस त्रिवार्षिक सत्र के कामों का बीड़ा उठाना चाहते थे।

इन्होंने किया समर्पित आतिथ्य

अभा. माहेश्वरी महिला संगठन की इस बैठक संकल्प के आयोजन की समस्त स्थानीय जिम्मेदारी उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अध्यक्ष कृष्णा जाजू, सचिव हेमा मोहता तथा कोषाध्यक्ष शोभा मूंदड़ा के नेतृत्व में सफलतापूर्वक निभाई गई। इसके लिये यातायात व्यवस्था उषा सोडानी व मनीषा राठी, भोजन व्यवस्था शीला मूंदड़ा, तारा कोठारी व कमला सांवल, आवास व्यवस्था शारदा भंडारी, रेखा लड्ढा, निर्मला, अंजू भलिका, उषा जाजू व लता तोषनीवाल तथा पंजीयन व्यवस्था पुष्पा कोठारी, पुष्पा भलिका व सरोज परवाल ने संभाली। कार्यक्रम संयोजक दीपाली सोमानी थी। कार्यक्रमों के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम विनीता बियानी व समता लखोटिया, महेश वंदना-मंगला बांगड़, लेखा लड्ढा, व सरोज परवाल, स्वागत गीत-रश्मि बजाज व लता भंडारी तथा मंच व्यवस्था आरती सोडानी, सीमा परवाल व चंदा लाहोटी ने संभाली। इसी प्रकार चिकित्सा व्यवस्था की जिम्मेदारी डॉ. अटल के नेतृत्व में सुधा बाहेती तथा मीडिया संपर्क की जिम्मेदारी संतोष सोडानी व संगीता भूतड़ा ने संभाली।

फिर रिश्तों की सौगात लेकर आऐगी श्री माहेश्वरी मेलापक

हजारों रिश्तों को जोड़ने के बाद अब वर्ष 2017 (द्वितीय) की तैयारी

पाठकों की खास मांग पर कुछ वर्षों में वर्ष में दो बार प्रकाशित हो रही विश्वस्तरीय वैवाहिक डायरेक्ट्री "श्री माहेश्वरी मेलापक" का वर्ष 2017 का द्वितीय अंक प्रकाशित होने जा रहा है। हजारों सफल रिश्तों को जोड़ने के बाद "श्री माहेश्वरी मेलापक" फिर आ रही है, आपके द्वार लेकर रिश्तों की सौगात, अपने नवीन अंक के रूप में। यदि इसमें बॉयोडाटा का प्रकाशन चाहते हैं, तो मौका न चूकें।

सतत् गत 7 वर्षों से श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रकाशन समूह "ऋषि-मुनि" द्वारा प्रकाशित माहेश्वरी समाज की विश्वस्तरीय वैवाहिक डायरेक्ट्री "श्री माहेश्वरी मेलापक" हजारों सफल रिश्तों को जोड़ने का एक कीर्तिमान बना चुकी है। इसकी शुरुआत व्यावसायिक व्यस्तताओं के कारण घटते सामाजिक सम्पर्क की स्थिति में एक "मित्र" की तरह सहयोगी बनने की सोच से हुई थी और यह उसमें हमेशा ही खरी उतरी है। उसने इस दौरान श्रेष्ठ प्रत्याशियों की जानकारी आप तक पहुँचाई और श्रेष्ठ रिश्तों को जोड़ने में अपनी अहम भूमिका निभाई, ठीक एक मित्र की तरह। फिर मांग उठी कि इसे वर्ष में कम से कम दो बार प्रकाशित किया जाऐ, जिससे मिल सके बिल्कुल ताजी तात्कालिक जानकारी। पाठकों की भावना का सम्मान करते हुए इसके वर्ष में दो बार प्रकाशन की शुरुआत हुई जो आज भी जारी है। इसी श्रृंखला में प्रकाशित होने जा रही है, श्री माहेश्वरी मेलापक- 2017 (द्वितीय)।

हर वर्ग की आवश्यकता के अनुरूप

जीवन की बगीया तब खुशियों से सराबाोर हो जाती है, जब जीवन साथी मनचाहा हो। इसी को ध्यान रखते हुए किया जाता है, श्री माहेश्वरी मेलापक को तैयार। इसमें सभी बायोडॉटा को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है-"मांगलिक, सामान्य व प्रोफेशनल"। प्रोफेशनल वर्ग में डॉक्टर, इंजीनियर, एम.बी.ए., सी.ए., एडवोकेट, आर्किटेक्ट आदि के बॉयोडाटा को शामिल किया जाता है। विशिष्ट वर्ग में तलाकशुदा, विधवा-विदुर, निःशक्त व 35 वर्ष से अधिक आयु वाले प्रत्याशियों को शामिल किया जाता है। तलाश की सुविधा के लिये इन सभी वर्गों के बॉयोडाटा के पृष्ठों के रंग भी भिन्न रखे गये हैं, जिससे आप जिस वर्ग में तलाश करना चाहते हैं, सीधे उसी वर्ग के पृष्ठों पर जा सकते हैं। बॉयोडाटा में संबंधित की अन्य जानकारी के साथ जन्म दिनांक व जन्म समय भी प्रकाशित किये गये हैं, जिससे आप कुण्डली मिलान भी कर सकते हैं।

बेटियों के बायोडॉटा का निःशुल्क प्रकाशन

गत अंकों की तरह इसमें भी समाज की विवाह योग्य बेटियों के बायोडाटा का योजना "आपकी बेटी-हमारी बेटी" के अंतर्गत निःशुल्क पंजीयन कर उन्हें प्रकाशित किया जाएगा। इसके पीछे "श्री माहेश्वरी मेलापक" का उद्देश्य समाज की बेटियों को स्नेहपूर्ण स्थान देना है। इसमें समाज की बेटियों के बॉयोडाटा के प्रकाशन के लिये उन्हें किसी प्रकार का पंजीयन शुल्क नहीं देना होता है। बस अपने फोटो व पूर्ण जानकारी के साथ बायोडाटा ईमेल srimaheshwarimelapak@gmail.com पर प्रेषित करना होता है।

कैसे करवाऐं पंजीयन

यदि आप भी अपने पुत्र-पुत्री अथवा अपने बॉयोडाटा का प्रकाशन करवाना चाहते हैं, तो शीघ्रता करें। इसके लिये फोटो सहित पूर्ण जानकारी से युक्त बॉयोडॉटा प्रेषित करें। इसके लिये पंजीयन शुल्क 750 रुपये होगा। इस शुल्क में शामिल है, पंजीयन शुल्क 750/- रु. डायरेक्ट्री मूल्य व कुरियर चार्ज भी। बालिकाएँ पंजीयन शुल्क से मुक्त रहेंगी। पंजीयन शुल्क "श्री माहेश्वरी मेलापक" के भारतीय स्टेट बैंक चालू खाता क्रं. 31725815057 में IFSC Code - SBIN0003018 ऑनलाईन जमा किया जा सकता है। शुल्क का चेक/ईमनीऑर्डर, बैंक ड्राफ्ट से भुगतान भी किया जा सकता है। पेमेंट एप Paytm से शुल्क भी स्वीकार होगा।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें -

श्री माहेश्वरी मेलापक

90, विद्या नगर, उज्जैन (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
E_mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

बधाईयां एवं शुभकामनाएं

दिल्ली नगर निगम में समाज की नवनिर्वाचित पार्षदों का

हार्दिक अभिनंदन

कंचन माहेश्वरी
वार्ड क्रमांक–26–ई,कांति नगर

रीना माहेश्वरी
वार्ड क्रमांक–36,अशोक नगर

रेणु जाजू
वार्ड क्रमांक–62,शालिमार बाग

जिन्होंने फहरायी माहेश्वरी समाज की गौरव पताका

समदानी परिवार

मनासा–उज्जैन–देहली

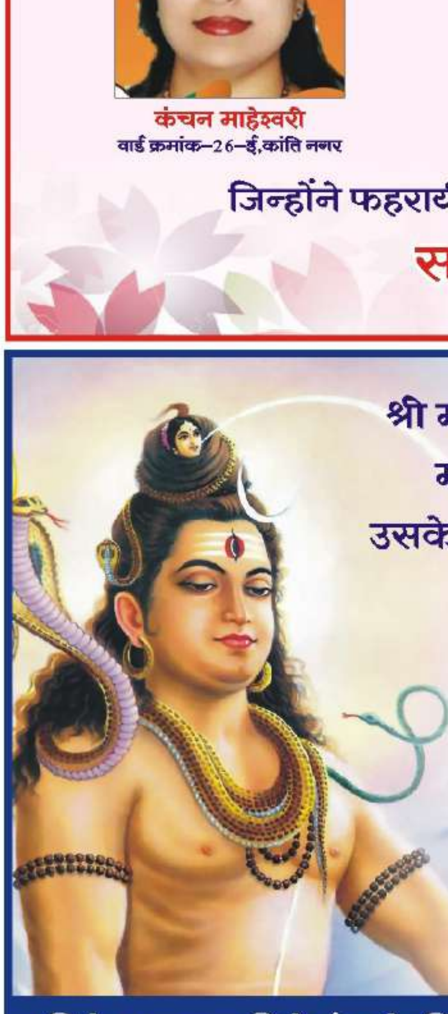

श्री माहेश्वरी टाईम्स का आगामी विशेषांक होगा
माहेश्वरी समाज की गौरवशाली संस्कृति,
उसके इतिहास तथा सेवा गतिविधियों को समर्पित

महेश नवमी विशेषांक

जिसमें होगा समाज के उत्पत्ति पर्व का
अभिनंदन

निवेदन – इस विशेषांक के लिये महासभा, प्रदेश तथा समस्त जिला व स्थानीय संगठनों व गणमान्य समाजजनों से विज्ञापन तथा आलेख आमंत्रित हैं।

सम्पर्क करें
श्री माहेश्वरी टाईम्स
90 विद्या नगर, टेढ़ी खजूर के पीछे, उज्जैन (म.प्र.)
मो. – 94250-91161, 9993270298 Email : smt4news@gmail.com

108 वां श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ कर 36 वर्षों का संकल्प पूर्ण करेंगे स्वामी श्री श्रीकांताचार्य जी महाराज

सत्यनारायण राठी
इन्दौर

रामानुज संप्रदाय के संत रामानुजाचार्य जगदगुरु श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज माहेश्वरी समाज में अत्यंत सम्मानित हैं। जिन्होंने 108 श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ का संकल्प लिया था। यह संकल्प अब पूर्ण होने जा रहा है। इंदौर में आयोजित 108 वें यज्ञ के साथ स्वामीजी अपने 36 वर्ष पूर्व जनकल्याण के लिये निमित्त ग्रहण इस सद्संकल्प की पूर्णाहुति करेंगे।

रामानुज संप्रदाय के उज्जैन पीठाधीश्वर स्वामीजी रामानुजाचार्य जगद्गुरु श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज माहेश्वरी समाज से दीर्घावधि से सतत संपर्क में हैं। न सिर्फ म.प्र. बल्कि देश के कई अन्य प्रदेशों के माहेश्वरी परिवारों की भी स्वामीजी के प्रति अपार श्रद्धा है। इसका प्रमाण यह है कि उज्जैन में निर्मित रामानुज सम्प्रदाय के आश्रम व दिव्य देश का निर्माण भी माहेश्वरी समाज के ही श्रद्धालु स्व. श्री मदनलाल पलौड़ के सहयोग से हुआ था। जिस प्रकार उनके प्रति माहेश्वरी समाज की अपार श्रद्धा है, उसी प्रकार स्वामीजी का भी समाज से लगाव कम नहीं है। वे समाज के कई परिवारों के मार्गदर्शक हैं। स्वामीजी ज्योतिष के प्रकाण्ड विद्वान हैं और अपने इस ज्ञान से भी सतत् रूप से मार्गदर्शित करते रहे हैं।

काशी में ली दीक्षा और उज्जैन को बनाया कृपा स्थली

स्वामीजी ने अपने सांसारिक जीवन का त्यागकर वर्ष 1974 में अयोध्या निवासी ब्रह्मलीन जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री श्रीरामनारायणाचार्य जी से दीक्षा ली थी। दीक्षा के पश्चात् उन्होंने धर्म का प्रचार ही अपने जीवन का एक मात्र लक्ष्य बना लिया और इसके लिये देश भ्रमण पर निकल पड़े। वर्ष 1985 में उज्जैन में आये तो यहां रम गये। यहां वर्ष 2001 में मंदिर निर्माण प्रारम्भ करवाया और वर्ष 2002 में दिव्य देश में प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा की। यहां आश्रम भी बनकर तैयार हो गया लेकिन उनका धर्म प्रचार के लिये भ्रमण का अभियान जारी था और आज वयोवृद्धावस्था में भी सतत् जारी है।

रामजन्म भूमि के लिये लिया था संकल्प

स्वामीजी अयोध्या की रामजन्म भूमि की मुक्ति को लेकर प्रारम्भ से ही चिंतित थे। इसी की मुक्ति की कामना को लेकर उन्होंने वर्ष 1981 में 108 श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ का संकल्प लिया और इसकी शुरुआत काशी से की। राम जन्मभूमि की आंशिक मुक्ति के बाद उनके यज्ञ तो जारी रहे लेकिन कामना में परिवर्तन हो गया। वर्ष 1995 से इनका उद्देश्य जनकल्याण व राष्ट्र कल्याण हो गया। यज्ञ तो वैसे ही भगवान नारायण का स्वरूप है, जो स्वयं कल्याणकारी हैं।

देश के कई क्षेत्र बने यज्ञ के साक्षी

उनके 108 यज्ञ के इस सद्संकल्प का साक्षी लगभग सम्पूर्ण देश बना। इस दौरान उन्होंने प्रमुख तीर्थ बद्रीनाथ, जगन्नाथ, द्वारिका, वृंदावन, अयोध्या, काशी, हरिद्वार, उज्जैन व इलाहाबाद में तो यज्ञ किये ही कईं शहर भी इससे अछुते नहीं रहे। इस शृंखला में म.प्र. में इंदौर, भोपाल, धामनोद, कोटेश्वर, मंदसौर, मनासा, नीमच, जावद, अलीराजपुर, प्रतापगढ़ आदि में यज्ञ किये। इसी प्रकार अन्य प्रदेशों में उ.प्र. में इलाहाबाद, हापुड़, गाजियाबाद, अमृतसर (पंजाब), मोकरी (बिहार) राजस्थान में निम्बाहेड़ा, चित्तौड़गढ़, कांकरोली, मेड़ता सिटी, मकराना, भीलवाड़ा, पुष्कर, बनेड़ा, छ.ग. में रायपुर, महाराष्ट्र में इचलकरंजी, नासिक तथा दक्षिण में रामेश्वरम्, पिलसुआ, बैंगलोर, गुलबर्गा आदि कई स्थानों पर यज्ञ का आयोजन हुआ। इसमें से कई स्थान ऐसे हैं जहां एक से अधिक बार यज्ञ का आयोजन हुआ।

108वें यज्ञ से होगी संकल्प की पूर्णाहुति

स्वामीजी अपने संकल्पानुसार 107 यज्ञ पूर्ण कर चुके हैं और अब 108 वें यज्ञ के द्वारा इस सद्संकल्प की पूर्णाहुति होगी। यह भव्य आयोजन आगामी 5 नवम्बर से 10 नवम्बर तक इंदौर में स्थानीय दशहरा मैदान पर होगा। इसमें 108 यज्ञ कुंड होंगे तथा विद्वान ब्राह्मणों के सान्निध्य में अभी तक आयोजित 107 यज्ञों के यजमान भी इसमें सम्मिलित होकर अपनी आहुति देंगे। इस आयोजन में प्रथम दिवस को जल कलश यात्रा निकलेगी तथा सतत् 5 दिनों तक यज्ञ चलते रहेंगे। अंतिम दिवस को भव्य पूर्णाहुति के साथ स्वामीजी अपने सद्संकल्प को पूर्ण करेंगे।

सन् 1947 के पूर्व इंदौर व महू क्षेत्र में देश के स्वतंत्रता आंदोलन का पर्याय बने रहे महू निवासी स्वतंत्रता सेनानी श्री श्रीराम आगार नहीं रहे। वे एक ऐसी विभूति थे, जिन्होंने सामान्य परिवार से होने के बावजूद अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। देश को आजादी प्राप्त होने के बाद उनकी लेखनी भी देश के जनप्रतिनिधियों को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास करवाती रही।

नहीं रहे स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक श्रीराम आगार

» SMT टीम

स्वतंत्रता पूर्व इंदौर व महू क्षेत्र के स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक रहे महू निवासी श्रीराम आगार का गत दिनों इंदौर में 92 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। श्री आगर का स्थानीय मुक्तिधाम पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही बड़ी संख्या में गणमान्यजन मौजूद थे।

बचपन से ही देश प्रेम की भावना

4 नवंबर सन 1919 को जन्में श्री आगार बचपन से ही देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत थे। स्कूली शिक्षा के दौरान भी उनका रुझान स्वतंत्रता आंदोलन की घटनाओं की ओर सर्वाधिक होता था। इसका श्रेय उनके गुरुजी को जाता है, जिन्होंने उन्हें प्रथम बार देशप्रेम का सबक पढ़ाया। गुरुजी पं. शारदाप्रसाद पांडे राष्ट्रीय चेतना की उस धारा में आकंठ डूबे हुए थे। इसलिए जब उन्हें इस बात का पता चला कि जबलपुर से गांधी जी खंडवा आ रहे हैं, तो वे बिना अपनी नौकरी की परवाह किए स्कूल के सारे विद्यार्थियों को लेकर स्कूल के सामने खिरकिया के रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर पहुंच गये। ट्रेन का स्टॉपेज 2 मिनट का था। ट्रेन के आते ही गांधीजी के आने से सारा प्लेटफॉर्म गूंज उठा। जीवन में पहली बार उन्हें गांधीजी के दर्शन का सौभाग्य मिला और जीवन बदल गया।

इस तरह बने स्वतंत्रता आंदोलन के नायक

सक्रिय रूप से स्वतंत्रता आंदोलन में आहुति देने के लिये श्री आगर सन् 1938 में आगे आए। इस समय अंग्रेज विश्व युद्ध के घेरे में थे। महू में जब डिस्ट्रिक्ट वार कमेटी अंग्रेजों ने अपनी सहायतार्थ बनाई तो उसमें कई सदस्य ऐसे थे जो कांग्रेस कमेटी के चेंबर में थे। श्री आगर को यह बात सहन नहीं हुई। उन्होंने तत्कालिक प्रदेश कमेटी के सदस्य हरिभाऊ उपाध्याय को एक चिट्ठी लिख महू की कमेटी को भंग करने की मांग की। श्री उपाध्याय ने पत्र को गंभीरता से लेकर उन्हें ही महू कमेटी का डिक्टेयर (उस समय का प्रचलित पद) बना दिया। यह जिम्मेदारी उनके लिये कठिन थी, लेकिन इसमें बापू महात्मा गाँधी उनके पथ प्रदर्शक बने। बापू से उनका सतत पत्र व्यवहार चलता था।

सत्याग्रह में कई बार सही जेल यात्रा

श्री आगार ने अपने सत्याग्रह की खिरकिया से शुरुआत की और गांवों में जनजागरण करने लगे। इससे खफा अंग्रेजों ने उन्हें मात्र 40-41 किमी पर ही गिरफ्तार कर 15 दिन के लिए जेल भेज कर बाद में जंगल में छोड़ा। उस जंगल से वे किसी तरह आदिवासी अंचल में पहुंचे और उन्होंने पुनः सत्याग्रह आरंभ कर दिया। उनके इस आंदोलन को देखते हुए 15 दिन बाद उन्हें पुनः पकड़ लिया गया। न्यायाधीश ने बगैर देखे ही उन्हें 6 माह की सजा सुना दी और नागपुर जेल भिजवा दिया। फिर भारत छोड़ो आंदोलन चला। उस समय उनके विवाह को मात्र 3 दिन ही हुए थे और 1 साल के लिये जेल जाना पड़ा। पत्नी ने तिलक लगाकर वंदेमातरम् के उद्घोष के साथ उन्हें विदा किया। उनके हाथ व पैरों में बेड़ियाँ डालकर भारी यातना दी गई। यह सजा उनके लिए मौत से साक्षात्कार ही थी।

आजादी के बाद भी सेवा

देशभक्ति की उनकी सेवा यात्रा देश की स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भी जारी रही। बस स्वरूप बदल गया। श्री आगर ने सक्रिय रूप से राजनीति में कदम नहीं रखा लेकिन एक वरिष्ठ पत्रकार के रूप में "दैनिक जागरण" आदि समाचार पत्रों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों को सदैव राह दिखाते रहे। इसके साथ ही आप शहर के शीर्ष एमवाय हास्पिटल को भी आजीवन अपनी समर्पित सेवा देते रहे। वहाँ आने वाले हर जरूरतमंद रोगी की उचित चिकित्सा तथा उसकी चिकित्सा की सारी व्यवस्था वो ठीक उसी तरह करते जैसे वे उस रोगी के कोई परिचित हों। उनकी इन सेवाओं को इंदौर वासी कभी भूल नहीं सकते।

राम काज कीन्हें बिना मोहि कहां बिश्राम

गत दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्तव्य पालन के लिये भाजपा सांसदों को हनुमान का आदर्श दिखाया। वैसे तो यह देश व देश की राजनीति के परिप्रेक्ष्य में है, लेकिन इसी जिम्मेदारी के भाव की हर जगह आवश्यकता होती है। चाहे वह सामाजिक संगठन की क्यों न हो।

जिम्मेदारी स्वीकार करने का अर्थ है मार्ग की चुनौतियां, अवरोधों, कांटों, विसंगतियों को स्वीकार करना एवं खुद अपनी तरफ से पहलकर उनको हटाने का प्रयास करना। प्रशासनिक हलकों, शीर्षस्थ अधिकारियों एवं राजनीति की भी आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि अधीनस्थ लोग किसी प्रकार की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते। दूसरों के कंधों से बंदूक चलाने अथवा अपनी टोपी उतारकर दूसरों के सिर रखने में हम भारतीय पारंगत हैं। कार्य निष्पादन में शिखर की ओर, चोटी की ओर देखने की मानो आदत बन गई है। लोग कार्य करते-करते बूढ़े हो जाते हैं, फिर भी बच्चों की तरह हर कार्य के लिये अंगुली पकड़ना चाहते हैं।

क्यों और क्या कहा मोदी ने

गत दिनों हनुमान जयंती पर भाजपा संसदीय दल की बैठक में इसी पीड़ा को महसूस करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा सांसदों को क्या खूब हिदायत दी कि वे हनुमान की तरह जिम्मेदारी लेना एवं कार्य करना सीखें। हर कार्य के लिए नरेंद्र मोदी की ओर न देखें एवं न ही मात्र मेरी जय जयकार करें। वरन स्वयं आगे आकर संसदीय क्षेत्र की समस्याएं समझें, जिम्मेदारी लें एवं उनका समाधान भी ढूंढे। वे कार्य करेंगे तो उनकी एवं मेरी स्वतः जय-जयकार हो जायेगी। उन्होंने कहा कि हनुमान ने हर मुकाम पर स्वयं जिम्मेदारी समझी, उन्होंने श्रीराम से कभी प्रश्न नहीं पूछे, वे तो सदैव प्रभु राम के लिये कार्य एवं मात्र कार्य करने को तत्पर रहे। उन्होंने प्रभु राम से कभी कुछ मांगा भी नहीं। लक्ष्मण के मूर्छित होने पर वे अकेले जड़ी-बूटी लेने चले गये, आगे समस्त अवरोधों को पार किया, जड़ी-बूटी की पहचान न होते हुए भी समस्या का समाधान निकाला, समय पर बूटी लेकर पहुंच भी गये एवं अंततः रामकाज को सिद्ध भी कर दिखाया। देश आज ऐसे ही जिम्मेदार सांसदों की मांग करता है।

रामायण में हनुमान प्रसंग

प्रसंगवश मुझे रामकथा में सुंदरकांड के वो अंश याद हो आये हैं, जब सीता की खोज पर निकले हनुमान के लिये समुद्र मैनाक पर्वत से आग्रह करता है कि तुम कुसुमित होकर वीर हनुमान के विश्राम की व्यवस्था करो, तुम तक पहुंचते वे थक जायेंगे। मैनाक तब ऊपर उठकर उन्हें विश्राम के लिये कहता है, तो पसीने से लथपथ हनुमान मात्र उसे छूते हैं एवं तत्पश्चात कितना सुंदर उत्तर देते हैं- "रामकाज कीन्हें बिना मोहि कहां विश्राम" अर्थात प्रभु राम का कार्य किये बिना मुझे कहां विश्राम है? यह होती है, जिम्मेदारी व कर्तव्य परायणता। अशोक वाटिका को उजाड़ने, रावण को ललकारने एवं लंका दहन करने के पश्चात वे जब पुनः लौटने की आज्ञा लेने के लिये माता जानकी के सम्मुख आते हैं, तो वे शेखी नहीं बघारते। सीता की डबडबायी आंखों से तब उनका उपकार छलक जाता है। वे इसी अवसर पर "अजर-अमर-गुणनिधि तुम होहू करहू सदा रघुनायक छोहू" कहकर उन्हें चिरंजीवी होने का आशीर्वाद देती हैं। सीता खोज का समाचार लेकर वे राम के सम्मुख आते हैं, तो उपकृत राम उन्हें गले लगाकर कहते हैं 'सुन कपि तव समान उपकारी, नहीं कोई जलचर थलचर चारि, प्रति उपकार करो का तोरा, सन्मुख हो न सकत मन मोरा' अर्थात हे हनुमान! मुझ पर तुमसे बड़ा उपकार करने वाला और कौन होगा, तुम्हारे इस अहसान का स्मरण कर मेरी आंखें नीचे हो जाती हैं।

» हरिप्रकाश राठी, जोधपुर

क्या है प्रसंग का संदेश

कर्तव्य स्वस्फूर्त हो, उसकी पुकार भीतर से उठे, उसके निष्पादन के लिये आपकी आत्मा विह्वल हो उठे, तब ही उसकी सार्थकता है। प्रसंगवश मुझे मेरे बैंक कार्यकाल का स्मरण हो आया है, मैं एक जगह ब्रांच मैनेजर था। वहां एक कर्मचारी छोटी-छोटी बातों को लेकर हर एक घंटे कैबिन में घुस आता था। हर कार्य को लेकर उसके पास हजार समस्याएं होतीं। एक बार तो मैं लगभग चीख पड़ा, "अरे ब्रदर। कभी अपनी खोपड़ी का भी इस्तेमाल कर लिया कर, तब उसे सुधि आई। लर्न टू टेक इनिशिएटिव एंड रिस्पांसबिलिटी एट यूअर ओवन इज ए गोल्डन प्रिंसीपल। हर बार, हर जगह उच्चाधिकारी नहीं होते। एक कहावत भी है कि बिना मरे स्वर्ग नहीं मिलता अर्थात अगर आप ऊंचाइयां छूना चाहते हैं, तो जलना, तपना भी आप ही को होगा।

प्रसंगवश यह सभी बाते माहेश्वरी समाज, संगठन एवं ऊपर से नीचे हर कार्यकर्ता पदाधिकारी के लिए भी लागू होती है। आज यश-कीर्ति सभी चाहते है पर कितने बन्धु जवाबदेही महसूस करते हैं। सामाजिक आचरण एवं संदर्भों में खरे उतरते है, कथनी एवं करनी का यह अंतर ही हमारे विकास पथ का सबसे बड़ा रोड़ा है।

ख़ुश रहें... ख़ुश रखें...

भावुकता प्रतिक्रिया है तो संवेदनशीलता को दायित्व बोध मानें

किसी को भी सभी बातें जन्म से नहीं मिलती, उन्हें अर्जित करना पड़ती है। यह जितना सत्य संसार के मामले में है, उतना ही आध्यात्म के मामले में भी। नाम, दाम, धन, प्रतिष्ठा, आवश्यक नहीं कि पैदाइश से ही प्राप्त हो जाए। अपने-अपने ढंग से सभी को अर्जित करना पड़ती हैं। ऐसे ही आध्यात्मिक संसार में एक तत्व है संवेदनशीलता जिसे साधना द्वारा प्राप्त करना पड़ता है। पारिवारिक मामले में इसका बड़ा महत्व है।

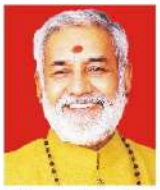

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

हर मनुष्य के भीतर संवेदनशीलता एक संभावना के रूप में रहती है। गौतम बुद्ध कहा करते थे कि भक्तों को संवेदना और भावुकता का अंतर समझ में आना चाहिए। माना जाता है कि भावुकता का संचालन मस्तिष्क या बुद्धि से होता है और संवेदनशीलता ह्रदय से संचालित होती है। भावुक रहना साधारण व्यवहार है, तो संवेदनशील होना एक असाधारण आचरण, जिसे अर्जित करना पड़ता है। भगवान कृष्ण के जीवन में भी अनेक ऐसे अवसर आए जब उन्होंने भावुकता और संवेदनशीलता को पृथक-पृथक स्थापित किया था।

कभी-कभी दूसरे का दुख देख हम दुःखी हो जाते हैं, हो सकता है आंसू भी आ जाएँ। यह भावुकता है। लेकिन जब आप उस दुःख को गहराई से महसूस कर उसके निदान में जुट जाते हैं, तब संवेदनशीलता का आरंभ होता है। भावुकता एक प्रतिक्रिया सी बन जाती है लेकिन संवेदनशीलता दायित्वबोध होता है, ग्यारह वर्ष की आयु में श्रीकृष्ण ने जब वृंदावन छोड़ा था और पहली बार मथुरा जा रहे थे, तो सारा वातावरण भावुक था। माता-पिता, गोप-ग्वाल सब विछोह में डूब हुए थे, पर श्रीकृष्ण सारे दृश्य को संवेदनशीलता से ले रहे थे।

कृष्ण का बृज छोड़ मथुरा जाने का अर्थ था- एक बड़ी जिम्मेदारी जिसमें व्यापक जनहित था जो मात्र बृजहित या बृजप्रेम से विशाल था। भावुकता और संवेदना की मिलीजुली प्रतिक्रिया है-जरा मुस्कुराइए...।

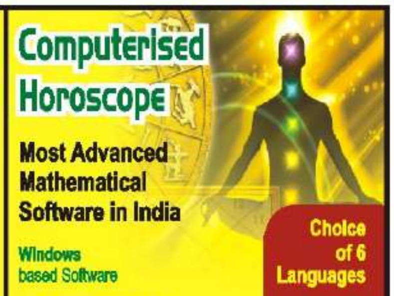

किचन का खजाना

अंजीर मैंगो श्रीखंड

सामग्री- शकर-स्वादानुसार, दही-सात सौ ग्राम, हरी इलायची के दाने का पाउडर 1/4 छोटा चम्मच, दूध में भीगी हुई केसर-1/4 छोटा चम्मच, हापुस आम-दो नग, गुलाब जल-एक छोटा चम्मच, अंजीर-पांच नग, क्रीम -एक बड़ा कप

ऐसे बनाएं- अंजीर के छोटे-छोटे टुकड़े कर, दो घंटे दही में भीगो लें। दही को मलमल के कपड़े में बांध एक घंटा खुटी पर लटका दें। हापुस आम की कतरन एवं अंजीर को मिक्सी में चला लें। तैयार मिश्रण में दही शकर, ईलायची पाउडर, केसर, क्रीम एवं गुलाब जल डाल चम्मच से अच्छी तरह मिला लें। फ्रीज में ठंडी कर अंजीर मैंगो श्रीखंड पर आम के छोटे-छोटे टुकड़े, केसर, ईलायची पाउडर डाल ठंडा-ठंडा खिलायें।

मंजू जैसलमेरिया, जोधपुर
मो. 98285 22322

इस संसार में
हर किसी को
अपने 'ज्ञान' का 'घमंड' हैं।
परन्तु
किसी को भी
अपने 'घमंड' का 'ज्ञान' नहीं हैं।

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

शराबबंदी

खम्मा घणी सा हुक्म आप अगर गजल सुणन रा शौकीन हो तो जगजीत सिंह, पंकज उदास, उस्ताद गुलाम अली री गजलाॅ सुणन को आनन्द लेवता हुवोला... पर म्हाने तो हुक्म याणी गजल में जो ढोलक रे ठेका पर संगीत री धुन आवे विने सुणने दिल बाग़ बाग़ हूँ जावे । आजकल ठेकों शब्द बहुत प्रचलित है बिल्डिंग्स, सड़का, सब काम ठेके सूं हुवण लाग गया आपने ध्यान हुवे तो जो सरकार पेली दारू रा ठेका धड़ले सूं चला रही थी देश री कुछ जांबाज़ औरता उन ठेकों ने बन्द करण वास्ते इण भरी गर्मी में आपरी जान लड़ा रही है । बिहार में सरकार ने पूरी तरह बंद करवा दी। यूपी में आदित्यनाथ योगी भी कोशिश में लाग्योड़ा है राजस्थान सरकार भी दारू रा ठेका बन्द करण की भरसक कोशिश में है। हुक्म अगर भारत रो इतिहास देखा तो पेली बस्ती सूं दूर दूर दारू रा ठेका हुवता और उठे वे ही पहुँच सकता जो पक्का दारुड़ीया हुवता पर सरकार आपरो पेट भरण वास्ते हर चौराहे चौराहे पर दूकान खोल दी अब आप ही बताओ हुक्म आँखों रे सामने देसी- विदेशी , सस्ती-महंगी सब तरह री दारू मिले तो गरीब सूं गरीब री लार भी टपक ही जावे । सही है न.. आप म्हे सब सुणा, पढ़ा भी ....कि दारू पिवण सूं बहुत बीमारियां हूँ जावे की उने ठीक करण में उने ही बच्चो रो भविष्य बर्बाद हूँ जावे क्योंकि कमायोड़ी सारी कमाई दवाइयां पर लाग जावे । सरकार तो आख्यों पर पट्टी बांधयोड़ी राखे उने काईं जनता रे स्वास्थ्य और गरीबो रे बिगड़ते बच्चो री परवाह ..आपा तो अच्छी तरह सूं जाणा कि दारू पिवण के बाद में एक आम भारतीय पति किन तरह 'विकराल' रावण बन जावे।

अब भारत में काफी बदलाव आ गयो है जठे सिर्फ गुजरात में ही नरेंद्र मोदीजी दारू रे ठेके पर रोक लगायी। बिहार में दारू बंद है । राजस्थान सरकार भी बंद करण रे कगार पर ही है और राज्य री सरकार भी चेत रही है। म्हे उन सब जागरूक महिला बहनों ने दिल सूं धन्यवाद देवा जो दारू रे ठेके पर प्रतिबंध लाग जावे वे इण तरह री भरसक कोशिस कर रही आप सभी ने निवेदन संगीत में ढोलक रो ठेकों सूं जीवन में शांति मिले पर दारू से ठेके सूं आपा अपने देश रे भाई बंधू रो नुकसान कर रिया है । सभी मित्रगण आगे आने इण ठेके पर रोक लगावण में आपरो सहयोग देवो तो भारत रे विकास री गति में जरूर हज़ार हज़ार गुना तरक्की हुवण लाग जावेला सा...!

- जुगलकिशोर सोमानी, जयपुर

राजिया रा दूहा

राजिया रा दुहा ..... प्रसिद्ध राजस्थानी कवि स्व. किरपा रामजी खिडिया की रचना ....

गुण ओगण जिण गाँव सुने न कोई साम्भलै;
मच्छ गलागळ मांय रहणो मुसकळ , राजिया .....

अर्थ : जिस गाँव में ज्यादा मूर्खों का वास हो जाता है , समझदारी की कमी हो जाती है - वहाँ बुद्धिमान का रहना मुश्किल हो जाता है

आज के सन्दर्भ में : दुर्भाग्य से हमारे देश के जनतंत्र में जन से तंत्र अलग हो गया है , राजनैतिक दल' व्हीप ' जारी कर झूठे अनुशासन का डंडा चला देती है : जनता द्वारा चुने हुए नेताओं को अपने आलाकमान के आदेश को शिरौधार्य करके बिना स्वबुद्धि के समर्थन / विरोध करना पड़ता है . क्या फ़ायदा ऐसी राजनीति से ! स्वविवेकी के तो घुटन ही होनी है !!

मुलाहिज़ा फरमाइये

बेवज़ह शोर मचाने से सुर्खियां नहीं मिलती..!!
कर्म करो ख़ामोशी भी,अखबारों में छपेंगी!!

सियासत कौरवों का एक फैला व्यूह है जनाब,
गया जो शख़्स अंदर, फिर नहीं लौटा, नहीं निकला।

यूँ असर डाला है, मतलबी लोगों ने दुनिया पर ...
हाल भी पूछो तो, लोग समझते हैं कि कोई काम होगा....

अंदाज़े से न नापिये किसी इंसान की हस्ती...
ठहरे हुए दरिया अक्सर गहरे हुआ करते हैं....

लिखने वाले लाख मगर, है पढ़ने वाला कोई नहीं,
कलम छोड़ती है मोती, पर गढ़ने वाला कोई नहीं।
वक्त बताता रहा इंसान को ऊंचा उठने की,
पर्वत बहुत हैं नेकी के पर चढ़ने वाला कोई नहीं।

▸▸ ज्योत्सना कोठारी, मेरठ

सौजन्य से...

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- इस माह आपको पारिवारिक सुख प्राप्त होगा। परिवार का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। रुका धन मिलेगा। व्यापार में वृद्धि होगी, शुभ समाचार प्राप्त होगा। वाद-विवाद से दूर रहें। परिश्रम के बल से उन्नति मिलेगी। बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। सोच-समझकर खर्च करें। जीवन साथी का पूरा सहयोग रहेगा। मौज-मस्ती का वातावरण बना रहेगा। फिर भी चापलुसों से सावधानी रखे। रुके कार्य पूरे होंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृषभ- इस माह आपकी अपनो से भेंट होगी शुभ समाचार मिलेंगे। मन चाहा कार्य पूरा होगा। घर परिवार में मांगलिक कार्य होंगे। मित्र आपके सहायक रहेंगे। मनोरंजन दिखावों के कार्यों पर व्यय होगा। धन लाभ, व्यापार में वृद्धि होगी। धार्मिक यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। कार्य में रुकावट भी आएगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य सम्बधित परेशानी रहेगी। संतान के कार्यो से मानसिक तनाव बना रहेगा।

मिथुन- इस माह आपके सामान्य कार्यों में रुकावट आयेगी। ट्रांसफर का भय बना रहेगा। प्रेम संबंध बढ़ेंगे। आर्थिक स्थिति में उथल-पुथल बनी रहेगी।पैसा उधार न देवें। प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थी को सफलता मिलेगी। बड़ों के आशीर्वाद से लाभ होगा। घर परिवार में प्रसन्नता का वातावरण बना रहेगा। स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देवें। व्यवसाय में साझेदारी से सावधानी रखें। लंबी यात्रा होगी।

कर्क- यह माह आपके लिये लाभदायक सिद्ध होगा। नये कार्य प्रारम्भ करेंगे। पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य में सुधार, उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। अनुकूल वातावरण बनेगा। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिये अनुकूल समय मिलेगा। मन के कार्य होने से प्रसन्नता बनी रहेगी। वस्त्राभूषण खरीदेंगे। अधिकारी पर प्रभाव बना रहेगा। व्यापार एवं नौकरी में लाभ उन्नति होगी। अस्वस्थ्यता के कारण मानसिक परेशानियां भी बनी रहेगी। नवीन साथी का सहयोग ले। माता की चिंता भी बनी रहेगी।

सिंह- यह माह आपके लिये सर्वानुकूल है। संतान की ओर से खुशी मिलेगी। परिवार में वृद्धि के योग, कार्यों में सफलता-तरक्की एवं मनोकांक्षा (मनोकामना) पूरी होगी। शुभ एवं धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। नौकरी में पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। मनोरंजन-घूमने में व्यस्त रहेंगे। शुभ समाचार एवं लाटरी के योग बनेंगे। कार्यालय में प्रभाव बढ़ेगा। विद्यार्थी को उच्च शिक्षा की प्राप्ति के लिये वातावरण अनुकूल है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। भाग-दौड़ की अधिकता बनी रहेगी।

कन्या- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। कार्य में सुधार, संतान सुख की प्राप्ति, मनोकामना पूर्ण होगी। धार्मिक यात्रा के अवसर, सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि, हास परिहास में समय व्यतीत होगा। प्रेम संबंध बनेंगे, खर्च की अधिकता होगी। विद्यार्थियों के लिये अनुकूल समय है। परीक्षा में सफलता मिलेगी। लॉटरी, सट्टा आदि से दूर रहें। अपने ही परायों जैसा व्यवहार करेंगे। अस्वस्थता बनी रहेगी।

तुला- इस माह राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। घर में शुभ मांगलिक कार्य होंगे। किसी नये कार्य का प्रारम्भ, जीवन साथी से प्रेम बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मान-प्रतिष्ठा यश की प्राप्ति, नौकरी में प्रमोशन, विपरीत परिस्थिति में भी आत्मविश्वास के बल पर सफलता प्राप्त होगी। विपरीत योनी की ओर रुझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा। ब्लड प्रेशर अस्थिर रहेगा। खर्च अधिक होगा परंतु आय भी बढ़ेगी।

वृश्चिक- इस माह लेखन एवं बौद्धिक कार्यों में प्रगति वाहन, जमीन लेने के योग बनेंगे। संतान से वैचारिक मतान्तर रहेंगे। सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि, शुभ समाचार प्राप्त होंगे। अधिकारियों से अनबन एवं विरोधियों से सतर्क रहें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में परेशानियाँ उठना पड़ेगी। जीवन साथी से मनमुटाव बना रहेगा। उत्सव आदि में सम्मिलित होंगे।

धनु- यह माह सुख समृद्धिदायक रहेगा। आर्थिक स्थिति सुदृढ़बनेगी। जीवन साथी का पूर्ण सुख प्राप्त होगा। वाहन सुख, मकान सुख मिलेगा। विपरित योनी की ओर रुझान बढ़ेगा। न्यायालयीन प्रकरणों में जल्दबाजी न करें। विरोधियों से सावधानी रखें। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। अनावश्यक दौड़-धूप करनी पड़ेगी। संतान के कार्यों में खर्च करेंगे। दूसरों के कार्य में बीच में न पड़ें हानि उठना पड़ेगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न रखें।

मकर- यह माह आपके लिये लाभदायक सिद्ध होगा। किसी नये कार्य से लाभ, रुका हुआ धन प्राप्त होगा। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। स्थान परिवर्तन होगा। जीवन साथी से प्रेम-स्नेह बढ़ेगा। कारोबारी व्यवसाय में सफलता मिलेगी। हँसी-मजाक, मनोरंजन में समय व्यतीत होगा।घर परिवार में विवाह संबंध होंगे। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। लंबी यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। अपने कार्यों के प्रति आप सचेत रहेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य की परेशानी बनी रहेगी।

कुंभ - यह माह आपके लिये मिलाजुला रहेगा मानसिक तनाव एवं व्यर्थ का विवाद बना रहेगा। धार्मिक स्थानों की यात्रा होगी थोड़े से परिश्रम से लाभ होगा। स्थानांतरण बड़े अधिकारियों से मनमुटाव रहेगा, धैर्य वैचारिक मतान्तर रहेंगे। गलत कार्यों से पैसा न कमाये, हानि उठाना होगा। लाभ के सुअवसर प्राप्त होंगे, आकस्मिक लाभ से मन प्रसन्नत होगा। अच्छी खबरे भी मिलेगी।

मीन - यह माह भाग्योदयकारी रहेगा, मान-सम्मान में वृद्धि नौकरी में तरक्की रूके कार्य पूर्ण होने से मन प्रसन्न होगा। यात्रा से लाभ भाईयों और मित्रों से सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेंगे, उच्च शिक्षा हेतु समय अनुकूल रहेगा, सोचे कार्य पूरे होंगे विरोधी बढ़ेगे मानसिक परेशानी रहगी। दाम्पत्य सुख में कमी रहेगी, पुराने रोग से तनाव बना रहेगा, व्यर्थ की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा खर्च अधिक होगा।

खलनायक कौन?

कीर्ति राणा, उज्जैन
Mo. : 8989789896

वैसे तो हम सब का दायित्व है कि अपने परिजनों को खुशियां दें, लेकिन हमें याद नहीं रहता कि छोटी सी भूल, लापरवाही या अकड़ के कारण उन्हें हम ताउम्र आंसू उपहार में दे देते हैं। कार ड्राइव करते वक्त सीट बेल्ट लगाना, गाड़ी चलाते वक्त मोबाइल पर बात नहीं करना, दो पहिया वाहन चलाते वक्त हेलमेट लगाना, यह सब हमारी उम्र लंबी बढ़ाने के छोटे-छोटे कैप्सूल हैं। पर हम इन्हें अपनी फर्राटा जिंदगी में खलनायक मान लेते हैं। जब कोई हादसा हो जाता है, तो मन ही मन प्रायश्चित करते हुए सोचते हैं काश....

मिर्जा गालिब की एक गजल है, ''कोई उम्मीद बर नहीं आती, कोई सूरत नजर नहीं आती। इसी गजल का शेर है, ''मौत का एक दिन मुअय्यन है, नींद क्यूं रातभर नहीं आती।'' इस शेर से अपनी समझ में तो यही आया है कि एक दिन मरना तो सभी को है। फिर भी मौत के डर से रातों की नींद उड़ी हुई है। राम, कृष्ण, ईसा, मुहम्मद जब आम इंसान के रूप में धरती पर आये तब इन सारे भगवानों और संत पुरुषों को भी सामान्य इंसान की तरह मरना पड़ा है। आए हैं तो जाएंगे राजा, रंक, फकीर एक सिंहासन चढ़ि जले, एक बंधे जंजीर। मतलब वही है कि राजा हो, फकीर हो, अमीर-गरीब कोई भी हो एक दिन जाना सभी को है, बस अंतिम यात्रा में भेद हो सकता है। किसी को चार कांधे नसीब होंगे तो किसी को लाव लश्कर के साथ बिदाई दी जाएगी। सबका जन्म की तरह मरण दिन भी तय है, फिर भी हम कार्य-व्यवहार में जो बात भूल जाते हैं वह यही है कि किसी दिन मौत हमारे दरवाजे पर भी दस्तक दे सकती है। हम उस काल दिवस को भूलने की गलती के साथ यह भ्रम भी पाल लेते हैं कि जो ऊपर बैठा हम सबका घड़ी-पल का हिसाब रखता है, शायद वह भी हमारी तरह भुलक्कड़ ही होगा, जिसे हमारे अंतिम दिवस की याद नहीं होगी। आप सुबह उठें या ना उठें, आपकी मर्जी, लेकिन घड़ी में यदि अलार्म भरा है तो अलार्म तो निर्धारित समय पर बजेगा ही। कोई चटपट हो जाता है तो कोई महीनों टकटकी लगाए दरवाजे की ओर देखता रहता है कि शायद अब बुलावा आ जाए...जन्म को तो बांधने के इंसानी प्रयास फिर भी सफल हो रहे हैं, लेकिन मौत को टालना अब तक किसी के बस में हुआ नहीं है।

राजा परीक्षित की तरह मौत से भयमुक्त होना फिर भी संभव है। वो परीक्षित थे जिन्हें कम से कम मौत का भय तो था.. इस कलयुग का कितना अच्छा प्रभाव है कि इंसान के मन से मौत का भय जाता रहा है। जब मौत का भय नहीं है तो फिर कैसी चिंता? लोग हैं कि फिर भी कहना नहीं भूलते की चिंता ही चिता का कारण है। कुछ साल पहले एक बड़े नेता की कार हादसे में मौत हो गई थी। भाजपा के बड़े नेता थे, लिहाजा केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री ने सड़क हादसों में होने वाली ऐसी अकाल मौतों को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा कानून में सख्ती के साथ ही केंद्र सरकार ने देश में जनजागरुकता अभियान शुरू किए। सड़कों पर आए दिन होने वाली दुर्घटनाएँ हैं कि थमने का नाम ही नहीं ले रही हैं। मेरे एक मित्र उन्मेष की टायर फटने के बाद कार का संतुलन बिगड़ने से मौत हो गई। शवयात्रा से लेकर श्रद्धांजलि सभा तक में ज्यादातर लोग इसी बात पर अफसोस जाहिर कर रहे थे कि पता नहीं सीट बेल्ट लगा रखा था या नहीं? कार में एयर बलून होते, सीट बेल्ट आदि का पालन किया होता तो शायद जान बच जाती। मुझे लगता है कि जब अपने परिवार का कोई सदस्य या अपना अजीज दोस्त ऐसे किसी हादसे में अकाल मौत का शिकार होता है, तब ही हमारे मन में रोड सेफ्टी का ज्वार भाटा उठता है।

ट्रैफिक पुलिस के ये सारे कानून हैं, तो हमारी हिफाजत के लिए ही लेकिन इनका पालन कराने में अतिवादी रवैया अपनाने, बीच की गली निकालने वाले लेन-देन के खेल या अपने अहं पर चोट लगने जैसे कई कारणों की वजह से ये सारे नियम हमें खलनायक लगते हैं। श्री गंगानगर में जन्मे गजल गायक जगजीत सिंह ने सपने में नहीं सोचा होगा कि बेटे के लिए खरीदी तेज रफ्तार वाली बाइक ही उसकी जान हवा की गति से ले जाएगी। बाप के कांधे पर बेटे की अर्थी जाए इससे बड़ा झटका क्या हो सकता है। चंडीगढ़, दिल्ली, बैंगलुरु रोड रेज के बढ़ते शौक में कब, किस घर का कुलदीपक बुझ जाए, कोई नहीं जानता। दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट अनिवार्य कर देने पर भी आम सहमति के स्वर तब मजबूती से सुनाई देते हैं, जब किसी का बेटा, भाई हेलमेट के अभाव में असमय मौत का शिकार होता है। वरना तो महानगर बनने को आतुर शहरों में भी हेलमेट के विरोध के यही सारे कारण गिनाए जाते हैं कि सड़कें ठीक नहीं हैं, मार्ग संकरे हैं, पुराने शहर में तो स्पीड से गाड़ी चला ही नहीं सकते। हेलमेट अनिवार्य करना भी हो, तो शहर के बाहरी बायपास वाली मार्गों पर कर दिया जाए।

विरोध के ऐसे स्वर कई शहरों में तो पुलिस मनमानी के रूप में गूंजते रहते हैं। वैसे सिगरेट के तमात पैकेट, तंबाकू के पाउच पर चेतावनी लिखी रहती है कि धूम्रपान करना, तंबाकू चबाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक या कैंसर का कारण हो सकता है। कितने लोग इस चेतावनी की गंभीरता से लेते या शराब-सिगरेट छोड़ देते हैं? कुछ ऐसा ही यातायात नियमों, सड़क पर गंदगी-कचरा फेंकने के मामले में भी है। उज्जैन वाला जब चंडीगढ़ जाएगा तो कल्पना करेगा कि अपना देश भी सिंगापुर हो जाए। देपालपुर वाला दिल्ली मेट्रो में बैठगा तो आसपास की सवारियों को देखकर ही ट्रेन में कचरा फेंकने, धूम्रपान करने जैसी भूल नहीं करेगा। अन्य शहरों या देशों में जाएं तो वहां के नियम, कायदों का पालन भीगी बिल्ली की तरह करने लगते हैं। अपने शहर, अपने राज्य में नियम-कायदों से ऊंचा हमारा कद होता है। तब हम यह भी भूल जाते हैं कि हवा की रफ्तार से बाइक चलाते हुए मोबाइल पर बात करने जाना, हेलमेट को शोपिस की तरह बाइक पर लटका कर चलना हमारी जान का ही दुश्मन बन जाता है। कार में एयर बैलून रहता है, सीट बेल्ट तो रहता ही है। भले ही हम ड्राइविंग में कितने ही परफेक्ट क्यों न हों, लेकिन सीट बेल्ट नहीं लगाएंगे, मोबाइल पर बात करते समय ड्राइविंग करेंगे, तो हमें पता ही नहीं चलेगा कि किस मोड़ पर छिपी बैठी मौत किस बहाने हमारे परिजन को ताउम्र रुलाती है।

वर्तमान दौर में अनुचित खानपान के कारण ह्रदयरोग एक अत्यंत विकट समस्या बन गया है। आंकड़ें देखें जाएं तो इसके सर्वाधिक रोगी एशियाई देशों में ही हैं। आधुनिक चिकित्सा पद्धति इस पर नियंत्रण करने में पर्याप्त रूप से सफल नहीं है। जबकि हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में हैं, ऐसे उपाय जो रख सकते हैं, आपके दिल को भी तंदुरुस्त।

आयुर्वेद में छुपी है दिल की तंदुरुस्ती

▸▸ वैद्यराज डॉ. रमेश माहेश्वरी, भोपाल

ह्रदय रोगों में आयुर्वेद बहुत लाभकारी है। आयुर्वेद दिल को स्वस्थ रखता है। दिल के रोगियों के लिए आयुर्वेद में अनेक उपाय हैं। आयुर्वेद के इन उपायों को अपनाकर आप अपने दिल को मजबूत बना सकते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा से बीमारी पूर्ण रूप से समाप्त हो जाती है और इन दवाओं का कोई साइड इफैक्ट भी नहीं होता। ह्रदय रोगों में कई प्रकार के रोग हो सकते हैं, जैसे ह्रदयाघात, उच्च रक्तचाप, रूमेटिक ह्रदय रोग, ह्रदय की विफलता, पैरिकार्डियल बहाव इत्यादि। आइए जानें आयुर्वेद की खासियत के बारे में जिन्हें अपनाकर आप भी अपने दिल को तंदुरुस्त रख सकते हैं।

इनका रखें ख्याल

आयुर्वेद से ह्रदय रोगों के इलाज के लिए जरूरी है कि सबसे पहले स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरती जाए। ह्रदय रोगियों को सामान्य आचरण करना चाहिए। बहुत ज्यादा गुस्सा करना इनके लिए नुकसानदायक हो सकता है। खानपान का खासतौर पर ध्यान रखना आवश्यक है। बहुत ज्यादा जंकफूड न खाएं और न ही बहुत तैलीय और ठंडे पदार्थों का सेवन करें। व्यायाम व शारीरिक सक्रियता बहुत जरूरी है, लेकिन कोई भी व्यायाम करने से पहले डॉक्टर से परामर्श लेना न भूलें। इसी प्रकार कोई भी आयुर्वेदिक उपाय अपनाने से पहले आयुर्वेद विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य करें और उनके बताए दिशा निर्देशों के अनुसार ही सेवन करें। आयुर्वेदिक औषधियों का सेवन निर्देशानुसार करते रहेंगे, तो न सिर्फ रोग नियंत्रण रहेगा बल्कि समाप्त भी हो जाएगा।

आयुर्वेद की रामबाण औषधियाँ

▸▸ **अर्जुन जड़ी-बूटी-** ह्रदय संबंधी समस्याओं को दूर करने में कारगर है, क्योंकि यह प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से भरपूर है। ऐसे में ह्रदयरोगी अर्जुन टी का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

▸▸ **ब्राह्मी औषधि-**दिमाग को शांत रखने वाली औषधि है। इससे न सिर्फ दिमाग तेज होता है, बल्कि याददाश्त भी बढ़ती है। इतना ही नहीं यह ह्रदय को निरोग रखने में सहायक है। खासकर महिलाओं के ह्रदय के लिए यह विशेष लाभकारी है।

▸▸ **जटामासी-** इससे न सिर्फ इम्युन सिस्टम मजबूत होता है, बल्कि यह ह्रदय को स्वस्थ रखने में भी कारगर है। यह दिल की धड़कन को नियंत्रित करने में लाभकारी है।

▸▸ **पुनर्नवा** भी ह्रदय रोगों को दूर करने में लाभकारी है।

▸▸ **यष्टीमधु** ह्रदय को मजबूत करने, रक्त से कोलेस्ट्रोल की मात्रा घटाने और ह्रदयाघात की आशंका को कम करता है। इसे चाय या पानी के साथ भी लिया जा सकता है।

▸▸ **कुटकी-**ह्रदय संबंधी समस्याओं व बीमारियों को दूर करता है। ह्रदय की धड़कन में भी सुधार लाता है।

▸▸ **हल्दी-**लगभग 500 मिलीग्राम हल्दी रोजाना खाना चाहिए। हल्दी हमारे शरीर में खून का थक्का नहीं बनने देती क्योंकि यह खून को पतला करने का काम करती है।

▸▸ **गाय का दूध-**पीने वाले को ह्रदय रोग नहीं होता। गाय के दूध में कैल्शियम, मैग्निशियम और गोल्ड जैसे बहुत सारे सूक्ष्म पोषक पदार्थ होते हैं। आयुर्वेद में गाय के दूध को हल्का, सुपाच्य, ह्रदय को बल देने वाला और बुद्धिवर्धक माना गया है।

▸▸ **अलसी -** अलसी का उपयोग दिल की बीमारियों से बचा सकता है। अलसी में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो रक्त नलिकाओं में वसा के जमाव को रोकता है। अलसी के बीज से बने पदार्थ ह्रदय रोग दूर करने में काफी मददगार हैं।

नहीं रहे कविराज डॉ. एस.के.माहेश्वरी

आयुर्वेद जगत के युगपुरुष, वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक एवं प्रतिष्ठित उद्योगपति वैद्य कविराज डॉ. एस.के.माहेश्वरी का गत 17 अप्रैल को 84 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। उनका अंतिम संस्कार सुभाषनगर विश्राम घाट पर किया गया। उनके ज्येष्ठ पुत्र डॉ. नारायण माहेश्वरी ने उन्हें मुखाग्नि दी, जहां सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। आप अपने पीछे 3 पुत्र डॉ. नारायणदास माहेश्वरी, वैद्यराज रमेशकुमार माहेश्वरी व महेशकुमार माहेश्वरी तथा 1 पुत्री प्रतिभा राठी सहित पौत्र, पौत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। विश्राम घाट पर प्रदेश माहेश्वरी सभा के मानद मंत्री लक्ष्मेंद्र माहेश्वरी, महेश सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष त्रिलोक जाजू, जिला माहेश्वरी सभा के सचिव राजेंद्र गट्टानी, वृहद समाज के रवि गगरानी, दक्षिणांचल के सुनील लड्ढा, मंडीदीप औद्योगिक एसोसिएशन के सी.बी. मालपानी, सेवाभारती के श्री खांडेकर, वल्लभाचार्य ट्रस्ट के के.एल. इंदानी एवं जी.एन भटकर सहित कई समाजबंधुओं, उद्योगपतियों ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री भटकर ने कविराज डॉ. माहेश्वरी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश भी डाला।

आयुर्वेद के साथ समाजसेवा

कविराज श्री माहेश्वरी ने सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए अपनी महत्वपूर्ण साख व जगह बनाई। श्री माहेश्वरी सामाजिक क्षेत्र में विभिन्न पदों पर आसीन रहे। सामाजिक सेवा क्षेत्र में सदैव सक्रिय रहते हुए श्री माहेश्वरी ने समाज की उन्नति के लिए हरसंभव प्रयास किये। सामाजिक क्षेत्र में मान-प्रतिष्ठा के साथ कई महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन भी उन्होंने किया। आप जमना फार्मास्युटिकल्स, जमना हर्बल रिसर्च लिमिटेड के संस्थापक एवं प्रमुख संचालक, आयुर्वेद आधारित आयुष्मान पत्रिका व मासिक समाचार पत्र आयुर्वेद चिंतन के संस्थापक व प्रधान संपादक रहे। डॉ. माहेश्वरी ने माहेश्वरी प्रगति मंडल भोपाल मप्र के उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाली थी। उन्होंने माहेश्वरी समाज वृहद भोपाल के उपाध्यक्ष के रूप में भी सामाजिक दायित्व का निर्वहन किया। इसके साथ ही अनेक सामाजिक संस्थाओं में आजीवन सदस्य व अन्य महत्वपूर्ण दायित्व निभाया। वरिष्ठ न्यासी श्री जैसलमेर भवन ट्रस्ट जतीपुरा, श्री गिरिराजजी, उ.प्र., न्यासी श्री मदनमोहन जी हवेली ट्रस्ट खूजनेर मप्र, जगद्गुरु श्री वल्लभाचार्य सेवा समिति ट्रस्ट भोपाल के अध्यक्ष सहित अनेक धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं में जिम्मेदारी संभाली।

आयुर्वेद को दी नई ऊँचाई

आयुर्वेद पीयूषवाणी के सम्मान से अलंकृत श्री माहेश्वरी अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन नईदिल्ली के उपाध्यक्ष रहे। उन्होंने मप्र के अनेक शासकीय विभागों में अधिकृत चिकित्सा परामर्शदाता व जिला रोगी कल्याण समिति भोपाल में आयुर्वेद विशेषज्ञ सदस्य के रूप में अपनी सेवाएँ दीं। वे राजनेताओं के आयुर्वेदिक सलाहकार व चिकित्सक भी रहे। डॉ. माहेश्वरी ने श्री वैद्यराज श्रीकृष्णदास धनराज माहेश्वरी आयुर्वेदिक पारमार्थिक ट्रस्ट भोपाल की स्थापना की। मप्र आयुर्वेद मंडल में अनेक पदों पर भी आसीन रहे। भोपाल में खुशीलाल आयुर्वेद महाविद्यालय खुलवाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में समाज की प्रतिष्ठा के पर्याय रहे भोपाल निवासी कविराज डॉ. एस.के. माहेश्वरी का गत 17 अप्रैल को देहावसान हो गया। आप जमना फार्मास्युटिकल व जमना हर्बल रिसर्च लि. के संस्थापक व संचालक थे। उनके द्वारा सम्पादित पत्रिका आयुष्मान व मासिक समाचार पत्र "आयुर्वेद चिंतन" देशभर में अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं।

Ganesh sikchi
call: 9866058117

Ramprasad sikchi
Call: 99081 36981

Venugopal Packagings

Deniers in
P.P. & L.D. Bags, Rubber, Band, Kirana Bags,
Nariyal sstraw, sheet, sutil, silpaulin, tarpaulin paking tapes,
Ice box & all packing Material

15-7-479/8 Bhati complex, Near fish market,
Begum Bazar Hyd, 12 Cell : 8143000241

Pprakash Chand Ladha

Ph.: (O) 24657743, 65526623
Mobile: 98490 30911
94408 91890
(R) 24040049

Prakash Canvassors

Canvassing Agent
Wheat, Wheat Flour Mill & Wheat Products

15-2-217, akhil chambers, 2nd Floor, office No. 211
maharaj gunj, hyderabad-50012 (A.P.)

श्रीमती पार्वतीदेवी माहेश्वरी

महू. माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं महू नगर के वरिष्ठ अभिभाषक श्री श्यामसुंदर माहेश्वरी (सोडानी) की धर्मपत्नी श्रीमती पार्वतीदेवी का देहावसान गत 23 मार्च को हो गया। आप माहेश्वरी समाज के पंच दिनेश सोडानी, दीपक एवं अतुल की माताजी व माधव (बाबू) की दादी थीं।

श्री राजकृष्ण माहेश्वरी

कांठ (मुरादाबाद). समाजसेवी एवं उद्योगपति श्री राजकृष्ण माहेश्वरी का गत 4 अप्रैल को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे धर्मपत्नी पुष्पादेवी व इकलौती विवाहित पुत्री मोनिका चाँडक को छोड़कर गए हैं।

श्री श्यामसुंदर राठी

श्रीरामपुर. माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री श्यामसुंदर राठी का 81 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। श्री राठी शकर के व्यापारी भी थे। उनकी अंतिम इच्छानुसार परिवार के सदस्यों ने उनका नेत्रदान करवाया। आप अपने पीछे 2 पुत्र तथा तीन पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री चंद्रप्रकाश मोहता

उंद्रि (बुलढाणा). समाज सदस्य श्री चंद्रप्रकाश घनश्यामदास मोहता का गत दिनों देहावसान हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्री गोपीकिशन जाजू

डग. माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी व राजेश जाजू, आशीष जाजू के पिता श्री गोपीकिशन जाजू का श्रीजी शरण 25 मार्च 2017 को गया है। वे अपने पीछे भरापूर परिवार छोड़ गए।

श्री भगवानदास सारडा

हैदराबाद. अमीरपेट निवासी समाज के वरिष्ठ सदस्य श्री भगवानदास सारडा का गत 27 मार्च को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे भाई ब्रजगोपाल एवं दो पुत्र वेणुगोपाल व राजगोपाल के साथ भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

THE GRAND MEHFIL
passion for excellence

SERVICE AND FACILITIES
- 64 WELL APPOINTED ROOMS AND SUITES
- 24 HRS. ROOM SERVICE
- DOCTOR ON CALL
- L.C.D. T.V. WITH SATELLITE CHANNELS
- TEA AND COFFEE MAKER IN ROOM
- LARGE BASEMENT PARKING
- 24/7 HOT AND COLD WATER
- OUTDOOR PARTY LAWNS
- 12000 Sq. Ft. PARTIONABLE BANQUET HALL
- SPICE KITCHEN-MULTI CUISINE FINE DINING RESTAURANT
- GOVT. TAXES AS APPLICABLE
- WI-FI FACILITY AT BUSINESS CENTER
- CONFERENCE/MEETING ROOMS
- LAUNDRY SERVICE
- COMPLEMENTARY BREAKFAST

Comp Road, Amrovoti-444605 Contact : 0721-2552288
www. mehfilhotels.com, e-mail : hotelmehfilin@gmail.com

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल
सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है-
'जल है तो कल है'।
इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित
डॉ. विवेक चौरसिया
के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह
'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे
न सिर्फ भारतीय संस्कृति
बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने
स्वीकारी है
जल की महत्ता.

जल देवता

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

Nilesh Jajoo
9422866971

Nilesh
Computer Services

All Types Toner Powder, Drum, PCR & Toner, All Type Computer Material

GW-6, Business Plaza, Datta Chowk, Yavatmal
E-mail : nileshcomputer@yahoo.in

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा

के सभी नव–निर्वाचित पदाधिकारियों को हमारी

हार्दिक शुभकामनाएं

अध्यक्ष

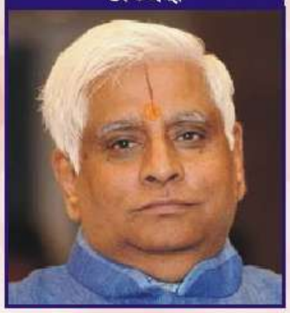

श्री त्रिभुवन जी काबरा
बड़ोदरा

मंत्री

श्री कृष्णकुमार जी चांडक
अहमदाबाद

कोषाध्यक्ष

श्री सुरेश जी काबरा
सूरत

संगठन मंत्री

श्री यशवंत जी बचानी
पालनपुर

उपाध्यक्ष (मध्यांचल)

श्री सुरेश जी मूंदड़ा
अहमदाबाद

उपाध्यक्ष (दक्षिणांचल)

श्री विनीत जी काबरा
सूरत

उपाध्यक्ष (सौराष्ट्र व कच्छ)

श्री मूलचंद जी गट्टानी
पोरबंदर

सह मंत्री (मध्यांचल)

श्री सुरेश जी दम्मानी
अहमदाबाद

सह मंत्री (दक्षिणांचल)

श्री राधेश्याम जी काबरा
बड़ोदरा

सह मंत्री (सौराष्ट्र व कच्छ)

श्री गोपाल जी बांगड़
आदिपुर

शुभेच्छुक

श्यामसुन्दर राठी (आणंद)

नंदलाल न्याती (अहमदाबाद), **महेश लड्डा** (बड़ौदा), **दाउलाल चांडक** (अहमदाबाद), **राजाराम राठी** (गांधीधाम), **जुगलकिशोर मर्दा** (वापी), **श्यामसुंदर इनाणी** (अहमदाबाद), **राजेन्द्र पेड़ीवाल** (अहमदाबाद), **ईश्वरलाल कोठारी** (अहमदाबाद), **प्रहलाद सोमानी** (हिम्मतनगर), **अशोक धुत** (अहमदाबाद), **महेश लद्दड़** (बड़ौदा)

समाज का गौरव बढ़ाने वाली
समाज की नवनिर्वाचित
दिल्ली नगर निगम पार्षदों का

हार्दिक अभिनंदन

कंचन माहेश्वरी
वार्ड क्रमांक–26–ई,कांति नगर

रीना माहेश्वरी
वार्ड क्रमांक–36,अशोक नगर

रेणु जाजू
वार्ड क्रमांक–62,शालिमार बाग

शुभेच्छु

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

(अन्तर्गत अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन)

श्रीमती किरण लढ़ा
अध्यक्ष

श्रीमती राधा चाण्डक
कोषाध्यक्ष

श्रीमती श्यामा भांगड़िया
सचिव

कार्यसमिति- निवर्तमान अध्यक्ष – श्रीमती उमा झंवर, संरक्षक मण्डल – श्रीमती विनीता बियानी, श्रीमती शार्मिला राठी, श्रीमती मंजु मानधना, परामर्श समिति– श्रीमती प्रतिभा जाजू, श्रीमती आशा जैथलिया, श्रीमती सरोज दरगढ़, श्रीमती नीता माहेश्वरी, श्रीमती ममता बागड़ी, संगठन मंत्री – श्रीमती सुनीता मूंदड़ा, प्रचार–प्रसार मंत्री – श्रीमती उमा सोनी, प्रकल्प प्रमुख – श्रीमती राजश्री मोहता, सांस्कृतिक मंत्री – श्रीमती मधु मूंदड़ा, उपाध्यक्ष – श्रीमती बबीता माहेश्वरी, श्रीमती आशा रान्दड़, श्रीमती पूनम तोषनीवाल, श्रीमती सुधा डागा, सहसचिव – श्रीमती सुनीता झंवर, श्रीमती इन्दु लढ़ा, श्रीमती अंजु सोमानी, श्रीमती वीणा काबरा

समिति संयोजिका - सुश्रिता – श्रीमती शालू सारड़ा, सुगन्धा – श्रीमती जमना बांगड़, सौष्ठा – डॉ. स्नेह माहेश्वरी, सन्चारिका – श्रीमती रमा मूंदड़ा, सुलेखा – श्रीमती स्वाति मूंदड़ा, सुचिता– श्रीमती सुलोचना रांदड़ा, सुषमा– श्रीमती नेहा बागड़ी, सुरम्या – श्रीमती सरोज साबू, सम्वरणा– श्रीमती छाया मूंदड़ा, सुरभि – श्रीमती अम्बिका बाहेती, सुकीर्ति– श्रीमती उर्वशी साबू

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 May, 2017

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com